रांची
शनिवार
03.12.2022
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 10
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
इस दुनिया में नामुमकिन कुछ भी नहीं, हम वो सब कर सकते हैं जो हम सोच सकते हैं और हम वो सब सोच सकते हैं जो हमने कभी नहीं सोचा।

www.rastriyanaveenmail.com
रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-23 अंक-297 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

न्यूज गैलरी

एसपी का आदमी बताकर महिला से ले उड़े जेवारात

देवघर। शहरी क्षेत्र के बाजला चौक निवासी महिला निर्मला देवी के साथ ठगी की घटना हुई है। इसे लेकर निर्मला देवी के बेटे प्रशांत केजरीवाल ने नगर थाना में मामला दर्ज कराया है। उन्होंने कहा है कि उसकी मां घर के बाहर खड़ी थी उसी दौरान एक युवक आया और कहा कि एसपी का निर्देश है कि महिला सोने का आभूषण नहीं पहनें, आप जो गहना पहनें है उसे खोलकर रख दीजिये। इसके जबाव में उसकी मां ने कहा कि उसका घर तो सामने है वहां जाकर खोल देंगें। इसपर युवक ने कहा कि साहब गली के बाहर खड़े हैं आप वहां चलिये। जब वह बाहर निकली, तो एक युवक बाइक पर बैठा था। उसने कहा कि जेवरात खोलिये। उसके बाद मां से चार सोने का अंगुठी जिसमें दो हीरा जड़ित, एक मुंगा और एक पोखराज का व दो चुड़ी खोलवा कर कागज का पुड़िया में बांधकर वापस कर दिया। जब उसकी मां घर वापस आकर उक्त कागज के पुड़िये को खोला तो उसमें दो नकली चुड़ी निकली। नगर पुलिस मामला दर्ज कर पड़ताल में जुट गयी है।

वाशिंग मशीन बनाने का झांसा देकर डॉक्टर से एक लाख की ठगी

रांची। कोकर बैंक कॉलोनी निवासी डॉक्टर मुरलीधर बनर्जी से साइबर ठगों ने वाशिंग मशीन बनाने के नाम पर उनसे एक लाख रुपये की ठगी कर ली है। इस संबंध में मुरलीधर ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। मुरलीधर ने पुलिस को बताया कि वह बीते 26 नवम्बर को वाशिंग मशीन बनाने के लिए ऑनलाइन नंबर निकाला। फोन करने पर उनके व्हाट्स एप्प पर एक फार्म भेजा गया। उस फार्म को भरने के बाद उसी व्हाट्स एप्प पर फोनकर्ता को भेज दिये। 28 नवम्बर को उनके खाते में यूपीआई से एक रुपये आया। कुछ देर बाद वह राशि कट गयी। इसकी जानकारी जब वह एसबीआई के सर्विस मैनेजर को दी। सर्विस मैनेजर ने उन्हें बताया कि उनके खाते से 40 हजार, 40 हजार और करीब 20 हजार रुपये की निकासी हो चुकी है। तब उन्होंने अकाउंट को ब्लॉक कराया।

घायल महिला पत्रकार का पति गिरफ्तार

रांची। रातू थाने की पुलिस ने महिला पत्रकार संध्या रानी के खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने की कोशिश मामले में उनके पति को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी जयंत सिंह विजेन को पुलिस ने अवैध हथियार व गोली रखने के मामले में पकड़ी है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि महिला पत्रकार संध्या रानी ने पति से झगड़ा होने के बाद बीते गुरुवार को खुद को गोली मारकर घायल कर लिया था। आनन-फानन में उसे रिम्स में भर्ती कराया गया है। फिलहाल महिला की स्थिति खतरे से बाहर है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो चार हथियार और दो दर्जन गोली बरामद की है। इसमें पिस्टल व दो मैगजीन के कागजात आरोपी ने प्रस्तुत नहीं किया था। इस वजह से पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस के समक्ष अवैध हथियार रखने की बात स्वीकार की है।

केंद्र के वन संरक्षण नियम-2022 पर मुख्यमंत्री ने जतायी आपत्ति

लोगों के अधिकारों का होगा हनन : हेमंत सोरेन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये उस कानून पर आपत्ति जतायी है, जिसमें कहा गया है कि आदिवासियों और वनों पर निर्भर रहनेवालों की सहमति सुनिश्चित किये बिना निजी डेवलपर्स वनों को काट सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आग्रहपूर्वक इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने हेतु प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से कहा है कि झारखंड में 32 प्रकार के आदिवासी रहते हैं, जो प्रकृति के साथ समरसतापूर्वक जीवन जीते हैं। ये पेड़ों की पूजा और रक्षा करते हैं।

- मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर कानून पर पुनर्विचार का किया आग्रह

जो लोग इन पेड़ों को अपने पूर्वजों के रूप में देखते हैं, उनकी सहमति के बिना पेड़ों को काटना उनकी भावना पर कुठाराघात करना जैसा होगा। वन अधिकार अधिनियम, 2006 को परिवर्तित कर वन संरक्षण नियम-2022 ने गैर वानिकी उद्देश्यों के लिए वन भूमि का उपयोग करने से पहले ग्राम सभा की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्य आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन अधिकार अधिनियम 2006 वनों में रहनेवाली अनुसूचित जनजातियों और वनों पर निर्भर अन्य पारंपरिक लोगों को वन अधिकार प्रदान करने के लिए लाया गया था। देश में करीब 20 करोड़ लोगों की प्राथमिक आजीविका वनों पर निर्भर है और लगभग 10 करोड़ लोग वनों के रूप में वर्गीकृत भूमि पर रहते हैं। ये नये नियम उन लोगों के अधिकारों को खत्म कर देंगे, जिन्होंने पीढ़ियों से जंगल को अपना घर माना है। जबकि, उन्हें उनका अधिकार अब तक नहीं दिया जा सका है।

कानून समावेशी होने चाहिए, आदिवासियों की आवाज न दबे

मुख्यमंत्री ने कहा है कि 2022 की नयी अधिसूचना में ग्राम सभा की सहमति की शर्त को आश्चर्यजनक रूप से पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। अब ऐसी स्थिति बन गयी है कि एक बार फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिलने के बाद बाकी सब बातें औपचारिकता बनकर रह जायेंगी। राज्य सरकारों पर वन भूमि के डायवर्जन में तेजी लाने के लिए केंद्र का और भी अधिक दबाव होगा। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया है कि प्रधानमंत्री इस पर निर्णय लें, ताकि विकास की आड़ में सरल और सौम्य आदिवासी और वनों पर निर्भर रहनेवाले लोगों की आवाज ना दबे। सरकार के कानून समावेशी होने चाहिए। ऐसे में वन संरक्षण नियम-2022 में बदलाव लाना चाहिए, जिससे देश में आदिवासियों और वन समुदायों के अधिकारों की रक्षा करनेवाली व्यवस्था और प्रक्रियाएं स्थापित होंगी।

हेमंत सोरेन राज्यभर में निकालेंगे जोहार-आशीर्वाद यात्रा

रांची। राज्य में पैदा हुई तमाम राजनीतिक चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पक्ष में लगातर जनसमर्थन जुटाने की कोशिशों में जुटे हैं। इसी कड़ी में सोरेन और सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेता अब पूरे राज्य में जोहार आशीर्वाद यात्रा पर निकलेंगे। यात्रा की शुरुआत अगले सप्ताह होगी। इस दौरान राज्य के सभी 24 जिलों में सत्ताधारी गठबंधन रैलियां आयोजित करेगा। जोहार यात्रा की रणनीति तय करने के लिए मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं, विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक की है। बैठक में तय हुआ कि यात्रा के दौरान प्रतिदिन दो-दो जिले कवर किये जायेंगे। हर जिले में बड़ी रैली होगी, जिसमें यह बताया जायेगा कि राज्य की सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल होने के बावजूद अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी संदेश दिया जायेगा कि सरकार गिराने की साजिशों को जनता के समर्थन से विफल कर दिया जायेगा। हालांकि, अभी यात्रा के कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार एक-दो दिनों में कार्यक्रम की घोषणा कर दी जायेगी। यात्रा तीन चरणों में आयोजित की जा सकती है। पहले चरण में गढ़वा, पलामू, गुमला, लोहरदगा, गोड्डा और देवघर जिले में रैलियां होंगी। यात्रा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा कैबिनेट में शामिल सभी मंत्री, विधायक और नेता शामिल होंगे।

शिक्षक नियुक्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, कोर्ट बोला-

जिनकी नियुक्ति हो चुकी है उन्हें जिले का विकल्प दें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड में हाई स्कूल के शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित मामले में अवमानना वाद की सुनवाई की। कोर्ट के आदेश पर झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जिनकी नियुक्ति हो चुकी है, उनकी अलग मेरिट लिस्ट तैयार करें और उन्हें यह विकल्प दिया जाये कि वे किस जिले में कार्य करना चाहते हैं। इनके अलावा इस नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जिन अभ्यर्थियों ने रिट याचिका दाखिल की थी, उनकी अलग लिस्ट तैयार कर उनकी नियुक्ति की जाये।

- कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए मुख्य सचिव सुखदेव सिंह

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मुख्य सचिव को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार की वर्ष 2016 में बनी नियोजन नीति को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था, लेकिन इस नीति से अनुसूचित जिलों में हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति को बरकरार रखा था। अदालत ने बाकी अभ्यर्थियों के लिए राज्यस्तर पर मेरिट लिस्ट तैयार कर उनकी नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। इस आदेश का पालन न होने पर सोनी कुमारी एवं अन्य अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका दाखिल की थी। बीते 28 नवम्बर को इसपर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने झारखंड के मुख्य सचिव को सशरीर उपस्थित होने को कहा था।

अपर समाहर्ता कार्यालय से गायब हो गये जमीन के दस्तावेज, केस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपर समाहर्ता भू-हदबंदी कार्यालय से कई जमीनों के दस्तावेज गायब हो गये हैं। इसका खुलासा उच्च न्यायालय द्वारा मांगी गयी जमीन के दस्तावेज की जांच में हुआ। इसको लेकर अपर समाहर्ता राकेश कुमार ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

थाना में दिये गये आवेदन में कहा गया है कि नामकुम अंचल के बरगांवा मौजा का खाता नंबर 221, प्लाट नंबर 128, खाता नंबर 125, प्लाट नंबर नौ, खाता नंबर 124, प्लाट नंबर दस, खाता नंबर 215, प्लाट नंबर 121, 123 और 125 का मूल दस्तावेज झारखंड उच्च न्यायालय ने कोर्ट में उपस्थित करने का निर्देश दिया गया है। इस आदेश के आलोक में उक्त दस्तावेज की खोजबीन की गयी है, लेकिन दस्तावेज गायब मिले। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

आवास बुक के नाम पर कर्नल से 50 हजार की ठगी

रांची। दीपाटोली चेशायर होम रोड निवासी सेवानिवृत कर्नल मनोज कुमार को साइबर ठगों ने आवास देने के नाम पर उनसे करीब 50 हजार रुपये ठगी कर ली है। इस संबंध कर्नल ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। कर्नल ने आवेदन में कहा है कि हरिद्वार में पत्नी व बेटी के इलाज के लिए आवास बुक कराना था। बीते 20 नवम्बर को जब वह इंटरनेट पर साइट खोजा तो उन्हें एस वेबसाइट मिला। जिसमें बैंक का खाता नंबर समेत अन्य जानकारी अंकित की। इसके बाद सात दिन के इलाज के लिए 50 हजार रुपये का भुगतान करवाया। राशि भुगतान करने के बाद जब वह हरिद्वार पहुंचे तो उन्हें पता चला कि वेबसाइड और बैंक का विवरण सभी गलत है। इसके बाद वह रांची पहुंचे ओर मामल दर्ज करया।

ईडी ने जेल जाकर गवाह विजय हांसदा का लिया बयान, कहा -

वापस नहीं लेना चाहता एफआईआर, जबरन डाला गया दबाव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ईडी ने एक हजार करोड़ के अवैध खनन के मामले में गवाह विजय हांसदा का बयान दर्ज किया।

- ढाई घंटे तक साहिबगंज मंडल कारा में ईडी की टीम ने दर्ज किया बयान
- पुलिस पर केस को रफा-दफा करने का दबाव डालने का आरोप

शुक्रवार को ईडी के असिस्टेंड डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में ईडी की टीम साहिबगंज मंडल कारा पहुंची थी। ईडी ने निंबू पहाड़ी पर अवैध खनन के मामले में दायर कोर्ट परिवाद को लेकर विजय हांसदा का बयान लिया। विजय हांसदा ने बताया कि पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद भी कोर्ट परिवाद दर्ज नहीं किया। वहीं, इस मामले में दबाव डाला जाने लगा था। विजय हांसदा ने बताया है कि पत्थर कारोबारी विष्णु यादव ने केस को रफा-दफा करने के लिए एक सादे कागज पर ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

प्रकाश यादव को सारे केस में जमानत सीसीए के कारण नहीं आ पायेंगे बाहर

साहिबगंज के कारोबारी व ईडी के एक अन्य गवाह प्रकाश यादव उर्फ मुंगेरी यादव को सारे कांडों में जमानत मिल गयी है, लेकिन साहिबगंज जिला प्रशासन के द्वारा सीसीए लगवाए जाने के कारण प्रकाश यादव जेल से बाहर नहीं आ पायेंगे। साहिबगंज में पंकज मिश्रा के प्रतिद्वंदी रहे प्रकाश यादव को रांची एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। प्रकाश यादव के बेटे अंकुश यादव को भी ईडी ने अपने केस में गवाह बनाया है।

साहिबगंज में चोरी-छिपे शुरू हो गया था अवैध खनन

साहिबगंज में हाल के दिनों में दाहू यादव की गिरफ्तारी नहीं होने व जमीन पर ईडी की दबिश कम होता देख अवैध खनन फिर से चालू हो गया था। गुरुवार को ईडी की टीम जब दुबारा साहिबगंज पहुंची तो एजेंसी के भय से अवैध खनन के लिए लगाये गये वाहन, लोडर, समेत अरबों के सामान जंगल व सीआरटी कैंप में छिपाये जाने की सूचना मिली है।

गायों की सेहत, प्रजनन, दूध उत्पादन ट्रैक करनेवाली घड़ी

परिष्कृत करके इंसानों के लिए कारगर बनाने की है तैयारी

- आरएनएम

नयी दिल्ली। चीन की साउथ वेस्ट जियाओतोंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने गाय की सेहत, प्रजनन व लोकेशन ट्रैक करने के लिए एक स्मार्ट घड़ी बनायी है। जिसके मार्फत बीमारी से लगायत दूध उत्पादन व प्रजनन चक्र व मोवमेंट तक ट्रैक किया जायेगा। इसके शोध में शामिल वैज्ञानिकों का कहना है कि स्मार्ट वॉच को गाय के गले और पैरों में पहनाया जा सकेगा। इससे उनकी कोई भी गतिविधि आसानी से ट्रैक की जा सकेगी। इस स्मार्ट वॉच में लिथियम बैटरी का इस्तेमाल होगा। इससे गाय के मूवमेंट से जो ऊर्जा निकलेगी, वह बैटरी में एकत्रित होकर डिवाइस को चलाती रहेगी। इस तरह पारंपरिक घड़ी की तरह इसे बार-बार चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस शोध के लेखक जुताओ झांग का कहना है कि इस स्मार्ट वॉच के मार्फत गायों की प्रतिदिन की गतिविधि, प्रजनन चक्र, उन्हें होने वाली बीमारियां, दूध का उत्पादन आदि मॉनिटर किया जा सकेगा। इससे गायों की सेहत सुधारने और प्रजनन कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा गायों के आसपास के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

साइबर ठगी के पीड़ितों की सहायता करने के लिए रहें तत्पर

राज्यपाल बोले - साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए बैंक और पुलिस प्रशासन का दायित्व महत्वपूर्ण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि बैंक में आये व्यक्ति से अच्छा व्यवहार करें। हमारे देश में ग्राहक को भगवान समझा जाता है, बैंक में आये व्यक्ति भी आपके ग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग सेवा में बदलाव आ गया है, पहले ऋण लेने के लिए लोगों को बैंक जाकर आग्रह करना पड़ता था, लेकिन अब बैंक प्रतिनिधि ग्राहक के द्वार पहुंचने लगे हैं। राज्यपाल शुक्रवार को राजभवन में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के अधकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि लोगों की जब उनकी जीवन भर की जमा पूंजी साइबर ठगी का शिकार हो जाती है, तो उनके दुखों की कल्पना नहीं की जा सकती है। सुनने में आता है कि जामताड़ा साइबर क्राइम की जननी है और विदेशों से भी लोग यहां प्रशिक्षण लेने आते हैं। साइबर अपराध पर नियंत्रण की दिशा में बैंक एवं पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण दायित्व ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

ग्राहकों को उपभोक्ता अधिकारों के बारे में करें जागरूक

ग्राहक अधिक-से-अधिक अपने उपभोक्ता अधिकारों के बारे में कैसे जागरूक हों, आरबीआई को इस दिशा में भी ध्यान देने की आवश्यकता है। ग्राहकों को खाता खुलवाने के समय ही रिजर्व बैंक द्वारा जागरूकता संबंधी पत्रक दिये जायें, साथ ही हर बैंक में प्रवेश करते ये पत्रक उपलब्ध हों। ग्रामीण क्षेत्रों एवं इंटरनेट पर भी ग्राहकों को उनके उपभोक्ता संबंधी अधिकार की जानकारी मौजूद हों। लोगों को समझाया जाना चाहिए कि रिजर्व बैंक लोकपाल का कार्यालय वित्तीय सेवाओं के उपयोगकर्ताओं की शिकायतों का निवारण एक सस्ती, शीघ्र, निष्पक्ष और उचित प्रक्रिया से सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने रिजर्व बैंक को विगत माह व्यापक उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी उपभोक्ता वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी। उक्त अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, आरबीआई के महाप्रबंधक संजीव सिन्हा, लोकपाल, आरबीआई, रांची चंदना दासगुप्ता समेत आरबीआई के विभिन्न अधिकारीगण, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मिट्टी की खदान धंसी, छह महिला समेत सात की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले में पीली मिट्टी की खदान धंस जाने से उसमें दबकर छह महिला समेत सात लोगों की मौत हो गई है। बस्तर ज़िले के पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ज़िले के मालगांव में स्थित छुई खदान (पीली मिट्टी खदान) के धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण आज पीली मिट्टी की खदान से मिट्टी निकाल रहे थे तभी ऊपर का हिस्सा उनके ऊपर गिर गया और सभी उसके नीचे दब गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया और बचाव कार्य शुरू किया गया।

किसानों के लंबित 811 करोड़ के दावे का भुगतान करेगी इंश्योरेंस कंपनियां

कृषि मंत्री बादल ने की फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन को लेकर बैठक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार अपने हिस्से का राज्यांश देने को तैयार है, बशर्ते बीमा कंपनियां अपनी तरफ से शपथ पत्र दें। उक्त बातें शुक्रवार को राज्य के कृषि मंत्री बादल ने भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सीईओ रितेश चौहान और इंश्योरेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में कही। मंत्री श्री बादल ने कहा कि राज्य सरकार बीमा कंपनियों को लगातार 2015-16 से राशि तो दे रही है, पर किसानों को उस मात्रा में इंश्योरेंस का लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में बीमा कंपनियों के द्वारा जैसे ही शपथ-पत्र दिया जायेगा राज्य सरकार अपने हिस्से की राशि तुरंत रिलीज कर देगी, इसे लेकर केंद्र सरकार से आयी टीम ने स्पष्ट तौर से बीमा कंपनियों को शपथ-पत्र देने के निर्देश दे दिये हैं।

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का 2017-18 से 2020 तक का क्लैम का होगा भुगतान

श्री बादल ने कहा कि झारखंड के किसानों के लिए यह खुशी की बात होगी कि उन्हें जल्द ही बीमा की राशि मिल जायेगी। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियां हमारे किसानों को 811 करोड़ रुपये रिलीज करने को तैयार हो गयी है। राज्य सरकार भी 352 करोड़ राज्यांश देने को तैयार है, अन्य प्रदेशों की तरह तकनीक का सहारा लिया जायेगा।

किसानों को जल्द ही क्लैम का भुगतान होगा सुनिश्चित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सीईओ रितेश चौहान ने कहा कि भारत सरकार पूरे देश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। झारखंड के किसान जो पीएम फसल बीमा योजना के तहत रजिस्टर्ड हैं तथा जिनका 2017-18 से 2020 तक का क्लैम सेटलमेंट नहीं हुआ है, उन किसानों को जल्द ही क्लैम का भुगतान सुनिश्चित किया जायेगा। राज्य सरकार के द्वारा जैसे ही राशि रिलीज की जायेगी इंश्योरेंस कंपनियां किसानों के लंबित दावे 811 करोड़ की राशि का भुगतान सात दिनों के अंदर करेगी। उन्होंने बताया कि किसानों को भुगतान पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा और लापरवाही बरतनेवाली कंपनी के ऊपर पैनाल्टी लगाने का प्रावधान भी किया गया है। यह भी तय किया गया कि सभी इंश्योरेंस कंपनियां राज्य सरकार को शपथ-पत्र देंगी। केंद्रांश और राज्यांश की राशि मिलने के सात दिनों के अंदर सभी किसानों के क्लैम का भुगतन उनके बैंक अकाउंट में कर दिया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से कृषि सचिव अबूबकर सिद्दिकी, सहकारिता निबंधक मृत्युंजय वर्णवाल, संयुक्त सचिव गोपालजी तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारे, केंद्र सरकार की ओर से असिस्टेंट कमिश्नर सुनील कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड में एक और बड़ा घोटाला सामने आने वाला है : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में एक और बड़ा स्कैम कुछ दिनों बाद सामने आयेगा। राज्य की सम्पदा लूटने के निजी पाप से बचने व राजनैतिक विरोधियों को मुकदमे में फंसाकर परेशान करने के लिए रांची से दिल्ली तक कानूनी लड़ाई में महंगे वकीलों पर सरकारी फंड से अरबों का भुगतान किया गया। निजी केस में भी बड़े वकीलों को लगाकर सरकारी फंड से भुगतान किया गया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस मामले में जांच होनी चाहिए। बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि संताल परगना के कुछ अफसर, गैंग्स ऑफ साहिबगंज के गुंडे, मवालियों, चोर, लूटरों के साथ दार्जिलिंग ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- महंगे वकीलों पर सरकारी फंड से अरबों का दुरूपयोग करने का आरोप

न्यूज गैलरी

समरेश सिंह का निधन झारखण्ड के लिए अपूर्ण क्षति : राजेन्द्र

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने झारखण्ड के धरतीपुत्र व जमीनी नेता पूर्व मंत्री समरेश सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि समरेश सिंह के निधन को झारखण्ड के लिए अपूरणीय क्षति बताय है। मोर्चा अध्यक्ष ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि जब हम लोग स्थानीय नीति की मांगों को लेकर रांची में धरना पर बैठे थे, उसी बीच समरेश सिंह कैबिनेट मंत्री रहते हुए हमारे साथ धरना में आकर बैठ गए थे। प्रसाद ने कहा उनमें झारखण्डियत की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। प्रसाद ने कहा समरेश सिंह एक मिलनसार व्यक्ति थे और झारखण्ड की वास्तविक राजनीति को वे भांति जानते और समझते थे।

पुरियो मुखिया ने किसानों के बीच सरसों बीज का किया वितरण वितरण

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के पुरियो पंचायत मुखिया नीरज कुजूर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत 25 किसानों के बीच 2 -2 किलो कुल 50 किलो सरसों बीज का मुफ्त वितरण किया। इस मौके पर मुखिया ने कहा कि इस योजना का सीधा लाभ किसानों को मिलने से अब उनकी जीविका का साधन मिलेगा। मौके पर ग्राम प्रधान जयराम कच्छप, देवनाथ गोप अर्जुन महतो सहित कई किसान उपस्थित थे।

लापुंग में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप का शुभारंभ

लापुंग। लापुंग प्रखंड प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री फुटबॉल आमंत्रण कप का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। जिसमें उद्घाटन मैच दानेकेरा पंचायत और दोलैचा पंचायत के बीच खेला गया, साथ ही डाढ़ी, बोकरौंदा व सापुकेरा पंचायत के के टीम भी भाग लिए। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित जिला परिषद सदस्य हिन्दीया टोप्पो प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी एमानुएल जयविलास लकड़ा, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विजय रंजन तिर्की, अभय कुमार, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, सापुकेरा पंचायत के मुखिया सविता उरांव, पूर्व मुखिया जयन्त बरला, खेल शिक्षक रंजीत होरो, कोच जोलन होरो उपस्थित थे।

चोरी की वारदात को अंजाम देने पहुंचे दो अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने जा रहे दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में हजारीबाग के अशोक कुमार उर्फ आकाश कुमार और कोडरमा निवासी विशाल कुमार सिंह हैं। दोनों अपराधी देसी लोडेड पिस्टल, लोहे का रड व एक बाइक बरामद की है। मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि सिल्ली थाना क्षेत्र के मुरी-गोला रोड में बीते गुरुवार देर रात दो अपराधियों के घूमने की सूचना मिली। गुप्त सूचना के आधार पर सिल्ली थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ अपराधियों को दबोचने के लिए निकले। टुंगरी पार्क के समीप जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंचे तो बाइक सवार अपराधी भागने लगे। पुलिस के जवानों ने दोनों अपराधियों को खदेड़कर दबोच लिया। तलाश के दौरान आरोपियों के पास से पुलिस ने हथियार बरामद किया।

झारखंड नाइन ए साइड फुटबॉल टीम के कांस्य पदक जीतकर झारखंड लौटने पर भव्य स्वागत किया गया

रांची। आपको ज्ञात हो कि 10 वी सब जूनियर राष्ट्रीय नाइन ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता का अयोजन दिनांक 28 दिसंबर से 30 दिसंबर 2022 तक देवास मध्य प्रदेश में आयोजित हो रही थी जिसमे झारखंड बालक टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया था जिसके झारखंड लौटने पर करा रेलवे स्टेशन में श्री नीलकंठ सिंह मुंडा व सभी खिलाड़ियों को फूल माला पहना कर एवं मिठाई खिला कर भव्य स्वागत एवं जीत की बधाई दिए यह जानकारी संघ के ब्रजेश गुप्ता ने दी।

राज्यपाल रमेश बैस होंगे मुख्य अतिथि, 139 छात्रों को दी जाएगी डिग्री

इक्फाई विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह आज नौ छात्रों को गोल्ड व नौ को मिलेगा सिल्वर मेडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह तीन दिसंबर (शनिवार) को अपराह्न दो बजे से आर्यभट्ट सभागार, मोरहाबादी में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस होंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय, सिटिंग जज, झारखंड उच्च न्यायालय और प्रभारी न्यायाधीश, नेशनल यूनिवर्सिटी फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च इन लॉ, होंगे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022 में स्नातक करने वाले 139 छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें सात पीएचडी डिग्री शामिल हैं। वहीं, 9 छात्रों को उत्कृष्ट परिणाम के लिए गोल्ड

मेडल और 9 को सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को इक्फाई विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने स्थापना काल से ही इक्फाई विश्वविद्यालय गुणवत्तायुक्त और संस्कारयुक्त शिक्षा देने के प्रति कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि इक्फाई विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र देश के विभिन्न नामी-गिरामी कंपनियों में कार्यरत हैं। यहां से डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हो, इस दिशा में भी विश्वविद्यालय प्रबंधन सतत प्रयासरत रहता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की जरूरतों और रोजगारपरक शिक्षा के बढ़ते दायरे को देखते हुए अगले सत्र से कई नए पाठ्यक्रमों की भी शुरूआत की जाएगी। प्रो.राव ने बताया कि निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप इक्फाई विश्वविद्यालय सभी पैमाने पर खरा उतर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्या दान योजना के तहत आसपास के ग्रामीणों को शिक्षित करने की दिशा में भी पहल की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल आज

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड प्रशासन के तत्वाधान में महादानी मैदान में चल रहे प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन छह मैच खेले गए। जिसका शुभारंभ मुखिया सुशांति भगत व नीरज कुजुर ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल को किक मार कर किया। पहला मैच चचकोपी पंचायत व जरिया पंचायत के बीच खेला गया। जिसमें चचकोपी ने 2-1 से मैच जीत लिया। दूसरे मैच में हरिहरपुर जामटोली ने जीत दर्ज की वही तीसरे मैच में केशा ने जीत दर्ज की और चौथे रोमांचक मुकाबले में बेड़ो पंचायत की टीम ने जीत दर्ज की। इधर पांचवे मैच को चचकोपी और छठे मैच में केशा ने जीत कर अंतिम चार में जगह बनाई। वही डोरंडा, जरिया, हरिहरपुर जामटोली व नेहालु पंचायत के बालिकाओं का मैच भी होगा। आयोजन को सफल बनाने में डे बोर्डिंग के प्रशिक्षक अनमोल टोप्पो, सुशील कच्छप, प्रवीण बाजराय व मिरनाल खलखो, राखी कुमारी, अनामिका तिर्की व सुषमा टोप्पो ने सराहनीय योगदान दिया।

रातू विद्युत सब स्टेशन में विभाग की बैठक आयोजित

5 हजार से अधिक बकाये पर काटा जाएगा कनेक्शन

नवीन मेल संवाददाता

रातू। रातू विद्युत सब स्टेशन में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बिजली बिलिंग से संबंधित विषय मे आयोजित बैठक में ऊर्जा मित्र सुपरवाइजर के साथ अनमीटर एवं डिफेक्टिव कनेक्शन में मिटर लगाने / बदलने हेतु कार्यरत एजेंसी मे 0 बेनटेक के सुपरवाइजर भी शामिल हुए । बैठक में उर्जा मित्र को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक घरो में जाकर मीटर रिडिंग के अधार पर विपत्रीकरण सुनिश्चित करने, उपभोक्ता को नियमित रूप से बिल उपलब्ध कराने, बिलिंग के दौरान उर्जा मित्र उपभोक्ता को नियमित रूप से बिल जमा करने हेतु उत्साहित करने, बिलिंग एजेंसी को निर्धारित संख्या में उर्जा मित्र उपलब्ध कराने को कहा गया। एजेंसी के द्वारा बेनटेक को निर्देश दिया गया कि हर हाल में दिसम्बर माह का सभी अनमीटर एवं डिफेक्टिव कनेक्शन में मिटर लगाना सुनिश्चित करें । इसके अलावा बिलिंग एजेंसी को 90 प्रतिशत से उपर बिलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सहायक अभियंता , कनीय

अभियंता , लाईनमैन को क्षेत्र में दस हजार एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पांच हजार से उपर के बकायेदारों का बिजली भुगतान नही करने पर कलेक्शन काटने व लम्बे समय से बिलिंग नहीं किये जा रहे उपभोक्ता का बिलिंग एक माह के अन्दर करने का आदेश दिया गया। ऊर्जा मित्र को चेतावनी दिया गया कि 100 से ज्यादा उपभोक्ता का बिलिंग लम्बे समय से पेन्डिंग रहने की स्थिति में उन्हें कार्य से हटा दिया जाएगा ।मीटिंग में विद्युत कार्यपालक अभियंता रांची (प०) , सहायक विद्युत अभियंता रातु रोड , रातु चट्टी , माण्डर , कनीय विद्युत अभियंता रातु रोड , रातु चट्टी एवं माण्डर बुढ़मु , इटकी बेड़ो एवं अकांउटेन्ट और अन्य विद्युत कर्मी उपस्थित थे।

देशव्यापी विरोध दिवस आयोजित

रांची । केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों और उनके जीवन - जीविका पर बढते हमलों के खिलाफ ट्रेड यूनियनों द्वारा देशव्यापी विरोध दिवस आयोजित किए जाने के आह्वान पर शुक्रवार को झारखंड के औद्योगिक क्षेत्रों और कई जिला मुख्यालयों मे मजदूरों - कर्मचारियों ने संयुक्त जूलूस और धरना आयोजित कर अधिकारियों के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति को संबोधित 31 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा. राजधानी रांची में संयुक्त ट्रेड यूनियन के बैनर तले शहीद चौक स्थित जिला स्कूल से राजभवन तक मजदूरों का मार्च आयोजित किया गया और राजभवन को राष्ट्रपति के नाम स्मार - पत्र सौंपा गया. इस कार्यक्रम मे कोयला, निर्माण, परिवहन, सेल्स प्रमोशन इम्पलाइज, गिग वर्कर, बैंक और अराजपत्रित कर्मचारियों की हिस्सेदारी हुई.

जीजा-साला ने मिलकर अनाथ व गरीब बच्चों का हड़प ली राशि, केस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हिंदपीढ़ी इस्लामी मरकज मदरसा के छात्रों के नाम पर छात्रवृति घोटाला करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस्लामी मरकज प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष मजहर अली सिद्दीकी की ओर से हिंदपीढ़ी थाने में दर्ज प्राथमिकी में उपाध्यक्ष मो रिजवान और अहमद कशीश को आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपी रिश्ते में जीजा और साला है। प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि दोनों आरोपियों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय की ओर से मदरसा के छात्रों के लिए भेजी गई 7.85 लाख रुपए की छात्रवृति गबन कर लिया है। इसका खुलासा मंत्रालय की ओर से प्राधिकृत नेशनल काउंसिल ऑफ एपलाइड इकनोमिस रिसर्च (एनसीएईआर) की दो सदस्यीय टीम और मदरसा प्रबंधन समिति की जांच में हुआ है। प्राथमिकी में यह भी कहा गया है कि आरोपी अहमद कशीश इस्लामी मरकज मदरसा के सदस्य भी नहीं है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रबंधन समिति को बताए बिना बना ली अलग कमेटी : इस्लामी मरकज मदरसा के प्रबंधन समिति में आरोपी मो रिजवान 2016 से उपाध्यक्ष के पद पर हैं। छात्रवृति घोटाला करने के लिए रिजवान ने अलग से एक नयी कमेटी का गठन कर लिया। उस कमेटी में आरोपी रिजवान ने खुद का इस्लामी मरकज का प्राचार्य बनाया और अपने जीजा अहमद कशीश को सदस्य बनाया। छात्रवृति हासिल करने के लिए दोनों ने 150 फर्जी छात्रों की सूची बनायी। सूची में इस्लामी मरकज मदरसा के एक भी छात्र नहीं थे। उसी सूची को दोनों ने मिलकर मंत्रालय भेजा। पांच हजार रुपए प्रति छात्र के हिसाब से अल्पसंख्यक मंत्रालय ने मदरसा के खाते में राशि भेजी थी। इसके बाद दोनों ने राशि की निकासी की। अध्यक्ष ने बताया कि इस्लामी मरकज में वर्तमान में 125 बच्चे हैं। इस मदरसे में गरीब व अनाथ बच्चे हैं। प्रावासीय मदरसे को सरकार की ओर से किसी तरह की मदद नहीं मिलती है। चंदा से ही मदरसा का संचालन किया जाता है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि मदरसा प्रबंधन समिति की ओर से छात्रवृति के लिए सरकार को किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया था।

झारखण्ड इंटरनेशनल ट्रेड फेयर सह पलाश महोत्सव कल मोरहाबादी मैदान में

रांची। सरना महिला विकास समिति रांची के तत्वाधान में पहली बार झारखण्ड इंटरनेशनल ट्रेड फेयर सह पलाश महोत्सव का आयोजन मोरहाबादी मैदान में किया जा रहा है. 4 दिसंबर से 13 दिसंबर तक चलने वाले इस फेयर का उदघाटन राज्यसभा सांसद महुआ मांझी और महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री जोबा मांझी करेंगी. ट्रेड फेयर में भारत के अलावा 7 अन्य देशों के लगभग 450 शिल्पकार शामिल होंगे. जिसमें बंगलादेश की जामदानी साडी, मलेशिया का होम डेकोर, थाईलैंड का माउण्टेन ड्राई फ्लावर, अफगानिस्तान का ड्राई फ्रूट, असम का बांस का बना हुआ सामान, नागालैंड का ड्राईफ्लावर, दिल्ली की ब्लॉक प्रिंट कुर्ती, कोलकाता का जूट बैग, मुम्बई का मेला माईन क्रोकरी, लखनऊ का चिकन वर्क, भदोही का विश्व प्रसिद्ध कालीन, सहारनपुर का फर्नीचर आदि शामिल है. आयोजन समिति की सदस्य फूलमनी टोप्पो ने बताया कि बच्चों के मनोरंजन के लिए झूलों की व्यवस्था भी है. हवाई झूला, टोराटोरा, ब्रेक डांस, ड्रेगन ट्रेन, कोलम्बस, वाटर बोट, मिनी ट्रेन, मिक्की माउस जम्पिंग झपांग, स्कॉपियो, बच्चों वाली छोटी ट्रेन इत्यादि इंतजाम होंगे

04 दिसंबर को अखिल झारखंड महिला संघ का राज्यस्तरीय अधिवेशन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी की सहयोगी इकाई अखिल झारखण्ड महिला संघ का राज्यस्तरीय अधिवेशन 04 दिसंबर को कोनार डैम क्षेत्र, विष्णुगढ़, हजारीबाग में होगा। अधिवेशन की जानकारी देते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि कार्यक्रम की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्यस्तरीय अधिवेशन में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। अधिवेशन में बतौर विशिष्ट अतिथि गिरिडीह सांसद एवं आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश चौधरी शामिल होंगे। कार्यक्रम में बतौर सम्मानित अतिथि आजसू पार्टी के प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस, केंद्रीय महासचिव डॉ. लंबोदर महतो एवं रौशनलाल चौधरी, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष उमाकांत रजक एवं हसन अंसारी, केंद्रीय संगठन सचिव शालिनी गुप्ता, केंद्रीय सचिव यशोदा देवी, सुनीता चौधरी, तिवारी महतो, अर्जुन बैठा एवं हरेलाल महतो मुख्य रुप से उपस्थित रहेंगे। ज्ञात हो कि आजसू पार्टी पूरे राज्य में पचास हजार महिला नेतृत्वकताओं की फौज तैयार करने में जुटी है, जो राजनीतिक रुप से परिपक्व एवं प्रशिक्षित होंगी। इसी लक्ष्य के साथ अखिल झारखंड महिला संघ का सभी स्तर पर पुनर्गठन, गठन एवं विस्तार किया गया। साथ ही 16 अक्टूबर को राज्य के सभी 24 जिलों में अखिल झारखण्ड महिला संघ का जिला सम्मेलन संपन्न हुआ तथा 23 सितंबर को सभी 260 प्रखंडों में प्रखंड सम्मेलन किया गया।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(जिला खेल कार्यालय)
Expression of Interest (EOI)

कोडरमा जिलान्तर्गत अवस्थित तिलैया डैम में पर्यटकों को आकर्षित करते तथा जलक्रीड़ा एवं साहसिक क्रीड़ा को बढ़ावा देने हेतु इच्छुक निविदादाता से **Expression of Interest (EOI)** आमंत्रित किया जाता है।

इच्छुक निविदादाता; तिलैया डैम क्षेत्र में साहसिक खेल सामग्रियों (सूची वेबसाईट पर उपलब्ध) की आपूर्ति, साहसिक खेल सामग्रियों का अधिष्ठापन एवं व्यक्तियों को प्रशिक्षण कार्य हेतु अपना दर (Lumpsum) दिनांक **22/12/2022** के अपराह्न 5:00 बजे तक जिला खेल कार्यालय, समाहरणालय परिसर, कोडरमा में समर्पित कर सकते है। प्राप्त निविदा को निविदा निस्तार समिति के सदस्यों एवं निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में दिनांक **23/12/2022** के अपराह्न 12:00 बजे समाहरणालय सभा कक्ष, कोडरमा में खोला जायेगा।

चयनित एजेन्सी को एक वर्ष तक तक आपूर्ति की गयी सामग्री के रखरखाव करना होगा।

Expression of Interest (EOI) को अंशतः अथवा पूर्णतः रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

Expression of Interest (EOI) संबंधी विस्तृत विवरणी, आवश्यक शर्त, आवश्यक कागजात, **EOI** का प्रारूप आदि कोडरमा जिला के बेवसाईट www.koderma.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी प्रकार की जानकारी हेतु जिला खेल पदाधिकारी, कोडरमा के मोबाईल संख्या 7004253486 से सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/-
उपायुक्त,कोडरमा

PR284061 (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs)22-23*D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(जिला समाज कल्याण शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सूचना संख्या – 01/2022–23

वित्तीय वर्ष 2022–23 में गुमला जिलान्तर्गत आंगनबाड़ी सेवाएं अधीन 1454 आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं 216 लघु आंगनबाड़ी केन्द्रों के 03 से 06 वर्ष तक के आंगनबाड़ी केन्द्र में उपस्थित होने वाले बच्चों के लिए शीतकालीन गर्म पोशाक उपलब्ध कराने हेतु विभागीय संकल्प ज्ञापांक– 05/म0स0/AWS-पोशाक–453/2021–2196 दिनांक– 23.09.2022 के आलोक में गर्म पोशाक क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक निविदादाता मुहरबंद लिफाफे में निविदा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, गुमला के कार्यालय में दिनांक 10.12.2022 पूर्वाहन 11 बजे तक निविदा सामग्रियों के नमूने के साथ जमा करेंगे। प्राप्त निविदाओं को दिनांक– 10.12.2022 अपराहन 03.00 बजे उपायुक्त महोदय के सभाकक्ष, नया समाहरणालय भवन, गुमला के सभा कक्ष में क्रय समिति के समक्ष खोला जायेगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि भाग लें सकते हैं।

Sl.No	Facts	Requirement	Rate
1	Sweater Quality	Unisex	प्रति स्वेटर 200 रू0 से अधिक नहीं होने चाहिए। (सभी कर/GST सहित)
2	Colour	Maroon	
3	Material (Blend Composition)	Acrylic- 100% (±2%)	
4	Yarn	High Bulk Yarn	
5	Neck Type	V - Neck	
6	Sleeve	Full Regular Sleeve	

नोट :– निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट पर एवं NIC Portal- gumla.nic.in, पर उपलब्ध है, अथवा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कार्यालय, गुमला से किसी भी कार्यदिवस पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

ह0/-
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
गुमला

PR 284093 Social Welfare,Women and Child Development (22-23)_D

Office of Executive Engineer Swachh Bharat Mission (Gramin)
Drinking Water and Sanitation Committee, Gumla
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

VERY SHORT EOI FOR IMPLEMENTING AGENCIES

Expression of Interest (EoI) for inviting of Technical support Agencies under GOBARDHAN Scheme (Swachh Bharat Mission - Grameen), Jharkhand to Installation of Bio-Gas Plant in selected villages/Community/Goushal/ in District of Gumla, Jharkhand through Community approach (Capacity Building, Hand holding Support and Community Mobilization.)

Drinking Water and Sanitation Division, Gumla invites EOI from interested and experienced parties to implement Bio-gas projects in different villages of Gumla district under GOBAR-DHAN scheme.

The **Technical Support Agency** (TSA) can be Gram Panchayat, SHG federations, Bulk waste generators such as dairies, poultry farms, markets, industries, religious sites etc and entrepreneurs. Selected agencies shall be willing to collect waste, install Bio-gas plants, under take operation maintenance of the same for at least 3 years. The agencies can be attached with empanelled technical support (if needed).

Interested agencies are requested to furnish willingness for undertaking GOBAR-DHAN projects, supported by credentials and testimonials in the prescribed online application form available on following link **Gumla.nic.in** on or before 13.12.22, 4 PM. The guidelines of GOBARDHAN scheme can be downloaded from the following linkhttps://sbm.gov.in/gbdw20/Documents/GobardhanFramework.pdf. The details can also be viewed on the departmental Website: Gumla.nic.in

Swachh Bharat Mission (Grameen) Govt. of Jharkhand reserves its right to cancel or modify this Expression of Interest (EoI) without assigning any reasons whatsoever.

Executive Engineer
Swachh Bharat Mission (Grameen)
Drinking Water and Sanitation Department
Gumla, Govt. of Jharkhand

PR 284053 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

कार्यालय नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department

e-Procurment Notice (Tenders Notice call)

Tender NoticeNO. UDD/NIT/BNP/SWM/21/2022-23 Date: 30-11-2022

Sl. No.	Description of Work	Estimated Capital Cost (Rs.in Lakhs)	Earnest Money (Rs. in lakhs)	Cost of Tender (Rs.)	Class of Eligibility	Completion Period
1.	"Bioremediation and Clearing of Legacy Waste (Scientific Dumpsite Land Reclamation through Bio-mining and Resource Recovery) at Dumpsite, Bundu under Nagar Panchayat Bundu.	Rs. 2,09,60,300 (Rupees Two CroreNine Lakh Sixty Thousand Three Hundred Only)	Rs. 2,10,000/- (Rupees Two Lakh Ten Thousand Only)	25000/- (Twenty-Five Thousand Only)	Class - 1 or Equivalent	3.00 Months

Sl. No.	Particulars	Details
1.	Release of E-Tender for download from E-Tendering portal / Bid submission start date & time	03-12-2022
2.	Last Date of Receiving Queries	06-12-2022 up to 5:00 PM
3.	Pre-Bid Meeting	07-12-2022 at 3:00 PM
4.	Last date to submit Proposal (Online) / Bid Due Date	24-12-2022 up to 2:00PM
5.	Last date to submit Tender Fee and Bid Security	24-12-2022 up to2:00 PM at Nagar Panchayat Bundu, Bundu
6.	Opening of Pre-Qualification / Technical Bids	26-12-2022 at3:00 PM
7.	Opening of Financial Bids	Shall be Communicated later

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in& Notice Board office of the Nagar Panchayat Bundu.

Executive Officer
Nagar Panchayat Bundu

PR.NO.284056 Urban Development(22-23):D

न्यूज गैलरी

सांसद आदित्य साहू ने ग्रामीण सड़क के निर्माण की रखी मांग

रांची। राज्यसभा के सदस्य आदित्य साहू ने शुक्रवार को झारखंड सरकार के पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार से मिलकर रांची जिले की ग्रामीण सड़कों के निर्माण की मांग की है। उन्होंने कांके व ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत इन सड़कों के निर्माण की मांग की है। एनएच-33 के ओरमांझी से उलातू महाकालेश्वर शिवधाम सड़क, मोरहाबादी-ओरमांझी मुख्य सड़क कुच्चू से कुम्हारिया वाया चंद्रा, मायापुर होते हुए बीआईटी पिठोरिया मुख्य सड़क कुम्हरिया तक 14 किमी का निर्माण कराने का आग्रह किया है। सांसद ने कहा कि पूर्ववर्ती रघुवर दास की सरकार ने रांची के कांटाटोली चौक से चंदवे, कुच्चू होते हुए ओरमांझी तक फोरलेन सड़क की स्वीकृति दी थी। इस क्रम में हुंटूर, गोबरहप्पा समेत कई गांवों में भूमि अधिगृहित कर मुआवजा भी दिया जा चुका है। लेकिन यह काम पिछले तीन साल से लंबित है।

केंद्र की नीतियों के खिलाफ मजदूरों-कर्मचारियों ने निकाला संयुक्त जूलूस

रांची। झारखंड के औद्योगिक क्षेत्रों और कई जिला मुख्यालयों पर मजदूरों-कर्मचारियों ने संयुक्त जुलूस और धरना आयोजित कर अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित 31 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर विरोधी बताया गया है। इसके खिलाफ ट्रेड यूनियनों ने देशव्यापी विरोध दिवस आयोजित किया। राजधानी रांची में संयुक्त ट्रेड यूनियन के बैनर तले शहीद चौक स्थित जिला स्कूल से राजभवन तक मजदूरों का मार्च आयोजित किया गया और राजभवन को राष्ट्रपति के नाम स्मार-पत्र सौंपा गया। इस कार्यक्रम में कोयला, निर्माण, परिवहन, सेल्स प्रमोशन इम्पलाइज, गिग वर्कर, बैंक और अराजपत्रित कर्मचारियों की हिस्सेदारी हुई। राजभवन के समक्ष हुई सभा की अध्यक्षता पीके गांगुली ने की। सभा को सीटू के प्रकाश विप्लव, अनिर्वाण बोस, एटक के लालदेव सिंह, अशोक यादव, इंटक के संजीव सिंह, एक्टू के भुवनेश्वर केवट, बेफी के एमएल सिंह एआइयुटीयूसी के मिंटू पासवान, गिग वर्कर्स युनियन के प्रतीक, निर्माण युनियन से अमर उरांव, वेनी साहू और कोयला यूनियन से सतीश केशरी समेत विभिन्न श्रमिक नेताओं ने संबोधित किया।

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिगों को बचाया

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिगों को बचाया है। आरपीएफ रांची की मेरी सहेली टीम और नन्हे फरिस्ते टीम शुक्रवार को स्टेशन राउंड चेकिंग पर थी। इसी दौरान टीम ने देखा कि दो नाबालिग स्टेशन पर बिना किसी सामान के घूम रहे हैं। उनसे पूछने पर दोनों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।दोनों नाबालिग हजारीबाग के रहने वाले थे। दोनों ने अपने परिजनों का मोबाइल नंबर दिया। टीम ने मोबाइल नंबर पर कॉल किया। यह पता चला कि दोनों नाबालिग चचेरे भाई हैं और 28 नवम्बर को घर से भाग गए थे। इस संबंध में हजारीबाग कोरह पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज है। दोनों नाबालिगों को रांची सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया गया।

सीबीएसई क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में 52 मॉडल की हुई प्रस्तुति

रांची। सीबीएसई की ओर से क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जेवीएम श्यामली की मेजबानी में शुक्रवार को शुरू हुआ। दो दिवसीय प्रदर्शनी में झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 52 मॉडल विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए। प्रौद्योगिकी एवं खिलौने के तहत सात उप विषयों में मॉडल तैयार किए गए थे। जेवीएम श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना ने बताया कि प्रदर्शनी की रिपोर्ट बोर्ड को भेजी जाएगी। बोर्ड की ओर से मूल्यांकन के बाद विजेताओं की घोषणा की जाएगी। विजेताओं को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने का मौका मिलेगा। आयोजन में डीपीएस रांची के प्राचार्य डॉ राम सिंह सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य मौजूद थे।

फसल बीमा योजना कार्यान्वयन को लेकर बैठक

रांची । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का कार्यान्वयन चुनौतियां और अवसर को लेकर नेपाल हाउस स्थित सभागार में झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल की अध्यक्षता में बैठक हुई । इस उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री के साथ विभागीय सचिव अबूबकर सिद्दीक और भारत सरकार के ज्वाइंट सेक्रेट्री रितेश चौहान मौजूद थे ।

ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी (टीएसी) का गठन असंवैधानिक

कमिटी में राज्यपाल की भूमिका महत्वपूर्ण : दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने आज राज्य के ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी पर छिड़े विवाद पर राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी का गठन ही असंवैधानिक है। बिना राजभवन की सहमति के गठित यह समिति पूरी तरह से अमान्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी इसे पॉकेट की संस्था बनाना चाहते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस कमिटी में राज्यपाल की भूमिका महत्वपूर्ण है। दीपक प्रकाश ने कहा कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था में राज्यपाल कोई व्यक्ति नहीं बल्कि संस्था है। राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं। इसलिए राज्यहित में बड़े नीतिगत फैसले पर राज्यपाल की

सहमति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करना चाहिए।

ओरमांझी प्रखंड की प्रमुख अनुपमा देवी भाजपा में शामिल : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज ओरमांझी प्रखंड की प्रमुख अनुपमा देवी भाजपा में शामिल हुई। प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने अंगवस्त्र और पार्टी का पटका देकर विधिवत रूप से उन्हें पार्टी में शामिल कराया। इस मौके पर दीपक प्रकाश ने कहा कि ओरमांझी की प्रमुख हमारी बहन अनुपमा देवी का भाजपा में शामिल होना यह बता रहा कि प्रतिदिन गांव की सरकार का भरोसा भाजपा पर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से राज्य की हेमन्त सोरेन सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है, खनिज सम्पदाओं की लूट मची हुई है, कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर

> राज्य में आज कोई सुरक्षित नही है ,छोटी छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटनाएं घटित हो रही है।

बना दी गयी है। राज्य में आज कोई सुरक्षित नही है ,छोटी छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटनाएं घटित हो रही है। जिस उम्मीद के साथ राज्य की जनता ने हेमन्त सोरेन को सत्ता सौपी थी हेमन्त सरकार उस उम्मीद को पूरा करने में पूरी तरह से फेल हो चुके है। उन्होंने कहा कि अनुपमा देवी के भाजपा में आने के बाद भाजपा को और मजबूती मिलेगी। वहीं प्रमुख अनुपमा देवी ने कहा कि मैं भाजपा की नीति सिद्धान्त और राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर आज भाजपा परिवार में शामिल हो रही हूं।

सीएए की फुटबॉल टीम घोषित आज होगा गुमला से मुकाबला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतर जिला फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन, (सीएए) रांची ने अपनी टीम की घोषणा कर दी। सीएए के महासचिव आसिफ नईम ने बताया कि टीम की कमान एजी झारखंड के राष्ट्रीय प्लेयर सोमरा मुंडा को सौंपा गया है। वहीं, उपकप्तान पवन नायक को बनाया गया। रांची का पहला मैच 3 दिसंबर शनिवार को गुमला के साथ खेला जाएगा। यह मैच लोहरदगा के नदिया स्कूल में खेला जाएगा। जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए प्रवेश कर जाएगी।

टीम इस प्रकार हैः सोमरा मुंडा (कप्तान), पवन नायक (उप कप्तान), रेमंड, जीवन मुंडा, बिमल केरकट्टा, रोनी, सुशील कच्छप, नितेश कुमार, विवेक कुजूर, दिनेश, आशीष कुमार, उपेंद्र हजाम, अश्विन पूर्ती, रोहन कच्छप, पारस, कृतिमय, डेविड, रोहित तिग्गा, अगमलाल मुंडा, शंकर उरांव, बबलू कच्छप, अंकित होरो, अब्दुल मुकसीद, दिली उरांव, अमित नायक। कोचः आरके सेनापति, मैनेजरः लाल आरएनए शहदेव।

बालिका उच्च विद्यालय बरियातू मैदान में बालिका श्रेणी में फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के अंतर्गत बालिका उच्च विद्यालय बरियातू रांची के मैदान में वर्ग 6 से 8 के लिए बालिका श्रेणी में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिताके

दौरान जिले के दौरान कुल 18 प्रखंडों की टीम ने भाग लिया जिसमें कांके प्रखंड की टीम विजेता रही जबकि लापुंग प्रखंड के टीम उपविजेता रहे। विजेता टीम को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नरेंद्र सिंह सैनी ने विजेता ट्रॉफी वितरण किए । इसी प्रकार बालक की श्रेणी का मैच संत जॉन उच्च विद्यालय इंग्लिश मीडियम रांची के मैदान में आयोजित किया गया प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया जिसके फाइनल में नगरी एवम मांडर के बीच मुकाबला हुआ। अंत में नगरी की टीम विजेता रही जबकि मांडर की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान श्री विनय बंधु कच्छप, प्रताप कुमार, पंकज तिर्की, ओम प्रकाश उपाध्याय, शांति कुमारी, करुणा पूर्ति एवम सुश्री कृपा के साथ फिजिकल टीचर जफर इमाम, मुदरस्सर एवं अन्य उपस्थित थे।

प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल की आवश्यक बैठक 05 दिसंबर को रांची में

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव के निदेर्शानुसार झारखंड प्रदेश राजद की आवश्यक बैठक 05 दिसम्बर 2022 को प्रदेश राजद कार्यालय रांची में आहूत की गई है। बैठक पूर्वाह्न 11 बजे से होगी। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव करेगें। बैठक में माननीय मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, प्रदेश के सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठ अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश से प्रखंड स्तर तक संगठन को धारदार और मजबूत करने , तथा राज्य के वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर विचार विमर्श होगा ।

मेगा स्वास्थ्य शिविर की झारखंड वापसी, अबुआ बुगिन स्वास्थ्य की क्षेत्र में गूंज

जनजातीय समुदाय के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने हमारे जनजातीय समुदायों के उनके अपने पारंपरिक तरीकों को सुरक्षित व प्रोत्साहित करते हुए उनके स्वास्थ्य के अधिकार को सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। इस क्रम में झारखंड के सरायकेला-खरसवां में एक मेगा स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था की जा रही है। इस शिविर का लक्ष्य है अपने जनजातीय भाइयों और बहनों को उनके अपने स्वास्थ्य की स्थिति तय करने में सक्रिय रूप से संलग्न करना। साथ ही चिकित्सा करने के उनके पारंपरिक तरीकों को इसमें शामिल किया गया है तथा खुद को स्वस्थ रखने के उनके उपायों को कायम रखना भी इसके दायरे में है। जनजातीय भाइयों-बहनों को बेहतरीन शारीरिक और मानसिक

> जनजातीय भाइयों-बहनों को बेहतरीन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समान अधिकार भी देने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शानदार नेतृत्व में, मंत्रालय ने बेहतर भविष्य के लिये बेहतर स्वास्थ्य का आह्वान किया है।

स्वास्थ्य का समान अधिकार भी देने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शानदार नेतृत्व में, मंत्रालय ने बेहतर भविष्य के लिये बेहतर स्वास्थ्य का आह्वान किया है। मेगा स्वास्थ्य शिविर प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड के सरायकेला-खरसवां में स्थित काशी शाहू कॉलेज (केएससी) में चार दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। यह स्वास्थ्य शिविर अबुआ बुगिन स्वास्थ्य, यानी हमारा बेहतर स्वास्थ्य विषयक विस्तृत कार्यक्रम का हिस्सा है। अन्य बातों के साथ इस कार्यक्रम का लक्ष्य है देश भर के अनुसूचित जनजाति के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच सेवा प्रदान करके और मुफ्त चिकित्सा उपकरण वितरित करके उनके लिये बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना। इस कार्य में जनजातीय कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष मंत्रालय, टाटा स्टील फाउंडेशन और जिला प्रशासन के प्रयास शामिल हैं। इसके जरिये अपोलो, फोर्टिस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, एम्स आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ डॉक्टर सुदूर जनजातीय इलाकों में जायेंगे तथा भिन्न-भिन्न प्रकार के रोगों की जांच व निदान करेंगे तथा उनका समुचित समाधान निकालेंगे।

सांसद संजय सेठ के प्रतिनिधि ने कहा- रिम्स को देखनेवाला कोई नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रिम्स में चारों ओर अराजकता का माहौल है। जिससे समझा जा सकता है कि रिम्स को देखने या इसको नियंत्रित करनेवाला कोई भी नहीं है। हॉस्पिटल को दलालों ने अपने कब्जे में कर रखा है। डॉक्टर से लेकर कर्मचारी, स्टाफ, नर्स में कुछ लोगों को छोड़ दिया जाये तो सभी अपने काम के प्रति लापरवाह हैं। इसी से समझा जा सकता है कि रिम्स और यहां के कर्मचारियों पर प्रशासन का अपना कोई कंट्रोल ही नहीं है। 20 सालों के इतिहास में रिम्स की ऐसी स्थिति नहीं थी जैसी वर्तमान समय में है। ये बातें सांसद संजय सेठ के रिम्स प्रतिनिधि सह जीबी सदस्य राजकिशोर ने कही। उन्होंने कहा कि रिम्स में वर्तमान में मरीजों का इलाज सही ढंग से नहीं हो रहा है। जब कोई वीआइपी या मंत्री का विजिट होता है तो रिम्स प्रशासन होश-हवास में रहता है। बाकी के दिन अधिकारी अपने-अपने ऑफिस में कुंडली मार कर सो जाते हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी सिर्फ और सिर्फ अपना समय काट रहे हैं। रिम्स की स्थिति को सुधारने को लेकर किसी के पास सोचने का भी टाइम नहीं है। अचानक से कोई घटना, दुर्घटना हो जाये या हाइकोर्ट किसी मामले में संज्ञान ले ले तो प्रबंधन की नींद खुलती है। इसके बाद अधिकारी जांच के बाद उचित कार्रवाई की बात कह कर इतिश्री कर लेते हैं। इसके बाद छोटे कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों पर गाज गिरती है। टेंडर का खेल यहां सालों भर चलता रहता है। टेंडर निकालो फिर रद्द कर दो ताकि पहले से काम कर रही एजेंसी ही काम करती रहे। इसी टेंडर के चक्कर में हॉस्पिटल में ना तो कागज है, न रूई, न बैटरी, हैंडवॉश, न सिरिंज, न रीएजेंट, न केमिकल। उन्होंने कहा कि रिम्स जीबी की बैठक भी सिर्फ खानापूर्ति के लिए होती है। जिसमें बिल्डर, ठेकेदार के बिल पास किये जाते हैं।

प्राइवेट लैब को फायदा पहुंचा रहे

उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों की कई तरह की जांच, पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, एमआरआइ बंद है। जिसका फायदा प्राइवेट लैबवाले उठा रहे हैं। रिम्स कैंपस में ही दो-दो प्राइवेट एजेंसी चल रही है। उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए रिम्स में षड्यंत्र कर मरीजों को वहां भेजा जा रहा है। इतना ही नहीं प्राइवेट लैब के दलाल भी हॉस्पिटल में बेखौफ घूम रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां के कुछ कर्मचारी हैं। कमीशन के चक्कर में दलालों को बुला रहे हैं।

झारखंड ट्राइबल डेवलोपमेन्ट सोसाइटी द्वारा सातवें दिन का प्रशिक्षण आयोजित

30 लाभार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में मधुमक्खी पालन की ली जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड ट्राइबल डेवलोपमेन्ट सोसाइटी के आयोजन से एवं भारतीय लोक कल्याण संस्थान के क्रियान्वयन द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम आसनबेरिया पंचायत भवन, जामताड़ा में किया जा रहा है। मधुमक्खी पालन एवं मधु प्रसंस्करण परियोजना के अंतर्गत लाभार्थियों का प्रशिक्षण जो कि भारतीय लोक कल्याण संस्थान के द्वारा आयोजित किया गया। शुक्रवार को प्रशिक्षण के सातवें दिन प्रशिक्षण का कार्य मुख्य प्रशिक्षक आकाश कुमार व चन्द्रेस्वर ओझा ने किया। जिसमें देवकिशोर कुमार का विशेष

सहयोग रहा। इस परियोजना के अंतर्गत फतेहपुर ब्लॉक के आसनबेरिया ग्राम (10) एवं अंधारो ग्राम (10) और आमशहरी ग्राम (10) कुल 30 लाभार्थी प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण के सातवें दिन प्रशिक्षकों ने मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न विषयों मुख्यतः रानी, पुरुष व कर्मठ मधुमक्खी की पहचान तथा उनकी महत्ता को विस्तार पूर्वक समझाया गया, तथा विभिन्न मौसमों में उनके रखरखाव, सुयोग्य वातावरण तथा कुछ सफल मधुपालक का परिचय व उनकी सफलता की कहानी बताया गया विषयों को व्यवहारिक व प्रयोगात्मक रूप में अध्ययन कराया गया तथा प्रोजेक्टर लैपटॉप के द्वारा विभिन्न फोटो व वीडियो के माध्यम से आसान व विस्तृत रूप से भी सभी लाभुकों को समझाया गया तथा मधुमक्खी पालन करने को प्रेरित किया गया साथ ही साथ मानसिक व बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल भी कराया गया।

> प्रशिक्षण के सातवें दिन प्रशिक्षकों ने मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न विषयों मुख्यतः रानी, पुरुष व कर्मठ मधुमक्खी की पहचान तथा उनकी महत्ता को विस्तार पूर्वक समझाया गया, तथा विभिन्न मौसमों में उनके रखरखाव, सुयोग्य वातावरण तथा कुछ सफल मधुपालक का परिचय व उनकी सफलता की कहानी बताया गया

अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित पीजी प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा में बीएयू के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज हंसडीहा के शिवम पांडे को ओवरआल इंडिया में पहला रैंक मिला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय कृषि अनूसंधान परिषद् (आईसीएआर), नई दिल्ली ने एआईईईए पीजी प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2022 का परिणाम घोषित कर दिया है. इस परीक्षा में लगातार दुसरे वर्ष राज्य के एकमात्र बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची के स्नातकधारी छात्रों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है. प्राप्त सुचना के मुताबिक एआईईईए झ 2022 परीक्षा में बीएयू के 100 से अधिक छात्र-छात्राएँ सफल हुए. पिछले वर्ष के एआईईईए-2021 परीक्षा में बीएयू के कुल 83 छात्र-छात्राओं ने क्वालीफाई किया था. इस वर्ष बीएयू के कृषि संकाय के 49, पशुचिकित्सा संकाय के 39 तथा वानिकी संकाय के 12 छात्र-छात्राओं ने रैंक के आधार पर देश के प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों के पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु पात्रता हासिल की है। डीन एग्रीकल्चर डॉ. एसके पाल ने बताया कि कृषि संकाय के रांची कृषि महाविद्यालय के 6, कृषि कॉलेज गढ़वा के 12, तिलका मांझी एग्रीकल्चर कॉलेज गोड्डा के 9 तथा हॉर्टिकल्चर कॉलेज खुंटपानी चाईबासा के 22 छात्र-छात्राओं सहित कुल 49 छात्रों को सफलता मिली है। इनमें 16 छात्र एवं 33 छात्राएं है। उन्होंने बताया कि संकाय अधीन गढ़वा एवं गोड्डा स्थित नये कृषि कॉलेज तथा हॉर्टिकल्चर कॉलेज के पहले बैच के स्नातक धारी छात्रों को बड़ी सफलता मिली है। इस कॉलेज के 45 स्नातक छात्रों में से 22 छात्रों ने अखिल भारतीय स्तर पर पीजी प्रवेश पात्रता हासिल की है। रांची कृषि महाविद्यालय के श्रीन कलाम ने प्लांट साइंस विषय में चौथा, कृषि कॉलेज गढ़वा के सुशील कुमार ने फिजिकल साइंस में 61 वां, कृषि कॉलेज गोड्डा के मिताली सिन्हा व हर्षिता सिंह ने एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में क्रमशः 19 वां एवं 44 वां रैंक हासिल कर एक मिसाल कायम की है।

22 छात्र-छात्राओं सहित कुल 49 छात्रों को मिली सफलता

इस वर्ष बीएयू के कृषि संकाय के 49, पशुचिकित्सा संकाय के 39 तथा वानिकी संकाय के 12 छात्र-छात्राओं ने रैंक के आधार पर देश के प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों के पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन हेतु पात्रता हासिल की है। डीन एग्रीकल्चर डॉ. एसके पाल ने बताया कि कृषि संकाय के रांची कृषि महाविद्यालय के 6, कृषि कॉलेज गढ़वा के 12, तिलका मांझी एग्रीकल्चर कॉलेज गोड्डा के 9 तथा हॉर्टिकल्चर कॉलेज खुंटपानी चाईबासा के 22 छात्र-छात्राओं सहित कुल 49 छात्रों को सफलता मिली है।

झारखंड सरकार दिव्यांग जन अधिकार विधेयक 2016 को पूर्णरूपेण लागू करे : संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के स्टेट मीडिया को-ऑर्डिनेटर संजय सर्राफ ने कहा है कि 3 दिसंबर को विश्व विकलांग दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था। यह दिन समाज और विकास के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों एवं कल्याण को बढ़ावा देने तथा राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में दिव्यांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस मनाने का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अशक्तजनों की अक्षमता के मुद्दों को लेकर समाज में लोगों की जागरूकता समाज और

संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। विकलांग जनों में आत्मसम्मान कल्याण और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी सहायता करना,आधुनिक समाज मे दिव्यांग जनों के साथ हो रहे हर प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना, दिव्यांग जनों के अधिकार एवं संवर्धन संरक्षण एवं उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास एवं पुनर्वास, राजनीतिक जीवन सहभागिता और समानता तथा भेदभाव रहित व्यवहार जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करते हुए 2006 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वीकार किया गया। अशक्तजनों के प्रति प्रेम भाव और आदर बढ़ाने के लिए भारत में इन्हें दिव्यांग कहा जाने लगा, दिव्यांग जनों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने तथा उनके कौशल को पोषण देने एवं उनकी सुगमता और अधिकारों की सुरक्षा के लक्ष्य पर आधारित दिव्यांगजन अधिकार विधेयक 2016 पारित किया जा चुका है। किंतु इस विधेयक का पूर्ण पालन नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण लाखों दिव्यांग जनों को उनके अधिकार हक एवं सम्मान नहीं मिल पा रहा है। झारखंड सरकार भी दिव्यांग जनों के प्रति उदासीन है।

न्यूज गैलरी

स्वस्थ्य विभाग होगा ऑनलाइन, अब कोई भी बीमार या दुर्घटना की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है :डॉ. संजय

लोहरदगा। स्वस्थ्य विभाग द्वारा अब पुरानी पद्धति से इतर ऑनलाइन होंगी। इसकी जानकारी देते हुए लोहरदगा सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार सुबोध ने बताया की स्वास्थ्य विभाग मे कोई भी बीमार व्यक्ति या दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति के बारे मे अब कोई भी स्वास्थ्य विभाग के डाटा मे जाकर ऑनलाइन के माध्यम से उसकी विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त कर सकता है ऑनलाइन देख सकता है और सारी जानकारी अब ऑनलाइन किया जायेगा। इस सम्बन्ध मे इंटेग्रेटेड हेल्थ इनफार्मेशन प्लेटफॉर्म के अंतर्गत सभी प्रखंड़ों के चार चार नर्स को सर्विलेंस की ऑनलाइन प्रशिक्षण और ऑनलाइन रिपोर्टिंग की प्रयोग प्रणाली के बारे मे जानकारी दिया गया तथा ऑनलाइन के कार्यों के महत्व और उपयोगिता के सम्बन्ध मे विस्तृत चर्चा कर प्रशिक्षण दिया गयाे इस अवसर पर सिविल सर्जन सह सर्विलेंस पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सुबोध, राकेश भूषण, विमलेश कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नजिश, अलोक कुमार गुप्ता आदि सक्रिय रूप से प्रशिक्षण कराने मे सहयोग प्रदान किये।

बानो बीडीओ ने बेडाइरगी पंचायत का दौरा कर योजनाओं का किया निरीक्षण, जरूरमंद के बीच किया कंबल वितरण

बानो। बानो बीडीओ यादव बैठा ने शुक्रवार को प्रखंड के बेडाइरगी पंचायत का दौरा कर बिभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने बेडाइरगी पंचायत के बेडाइरगी, महुवा टोली में ग्रामीणों से मुलाकात कर जरूरत मंद ,बृद्ध लोगो के बीच कम्बल का वितरण किया। मौके पर मध्य विद्यालय महुवा टोली का भी निरीक्षण किया विद्यालय के विद्यालय प्रबंधन से मुलाकात कर समस्यों से अवगत हुए। वही ग्राम हेलगाढा और डलिया मार्चा में निमार्णाधीन आंगनबाड़ी भवन का निर्माण में तेजी लाने की बात कहे मौके पर विभिन्न गांवों में चल रहे प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों से मुलाकात कर कार्य में गति लाने की बात कहा। मौके पर पीएम आवास कॉर्डिनेटर आशुतोष कुमार, बीपीओ चारु माँझी, जेई राजा कुजूर, महेश सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में फरियादियों की सुनी समस्या

सरायकेला/खरसावां। जिला दण्डधिकारी सह उपायुक्त अरवा राजकमल कार्यालय कक्ष में सप्ताहिक जनता दरबार आयोजित कर जिले के दूर-दराज गाँव/शहर से आए लोगो की समस्याओं से अवगत हुए। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र से लगभग 30-40 फरियादी आवेदन के माध्यम से अपनी-अपनी समयाओ से उपायुक्त को अवगत कराया। जिनमे भूमि सम्बन्धित मामले, विद्यालय सम्बन्धित मामले, स्वास्थ्य विभाग सम्बन्धित मामले, श्रम विभाग सम्बन्धित मामले, सड़क निर्माण एवं अन्य कई मामले आए। जनता दरबार में उपायुक्त ने कई मामलो का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया वही कई मामलो के निष्पादन हेतु सम्बन्धित विभागीय पदाधिकारी को हसतांत्रित कर उक्त मामले की नियमसंगत त्वरित निष्पदान करने के निदेश दिए। उपायुक्त ने कहा की आमजनमास के रोजमर्रा के समस्याए, योजना सम्बन्धित एवं स्वास्थ्य सम्बन्धित मामलो को यथाशीघ्र निष्पादन करें पदाधिकारी ताकि लोगो को विभिन्न कार्यालयों का चक्कर ना लगाना पड़े।

नये थाना प्रभारी ने लिया पद्भार

रमना। 15 वां थाना प्रभारी के रुप मे कृष्ण कुमार कुशवाहा ने रमना थाना में पदभार ग्रहण कर लिया। कृष्णा कुमार कुशवाहा ने कहा कि महिला सुरक्षा,शांति और विधि व्यवस्था प्राथमिकता सूची मे शामिल है। रमना थाना पहुंचने वाले कोई भी फरियादि व्यक्ति सीधे हमसे संपर्क करें।समस्या के सामाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र मे किसी भी प्रकार के प्रतिबंद्धित गतिविधियों को अंजाम नही होने दिया जाएगा। रमना थाना पुलिस प्रखंड वासियों के सहयोग के लिए तत्पर है। किसी भी प्रकार की सूचना सीधे लोग दे कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन बोले जिप सदस्य

मित्रता व अनुशासन सिखाता है खेल प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। पाकरटांड़ प्रखंड में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जिप सदस्य जोसिमा खाखा उपस्थित थी। प्रतियोगिता का शुभारंभ जोसिमा खाखा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एव फुटबॉल को कीक मार कर किया। 18-40 आयु वर्ग के बीच हुए बालक एवं बालिका फुटबॉल में सभी पंचायत से टीम शामिल हुए। प्रतियोगिता के फाईनल पुरुष वर्ग में आसनबेड़ा ने पेनाल्टी शूट आउट में 1-0 से जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में केशलपुर ने पाकरटांड़ को 2-1 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता एवं उपविजेता टीम को जोसिमा खाखा ने पुरस्कार देकर सम्मानित

किया। मौके पर जोसिमा खाखा ने खिलाड़ियों को खेल के साथ शिक्षा, समाज एवं देश हित में आगे आने को प्रेरित किया। साथ ही कहा कि युवा लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर कार्य करें, तो ही देश की प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है। जोसिमा खाखा ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास भी होता है। अब खेल कैरियर के रूप में भी अपनाया जाने लगा है और प्रतिभावान खिलाड़ी इससे अपना भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में अलग-अलग क्षेत्रों के खिलाड़ियों को एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। इससे उनमें आपसी मेल-जोल की भावना का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल हमें एकता का महत्व, मित्रता एवं अनुशासन सिखाता है। आने वाला समय युवाओं का है। इस दृष्टि से राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में सशक्त एवं योग्य बनाने का प्रयास कर रहे है। उनकी प्रतिभाओं में निखार लाकर आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयासों में जुटी हुई है। कार्यक्रम में प्रमुख रजत लकड़ा, सीओ अमित कुमार, थाना प्रभारी अमित, शेखर, केशलपुर मुखिया ज्योति प्रकाश कुल्लू, आसनबेड़ा मुखिया रेखा तिग्गा, क्रुसकेला मुखिया डोमर, पाकरटांड़. मुखिया दामोडर बिंझिया, कैरबेड़ा मुखिया बिनिता खाखा सहित कई शिक्षक व अन्य उपस्थित थे।

मानगो फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य को गति देने पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रविवार को अधिकारियों का दल और जिला प्रशासन की टीम मंत्री बन्ना गुप्ता के नेतृत्व में करेगी दौरा

जमशेदपुर । शुक्रवार को एनएचएम स्थित कार्यालय में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक किया गया जिसमें टाटा स्टील के वरीय अधिकारी जिसमें जुस्को के प्रणय सिन्हा कैप्टेन धनंजय मिश्रा, अमित सिंह, आरसीडी के चीफ इंजिनियर सी डी ओ राजेश कुमार सिंह, हेमब्रम समेत अन्य जुस्को के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मानगो फ्लाई ओवर के कार्य को गति देने के लिए विस्तृत चर्चा की गई, इसमें फ्लाई ओवर निर्माण को प्रजेटेशन के माध्यम से दिखाया गया, मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने फ्लाई ओवर निर्माण की सभी बारिक और महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए उसके प्रगति रिपोर्ट पर अंतिम अध्ययन किया।

बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री सह जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक बन्ना गुप्ता ने बताया कि रविवार को टाटा स्टील, जुस्को, आरसीडी के अधिकारियों का दल और जिला प्रशासन की टीम मंत्री बन्ना गुप्ता के नेतृत्व में मानगो फ्लाई ओवर निर्माण स्थल समेत अन्य जगहों का दौरा करेगा। उन्होंने बताया कि सभी प्रकिया को पूर्ण कर जल्द ही फ्लाई ओवर निर्माण का कार्य शुरू होगा और तय समय सीमा पर जमशेदपुर की जनता को इसका लाभ मिलेगा।

भारतीय संविधान के विविध आयाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं डालसा अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर पाल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 'संविधान सप्ताह' का कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। कार्यक्रम के आखिरी दिन व्यवहार न्यायालय के सभाकक्ष में 'भारतीय संविधान के विभिन्न आयाम' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लोहरदगा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभी पैरा लीगल वालंटियर, न्यायालय की कर्मी एवं अन्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन लोहरदगा व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राजेंद्र बहादुर पाल के द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान के मूलभूत प्रावधानों के मूल्यों के अनुसार ही हम सबको कार्य करना है। विधिक सेवा प्राधिकार के कार्य पी० एल० भी० के द्वारा ही क्रियान्वित होती है अतः अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कार्य करना चाहिए। प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार के द्वारा प्रतिभागियों को संविधान के प्रत्येक भाग के बारे में बताया गया। संघ एवं राज्य की शक्ति, न्यायालय के कार्य करने की संवैधानिक शक्ति, मूल अधिकार एवं अन्य विधायी अधिकार के साथ-साथ मौलिक कर्तव्य की महत्ता को रेखांकित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने संविधान के बारे में अपने - अपने समझ को सभाकक्ष में साझा किए। कार्यशाला में दिलीप कुमार साहू एवं गौतम लेनीन ने भी अपने विचार रखे। डालसा द्वारा किए जा रहे कार्य एवं अड़चनों पर भी विचार- विमर्श किया गया। धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ ही पिछले 7 दिवसीय संविधान सप्ताह कार्यक्रम का समापन किया गया।

ठेठईटांगर प्रमुख ने किया जोराम स्कूल का निरीक्षण, सुविधाओं की ली जानकारी

शिक्षा के बिना समाज का स्तर नीचे गिरता जाता है

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। प्रखंड के जोराम पंचायत अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय जोराम का निरीक्षण शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने किया। प्रमुख ने जाकर सबसे पहले वहां मध्यान भोजन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने देखा कि सही भोजन मिल रहा है या नहीं उसकी जानकारी खुद जाकर किचन में देखा, जहां रसोईया है वहां भी जाकर देखें जो खाना बनाते हैं उनको साफ सफाई के बारे में कहा की स्वच्छता बहुत जरूरी है बच्चों को स्वच्छ भोजन खिलाइए साथ ही विद्यालय में पढ़ाई सही से हो रहा है या नहीं हो रहा है एवं शिक्षक शिक्षिकाएं सही टाइम से आते हैं कि नहीं। इसकी जानकारी भी बच्चों से लिया एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आग्रह किया। साथ ही वहां पेयजल के लिए जो नल लगना था वह अधूरा है एवं बीसीसीएल कंपनी की ओर से जो शौचालय बनाया जा रहा था वह केवल ढांचा बनाकर छोड़ दिया गया है ,ना पेन बैठा है ना सेप्टी टेंक है ना पलस्तर हुआ है।

विद्यालय प्रबंधन समिति को प्रखंड प्रमुख ने दिये कई आवश्यक दिशा-निर्देश

विद्यालय प्रबंधन से कहा कि प्राइवेट स्कूल का वातावरण वहां का कंपाउंड बहुत स्वच्छ एवं फुलवारी पेड़ पौधे होते हैं बहुत अच्छे लगते हैं। हम यहां भी कोशिश करेंगे कि फुलवारी एवं फूल-पेड़ पौधे यहां लगे। नहीं तो अपने स्तर से लगाएंगे। सभी छात्र छात्राओं ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। साथ ही साथ प्रमुख बिपिन पंकज मिंज ने बच्चों से कहा सरकार आप लोगों के पढ़ाई के लिए बहुत खर्च करती है। स्मार्ट क्लास रूम है, पुस्तकालय है। इस स्कूल में विकलांग बच्चों के लिए भी पढ़ने लिखने के लिए व्यवस्था है, हमारे टीचर भी बहुत मेहनत करते हैं, हमारे समय में ये सब नहीं था आप मन लगाकर ध्यान लगाकर पढ़े रोज स्कूल आए एवं समाज को और हमारे प्रखंड, जिला, राज्य और इस देश को आगे बढ़ाएं शिक्षा के बिना हमारे समाज का स्तर नीचे गिरता जाता है, इसलिए शिक्षा बहुत जरूरी है सरकारी स्कूल को हम आगे बढ़ाना चाहते हैं, इसमें सभी को मिलकर साथ आना होगा पेरेंट्स बच्चे टीचर्स एवं जनप्रतिनिधि गन सभी मिलकर शिक्षा का स्तर को ऊंचा उठाएंगे, जिससे समाज का भला हो एवं सबका भला हो साथ ही प्रमुख ने प्रधानाध्यापक श्याम सुंदर मिश्रा की सराहना की ,कि आपके प्रयास से स्कूल काफी अच्छा डिवेलप कर रहा है। मौके पर शिक्षक श्यामसुंदर मिश्रा, विजय खड़िया,रेशमा बा, आरती डुंगडुंग, फ्रांसिसका तिर्की, उर्मिला कुमारी, बिना कुमारी कांग्रेस कमेटी ठेठईटांगर के सचिव प्रिंस कुमार एवं शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे।

पाकरबहार स्कूल मैदान मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल खेल के तहत पुरुष वर्ग का खेल संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। बोलबा प्रखंड के पाकरबहार स्कूल मैदान में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूनार्मेंट कार्यक्रम के तहत टूनार्मेंट का किया गया इस मौके पर खेल उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके बाद खेल मैदान में टॉस कराकर खेल का शुभारंभ किया गया प्रखंड के सभी पंचायतों से फुटबॉल टीम खेल में शामिल हुए इसके बाद मालसाडा और पीडियापोंछ के बीच खेल हुआ । जिसमें दो गोल से पीडियापोंछ के टीम विजय रहा इसके बाद समसेरा और कादोपानी के बीच खेला गया जिसमें समसेरा की टीम ने दो गोल से विजय रहा फाइनल मैच में शमशेरा एवं पीडियापोंछ के बीच खेला गया । जिसमें समसेरा के टीम ने एक गोल से फाइनल मैच जीत लिया।

बेहतर स्वास्थ के लिए खेलकूद जरूरी: बीडीओ

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज ने कहा कि मुख्यमंत्री आमंत्रण खेल प्रतियोगिता के तहत पंचायत स्तर में खेल संपन्न हो चुका है आज बोलबा प्रखंड स्तर में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज के युवा वर्ग को खेल के माध्यम से उत्साहित करना है जिसमें अन्य कामों के अलावे खेल में भी आगे बढ़ सके । खेल से शारीरिक एवं मानसिक रूप से लोग स्वस्थ रहते हैं मुख्यमंत्री द्वारा एक अच्छी पहल की शुरूआत की गई है। जो पंचायत स्तर से खेलकर प्रखंड एवं जिला के बाद राज्य स्तर तक गांव के लोग पहुंच सकेंगे । जिससे खेल के क्षेत्र में लोगों का एक कैरियर की भी संभावना है इस मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी रामायण सिंह बिसेन, मुखिया सुरजन बड़ाईक, मुखिया शशि कला तिर्की मुखिया विनोद बड़ाईक , विधायक प्रतिनिधि संजय कुजूर, शमशेरा पंचायत सचिव अरुण बड़ाईक, राहुल बड़ाईक, राहुल सिंह , रंजीत शाह, सियावर सिंह, परमानंद बड़ाईक एवं अन्य लोग मौजूद थे।

मरम्मति कार्य में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग हो: डीसी

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। नगर परिषद क्षेत्र अन्तर्गत जल छाजन प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र के मरम्मती कार्य का उपायुक्त अबु इमरान ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। मौके पर उन्होने कार्य कर रहे मजदूरों से लगने वाले सामग्री कि गुणवत्ता की जानकारी ली। साथ ही संबंधित पदाधिकारी को गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग कर ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात उन्होने जल छाजन स्थित चल रहे संचालित दाल भात केंद्र का भी औचक निरीक्षण कर भोजन कि गुणवत्ता की जानकारी लेते हुए आमजनों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

एनडीपीएस के फरार अभियुक्त को खुंटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के बघमारी निवासी जोसेफ मुंडू के पुत्र मसही उर्फ मानसिद्ध मुंडू को खूंटी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गयी। युवक की गिरफ्तारी गिद्धौर थाना के सहयोग से किया गया। खुंटी के साइको थाना के पुलिस अवर निरीक्षक बिट्टू रजक ने बताया कि मसही मुंडू के विरुद्ध 2020 में एनडीपीएस के तहत साइको थाना में कांड संख्या 17/20 में प्राथमिकी दर्ज है। युवक के विरुद्ध न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी हो गई थी और फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर स्थानिय थाने के सहयोग से उसके घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी में गिद्धौर थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल, पुलिस अवर निरीक्षक टिकवानंद भगत व अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

लोहरदगा के मिनी स्टेडियम नदिया में अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ, बोले एसडीओ

खेल के माध्यम से भी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा सीनियर अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन लोहरदगा में कराने का निर्णय लिया गया है। अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप को 8 जोन में बांटा गया है जिसमें से एक जोन लोहरदगा को प्राप्त हुआ । लोहरदगा में खेले जाने वाले मैच में रांची, लोहरदगा और गुमला जिला को रखा गया है । आज लोहरदगा जिला फुटबॉल संघ के तत्वाधान में प्लस टू नदिया हिंदू हाई स्कूल के मिनी स्टेडियम में लोहरदगा एकादश बनाम गुमला एकादश मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि लोहरदगा अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल के द्वारा किया गया । चैंपियनशिप मैच में गुमला 2-1 से विजयी हुआ । मैच प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि अरविंद कुमार लाल ने कहा कि लोहरदगा में अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन होना गर्व की बात है । इस तरह का खेल का आयोजन होने से लोहरदगा के खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा ।ऐसे भी लोहरदगा में फुटबॉल खेल के प्रति लोगों में काफी जुनून रहता है। खेल के माध्यम से भी हम अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं उसके लिए हमें प्रतिबद्धता के साथ खेलना होगा । मुख्य अतिथि ने जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष सुखदेव भगत एवं उनके सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए यहां पर आए सभी खिलाड़ियों की उज्जवल भविष्य की कामना की ।मौके पर विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता आलोक कुमार साहू, जाहिद अहमद, अभिनव सिद्धार्थ, मनोज भगत, साजिद अहमद चंगू, वीरेंद्र यादव तबारक अंसारी, कार्तिक कुजुर, अमिदक साहू, अनिल उरांव बिगन महतो, फूलदेव उरांव, गुड्डू, महेश वर्मा, आरिफ, संजय भगत, मैच कमिश्नर नवीन जयदीप मुंडी, रेफरी करण हसदा, अकाश राऊत, मतला सोरेन, रोशन मुंडा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

- अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप को 8 जोन में बांटा गया है
- चैंपियनशिप मैच में गुमला 2-1 से विजयी
- लोहरदगा में अंतर जिला फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन होना गर्व की बात : एसडीओ

जनता के बीच जाकर सरकार की जन विरोधी नीतियों को बताएं कार्यकर्ता : तुलसी कुमार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी बीरू मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंह के अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला मंत्री तुलसी कुमार साहू उपस्थित थे बैठक को संबोधित करते हुए तुलसी कुमार साहू ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में जिनका नाम वोटर लिस्ट मैं नहीं चाढा. है जिन बच्चे बच्चियों का 18 वर्ष हो चुका है उनका वोटर लिस्ट में नाम चढ़ाया जाए उन्होंने कहा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में इस राज्य की गठ बंधन सरकार के जनविरोधी नीतियों को जनता तक पहुंचाएं आम जनता को बताएं कि किस तरीके से इस राज्य को लूटा और लुटाया जा रहा है किस तरीके से राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है उनसे

जो तरह तरह के वादे कर जनता को बरगला कर वोट लिया गया था वह वादा आज तक पूरा नहीं हुआ है भविष्य में चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा के चुनाव इनकी लोकलुभावन वादे में ना आकर इस राज्य की तरक्की के लिए राज्य की सर्वांगीण विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी की नेतृत्व में जनता की सरकार बनाने के लिए एकमत होकर भारतीय जनता पार्टी को कमल छाप में वोट देकर सहयोग करना है। इन्हीं सब बातों को लेकर जनता के बीच जाएं। बीरू मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने कहा कि कायकर्ता उपरोक्त बताए गए कार्यों को सभी बुथ अध्यक्ष एवं पंचायत के कार्यकर्ता गण मिलजुल कर समय पर कार्य को पूरा करें जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लेते हुए समाधान करने का भी प्रयास करें। और अपने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता के हित में चलाया जा रहे योजनाओं के बारे में बताएं और उन्हें लाभ दिलाने का प्रयास करें । इस बैठक में सुमन बीसी, प्रकाश दास गोस्वामी, कुलदीप मिश्रा, रामजीत सिंह, मनोज प्रधान, अनूप कुमार साहू, बजरंग गुप्ता, घनश्याम दास, नरसिंह पिठई, महेंद्र अहिर, रामलाल नायक ,डमरू धर प्रधान, वीरेंद्र यादव इत्यादि उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

डीसी ने स्कूलों का निरीक्षण किया

कोडरमा। उपायुक्त आदित्य रंजन ने शुक्रवार को नगर परिषद झुमरीतिलैया अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस क्रम में उपायुक्त द्वारा सीड़ी बालिका उच्च विद्यालय, गांधी उच्च विद्यालय, उत्क्रमित हाई स्कूल करियावां का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने बच्चों से बात चीत कर उनके पठन पाठन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देशित करते बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे। स्कूल को हमेशा साफ सुथरा रखें। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने खेल मैदान को लेकर स्थल का भी निरीक्षण किया। मौके पर नगर प्रशासक विनित, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रोशमा डुंगडुंग व अन्य मौजूद रहे।

फरार अभियुक्त के खिलाफ घर व पंचायत भवन में चिपकाया गया इश्तहार

बरही। 2015 से फरार चल रहे कांड संख्या 205/15 के प्राथमिक अभियुक्त के खिलाफ बरही पुलिस ने इश्तहार चिपकाया। इश्तहार सब इंस्पेक्टर मनीषा टोप्पो व थाना के रिजर्व पुलिस की टीम की निगरानी में मलकोको पंचायत भवन और अभियुक्त के घर पर चिपकाया गया। जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ललित कुमार ने बताया कि डपोक पंचायत के चतरो निवासी उमेश पासवान उर्फ भगीरथ पासवान पिता महादेव पासवान के विरुद्ध बरही थाना में आईपीसी की धारा 341, 337, 338, 307, 504, 34 के तहत मामला दर्ज है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस के द्वारा लगातार छापेमारी की गई परंतु अभियुक्त फरार है। माननीय न्यायालय के निदेर्शानुसार अभियुक्त के खिलाफ परिजन एवं स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पुलिस ने इश्तहार चिपकाने का काम किया है।

मुखिया ने विद्यार्थियों के बीच किया पोशाक वितरण

बरकट्ठा। प्रखंड के बेलकपी पंचायत स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय बेलकपी में मुखिया ललिता देवी ने स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक का वितरण किया इसके उपरांत खेलो झारखंड कार्यक्रम में शामिल सभी सफल छात्र-छात्राओं को मुखिया के द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर मुखिया ने कहा कि सरकार शिक्षा के हर पहलू पर कार्य कर रही है। उन्होंने बच्चों को नियमित स्कूली पोशाक में विद्यालय आने और साफ सफाई पर ध्यान केंद्रित करने का सलाह दिया। वितरण समारोह में विद्यालय के प्रधानाध्यापिका चाइना चक्रवर्ती, पंचायत समिति सदस्य विकाश पाण्डेय, समाजसेवी नंदू राणा, बब्लू पाण्डेय,चन्दन पाण्डेय, छोटी साव,ललितेश्वर पाण्डेय,सोनी देवी संयोजिका विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

सीएचसी में कुष्ठ रोग प्रशिक्षण के लिए आयोजन

बरकट्ठा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में कुष्ठ रोग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बीपीएम रंजीत कुमार की अध्यक्षता में की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुष्ठ रोग प्रशिक्षण निवारण हेतु प्रशिक्षण जिला पदाधिकारी डॉ कुमार रंजन, उपेंद्र कुमार दास ,संजय कुमार के द्वारा सभी सहिया को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में सभी सहिया को वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सभी सहिया दीदी को अपने अपने गांव में कुष्ठ रोग खोज कर निशुल्क इलाज के लिए सीएचसी बरकट्ठा भेजने की सलाह दिया गया। इस प्रशिक्षण में डी.ए.एम भावेश कुमार, बीडीएम सत्यनारायण कुमार, एमपीडब्ल्यू अनिल कुमार, बीटीटी प्रकाश पंडित समेत सैकड़ो सहिया दीदी उपस्थित थी।

नशा तस्कर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। शहर में मादक एवं नशा कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में नशा तस्कर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार कर लिए गए हैं। वहीं उनके पास से 300 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है, जिसका बाजार में मूल्य 10 लाख रुपए बताया जाता है। एसपी मनोज रतन चौथे ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंटर साइंस कॉलेज जबरा में एक सफेद रंग की बोलेरो (नंबर जेएच02बीसी 0174) में नशा के कुछ तस्कर ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री बड़े पैमाने पर करना चाह रहे हैं। सूचना के आलोक में सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया। इस दौरान उक्त वाहन को पकड़कर जब तलाशी ली गई तो उसके डेस्क वोट से करीब 300 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या 220/22 दर्ज किया गया है।

पकड़े गए आरोपियों में कटकमसांडी थाना अंतर्गत झरदाग निवासी राजदीप प्रसाद (56 वर्ष), बाझा निवासी मटुक सिंह (57 वर्ष), पेलावल थाना शिवपुरी निवासी इंद्रजीत कुमार और पेलावल निवासी शाहिद अंसारी के नाम शामिल हैं। पूछताछ के क्रम में आरोपियों ने सनसनीखेज खुलासा करते शहर के युवाओं में फैलते नशे के लत की जानकारी दी। इस बात का खुलासा किया कि नशा का कारोबार किस तरह किया जा रहा है। छापेमारी दल में कोर्रा थाना प्रभारी उत्तम कुमार तिवारी, सब-इंस्पेक्टर रितेश कुमार और सशस्त्र बल शामिल थे।

स्कूली बच्चे भी नशे की गिरफ्त में, कुछ अभिभावकों का भी मिलता है सहयोग

बरही। इन दिनों प्रखंड के कुछ कस्बों में छोटे बच्चों में भी धूम्रपान के गिरफ्त में है। 12 से 15 वर्ष के कई बच्चे सिगरेट और तंबाकू के साथ देशी शराब का उपयोग करते देखे जा रहे है। इनमे से कुछ तो ऐसे भी है जिन्हे अभिभावकों का भी सहयोग मिल रहा है। जिसमे ज्यादातर वैसे बच्चे है जो घर से विद्यालय के लिए निकलते है और लंच ब्रेक या विद्यालय जाते समय सिगरेट की चुशकियां लेते देखे गए है। तुरी टोला, भुईयां टोला आदि क्षेत्र के कई ऐसे बच्चे भी देखने को मिले जो तंबाकू सेवन में अपने अभिभावकों का भी सहयोग लेते है। ऐसे में यदि विद्यालय में कड़ाई से जांच की जाए तो इस पर लगाम लगाया जा सकता है। इसके साथ ही अशिक्षित क्षेत्रों में जागरूकता और शिक्षा का विकास पर कार्यक्रम चलाना आवश्यक है।

अवैध कोयला लदा महिंद्रा पिकअप वैन जब्त, चालक सहित तीन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थाना के समीप बीती रात 1:30 बजे एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अवैध कोयला लदा एक महिंद्रा पिकअप वैन को जप्त किया गया। इस दौरान चालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोडरमा थाना प्रभारी इंदु भूषण के नेतृत्व में बीती रात लगभग 60 बोरा कोयला लदा महिंद्रा पिकअप वाहन संख्या बीआर 27जी 0519 को जप्त किया गया। वहीं 3 लोग गिरफ्तार किए गए। जिसमें सनोज कुमार (उम्र 25 वर्ष पिता मोती प्रसाद, साकिन अमझरी), विकास कुमार (उम्र 19 वर्ष, पिता संजय प्रसाद, साकिन उपरडीह) एवं मुसाफिर प्रसाद (उम्र 36 वर्ष,

पिता रामजी प्रसाद, साकिन बालुकुरहा), सभी थाना सिरदला, जिला नवादा को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार कोयला हजारीबाग से लोड कर रजौली बिहार की तरफ जा रहा था। इसी क्रम में कोडरमा थाना के समीप चेक किया गया तो उक्त गाड़ी में कोयला का बोरा लोड था। इसके बाद वाहन को जप्त कर कोडरमा थाना परिसर में रखा गया। इस मामले में कोडरमा थाना में मामला दर्ज करते हुये पकड़े गए तीनों लोगों को जेल भेज दिया गया।

आजसू पार्टी नगर परिषद कमेटी महिला मोर्चा का वार्ड नं 09 में हुआ गठन

आजसू का लक्ष्य महिलाओं को उनका समुचित अधिकार देना : मनोज कुमार महतो

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। आजसू पार्टी के रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं 09 मरार में महिला मोर्चा का गठन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष युगेश बेदिया एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, विशिष्ट अतिथि आजसू पार्टी के नगर परिषद के अध्यक्ष राजेश महतो, सचिव राजेंद्र महतो, महासचिव छोटू पटेल, जिला मीडिया प्रभारी करण कुमार, मनोज कुमार उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता शंकर मिश्रा एवं संचालन रामा आशीष करमाली ने किया। मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष युगेश बेदिया ने कहा कि रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डो में महिला मोर्चा का गठन किया जा रहा है ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर हों। नगर परिषद के योजना का लाभ लें सकें। जबकि नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो ने कहा कि महिला मोर्चा कमेटी का गठन इसलिए किया जा रहा है ताकि महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जाए एवं हर योजना का लाभ घर घर तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि हमारे

पार्टी के नेता सुदेश महतो ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया था। महिला समिति बनाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर करने का काम किया था। वार्ड नं 09की महिला मोर्चा कमेटी में अध्यक्ष बसंती देवी, सचिव राजकुमारी देवी, कोषाध्यक्ष डोली देवी, कार्यकारी अध्यक्ष रीना देवी, उपाध्यक्ष बसंती देवी, सीमा देवी, माला देवी ,सविता देवी, सह सचिव पूनम देवी, लक्ष्मी देवी को मनोनीत किया गया है। बैठक में मुख्य रूप से राम चंद्र मिश्रा, गणेश प्रसाद मिश्रा, सीमा शर्मा, कुसुम बालों देवी, उर्मिला देवी, क्रांति देवी, लक्ष्मी देवी, झुमरी देवी, सुमन देवी, तिलेश्वरी कुमारी आदि शामिल हुए।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में 26वां अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव झूमर शुरू

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। विभावि में कोविड-19 काल के करीब तीन साल बाद एक बार फिर युवाओं का महोत्सव झूमर 2022 का आयोजन किया गया है। शुक्रवार से चार दिसंबर तक यूनिवर्सिटी स्थित विनोदिनी पार्क में बने भव्य पंडाल, विवेकानंद सभागार समेत विभिन्न भवनों आयोजित होने वाले तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव झूमर में प्रतिभागियों को प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका मिला है। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि संस्कृतिकर्मी, पर्यावरणविद् और पद्मश्री बुलू इमाम ने की। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो मुकुल नारायण देव ने की। मौके पर मुख्य अतिथि बाबू इमाम ने विश्वविद्यालय की स्थापना के दिनों को याद करते हुए उस समय किए गए अपने कुछ बहुमूल्य कार्यों को उल्लेखित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के द्वारा आज जो सम्मान दिया गया है वह निश्चित तौर पर मेरे लिए गौरव के क्षण है और हम इसके लिए विश्व विद्यालय परिवार के आभारी हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर देव ने कहा इस आयोजन के सबसे महत्त्वपूर्ण अंग हमारे विद्यार्थी, जिनकी प्रतिभा एवं कौशल का दर्शन अगले तीन दिनों तक हमें होना है। कहा झूमर 2022 का यह आयोजन विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने में कामयाब होगा। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ यदि साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी हमारी भागीदारी होती है तो फिर सर्वांगीण और बहुआयामी व्यक्तित्व के विकास में बड़ी सहायता मिलती है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सहभागिता भी जरूरी है। सांस्कृतिक गतिविधियों से युवाओं में धैर्य और सहनशीलता का गुण भी निखरकर सामने आयेगा। परस्पर का बढ़ा हुआ परिचय व्यक्तिगत स्तर पर भावनात्मक लगाव को बढ़ाने में कारगर होगा। इस दृष्टि से देखा जाय तो विद्यार्थियों और शिक्षकों में भावनात्मक लगाव का जो विकास होगा, वह शिक्षकों को और बढिया शिक्षक बनायेगा तो विद्यार्थियों को भी आगे की राह चुनने में सहजता होगी। शिक्षक-विद्यार्थी व्यक्तिगत स्तर पर जुड़कर समस्याओं के समाधान में भी सफल होंगे। कार्यक्रम में वित्तीय सलाहकार सुनील कुमार सिंह, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्षगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, डीएसडब्ल्यू, प्रॉक्टर, सीसीडीसी, कुलसचिव, विकास अधिकारी, स्नातकोत्तर विभागों के विभागाध्यक्षगण, महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, शिक्षकगण, पीजी आर्ट एवं कल्चर बोर्ड के सभी पदधारी और शिक्षकेतर कर्मीगण, विभिन्न कॉलेजों की टीम लेकर पधारे हुए टीम मैनेजर्स मौजूद थे।

आज होगा प्लस टू विद्यालय में गुरु गोष्ठी का आयोजन

बरही। शनिवार को प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस गोष्ठी में ई कल्याण पोर्टल पर छात्रवृत्ति इंट्री की अद्यतन जानकारी, विद्यालय रंग रोगन, पोशाक क्रय की अद्यतन जानकारी, एसडीपी लिंक भरने, एमडीएम एसएमएस, एएमसी प्रशिक्षण, विद्यालय अनुदान व्यय, विद्यालय संचालन व व्यवस्था की स्थिति, सभी प्रकार के पंजीयों का संधारण, यू डायस कार्यशाला आदि विषयों पर चचाएं होंगे। इस गुरु गोष्ठी में प्रखंड के सभी उत्क्रमित मध्य विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय एवं प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रभारी, प्रधान, वार्डेन सहित संकुल साधन सेवी की उपस्थित अनिवार्य है। उक्त जानकारी बीईईओ ने पत्र जारी कर बीआरसी कार्यालय के माध्यम से दी है।

पासवा का शिक्षक सम्मान समारोह कल

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा झारखंड

■ मंत्री रामेश्वर उरांव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामल अहमद होंगे शामिल

प्रदेश 4 दिसंबर को मोहराबादी स्थित रांची विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह का अयोजन कर रही है। इसके साथ ही शिक्षकों के लिए मोबाइल का इस्तेमाल एक चुनौती विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। झारखंड प्रदेश के खाद्य सह वित मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव व पासवा अध्यक्ष शमायल अहमद शिक्षक सम्मान समारोह में लगभग दो हजार शिक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित करेंगे।

इस कार्यक्रम में रिनपास की निर्देशक डॉ. जयंती सिमलई एवं डीएवी के पूर्व निर्देशक व शिक्षाविद एलआर सैनी व्याख्यान देंगे। पासवा के कोडरमा जिला अध्यक्ष डॉ बीएनपी बर्णवाल ने बताया कि शिक्षक सम्मान समारोह दीक्षांत मंडप मोहराबादी रांची विश्वविद्यालय में होगा। शिक्षक सम्मान समारोह की सफलता के लिए बैठकों एवं संपर्कों का दौर जारी है। उन्होने ने बताया कि सम्मानित होने वालों में कोडरमा जिला के अलावा कई अन्य जिलें के शिक्षक, शिक्षिका हो रहे हैं। कार्यक्रम में कोडरमा से दीपक कुमार, रंजीत पाण्डेय, ब्यूटी सिंह, आरिफ अंसारी, अनिल कुमार के साथ साथ जिला के कई पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे।

कोठार ओवरब्रिज के समीप द आदत रेस्टोरेंट का किया गया उद्घाटन

रेस्टोरेंट के आरंभ होने से आसपास के लोगों को होगा लाभ : चंद्रप्रकाश चौधरी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। द आदत रेस्टोरेंट्स का उद्घाटन शुक्रवार को कोठार ओवरब्रिज के निकट किया गया। उदघाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि नगर परिषद के अध्यक्ष युगेश बेदिया, उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो एवं जिप सदस्य तापेश्वर महतो मौजूद थे। अतिथियों ने विधिवत रूप से फीता काटकर रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्रपकाश चौधरी ने कहा कि यहां पर रेस्टोरेंट के आरंभ होने से आसपास के लोगों को लाभ होगा। वहीं, रेस्टोरेंट के संचालक संदीप कुमार ने कहा कि हमारे यहां उचित मूल्य पर खाने व फास्ट फूड

की घर की तरह व्यवस्था है। मौके पर वार्ड पार्षद देवधारी महतो, रोशन महतो, आजसू पार्टी के नगर परिषद अध्यक्ष राजेश महतो, सचिव राजेंद्र महतो, करण कुमार, कैलाश महतो, डीया महतो, राजकुमार महतो, नरेश महतो, मनोज कुमार, पुरुषोत्तम महतो, कामेश्वर महतो, पुरण महतो, कल्लू राम, प्रकाश रंजन, संदीप राम, प्रकाश कुमार, राजेंद्र कुमार, दीपक पटेल, प्रवीण कुमार, जयंती देवी, माधव महतो, कंचन साह, फूलचंद महतो, उमेश महतो, धर्मवीर राम, गोपाल राम, अजय राम, नरेश महतो, सहदेव महतो आदि उपस्थित थे।

ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध जिला परिवहन पदाधिकारी की नेतृत्व में चलाया अभियान

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। गोला प्रखंड अंतर्गत गोला बरलांगा-मार्ग पर शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी सौरभ प्रसाद के नेतृत्व में ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में बड़ी संख्या में

ओवरलोडेड खनिज लदे वाहनों व मालवाहक वाहनों की जांच की गई। साथ ही वाहनों के विभिन्न कागजातों परमिट आदि की भी जांच की गई। जिसके उपरांत वाहन संचालकों के विरुद्ध कुल ढाई लाख रुपये का चालान किया गया।

नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शामिल होने 22 बच्चे दिल्ली हुए रवाना

मेहनत से बच्चों को हासिल होगा मुकाम : डॉ सुनील कश्यप

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है एवं इसी के द्वारा प्रतिभागी शिखर तक पहुंच सकते हैं। यह बात 2 दिसंबर को बुद्धिजीवी मंच के जिलाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार कश्यप ने नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शामिल होने जा रहे 22 कराटेकारों के दिल्ली रवाना होने के क्रम में कही। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कहा कि जो बच्चे नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहे हैं, उन्होंने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने रवाना होने के दौरान जिला के सभी प्रतिभागियों को सफलता की शुभकामनाएं दी। रामगढ़ जिला से जूनियर शोतोकन कराटे डू फेडरेशन ऑफ इंडिया रामगढ़ शाखा द्वारा रामगढ़ जिला नेशनल चैंपियनशिप के लिए जिला के 22 प्रतिभागियों को रवाना किया गया। जो 4 एवं 5 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय स्तरीय सब जूनियर कराटे

प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कराटे प्रशिक्षक शशि कुमार पांडेय, संजय सोनकर, डॉ सुनील कुमार कश्यप, सुमित कुमार, प्रवीण कुमार, वीरेंद्र पंडित, सविता प्रसाद, विकास पांडे, ममता पांडे, जसप्रीत कौर, हरविंदर सिंह, सुनीता देवी आदि द्वारा प्रतिभागियों को विदाई दी गई। वहीं, सत्यम कुमार, सुनीता देवी, मार्शल टुडू की देखरेख में ईशा उमंग, प्रांजल कुमार, कृतिका पटेल, आयुष कुमार, सुरभि कुमारी, धीरज कुमार, वर्षा रानी, तेजस दीप सिंह, आदित्य सिन्हा, इशांत पांडेय, अंश कुमार, नैतिक वत्स, रिया कुमारी, सलोनी कुमारी, आर्या प्रगति, देव कुमार, सार्थक पांडे प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुए।

विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर सॉफ्टेक में विविध कार्यक्रम आयोजित

अनुमंडल को शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षर बनाना है मुख्य लक्ष्य : जयदीप सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता

बरही। हजारीबाग रोड स्थित राष्ट्रीय कम्प्यूटर साक्षरता मिशन नयी दिल्ली की अधिकृत इकाई सॉफ्टेक कंप्यूटर एजुकेशन ने विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर केंद्र परिसर में कंप्यूटर पर आधारित क्विज प्रतियोगिता, सोशल मीडिया के गुण/अवगुण पर आधारित वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे केंद्र के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। मौके पर चुनाव आयोग द्वारा संचालित मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम की वाद विवाद प्रतियोगिता से हुई। पक्ष में बोलते हुए प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया को आज का लाइफ लाईन कहा। बताया कि सोशल मीडिया से लोगो ने वैचारिक दूरियां कम हुई है। सूचनाओं का आदान प्रदान बढ़ा

है। कैरियर की दृष्टि से यह अति महत्वपूर्ण है, जहां समाज के हर वर्ग के लिए जानकारियां उपलब्ध होते है। विपक्ष में बोलते हुए प्रतिभागियों ने बताया कि सोशल मीडिया ने युवा वर्ग विशेषकर टीन एजर्स को बर्बाद किया है। सोशल मीडिया पर आने वाले अवांछित अश्लील फोटोग्राफ, वीडियो और मैसेज ने हम विद्यार्थियों को जलील किया है। पारिवारिक दूरियां बढ़ी है, पास होकर भी लोग दूर होते है। युवाओ में मानसिक तनाव बढ़े है, कई बार सोशल मीडिया आत्महत्या का कारण भी बना है। केंद्र निदेशक जयदीप कुमार सिन्हा ने कहा कि गुण और अवगुण एक ही सिक्का के दो पहलू जैसे है। हमे हमेशा उसके सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देनी चाहिए। सोशल मीडिया जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। जब दुनिया डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में हम इससे दूर नही रहा सकते है। आज सभी जानकारियां सोशल मीडिया पर उपलब्ध है। हम सबों को इसके सकारात्मक गुणों को अपनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही आयोग के द्वारा चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान की जानकारी देते हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाने की बात कही गई। क्विज प्रतियोगिता में रश्मि गुप्ता प्रथम, मुस्कान प्रवीण द्वितीय और रोहित केसरी तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में इशिका कुमारी, अंजली कुमारी, अमित केसरी, सुमित विश्वास, कुलदीप कुमार, गुलफान अंसारी, सबिता कुमारी आदि विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता संपन्न करवाने में सेंटर मैनेजर रूबी कुमारी, लैब इंस्ट्रक्टर रोहित कुमार, गणेश कुमार, भोला राम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देशव्यापी विरोध दिवस को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन ने दिया धरना

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। संयुक्त ट्रेड यूनियन मंत्र कोडरमा के तत्वधान में शुक्रवार को देशव्यापी विरोध दिवस के माध्यम से स्मार पत्र कोडरमा उपायुक्त के द्वारा राष्ट्रपति को 31 सूत्री स्मार पत्र सौंपा गया। स्मार पत्र सौंपने के पूर्व कर्मा मेडिकल कॉलेज के परिसर में सीटू, एआईटूआईसी, एआईसीसीटीयू, आईएनटीयूसी ने एक दिवसीय धरना दिया। धरना की अध्यक्षता मजदूर नेता विनोद पासवान ने जबकि संचालन संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच के संयोजक रमेश प्रजापति ने किया। धरना में चार श्रम संहिताओं लेबर कोड को रद्द करने, सार्वजनिक उपक्रमों और सार्वजनिक सेवाओं का निजीकरण बंद कने, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइप लाइन एनएमपी रद्द करने, सभी कामगारों को न्यूनतम मजदूरी 26 हजार प्रति माह सुनिश्चित करने, सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को न्यूनतम पेंशन 10 हजार सुनिश्चित करने सभी सर्वकालिक कार्यों का ठेकेदारी करण बंद करने, अग्निपथ जैसी सभी योजनाएं रद्द करने एनपीएस को रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम

लागू करने आदि सवालों को लेकर धरना दिया गया। धरना को संबोधित करते हुए सीपीआई जिला मंत्री प्रकाश रजक ने कहा कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है मजदूर किसान नौजवान महिलाएं छात्र-छात्राएं सुरक्षित नहीं है। नौजवान एवं देश की बच्चियों अपने अधिकार को लेकर सड़क पर आते हैं तो उन पर डंडा बरसाई जाती है। धरना को मजदूर नेता विजय पासवान, पूर्व उप प्रमुख वीरेंद्र यादव, मजदूर नेता अनिल जाधव, भोला दास, रंजीत भारती, सीपीआई अंचल मंत्री रामेश्वर यादव, रामचंद्र राम, अशोक रजक, पार्वती देवी, जितेंद्र रविदास, महेश पासवान, महेंद्र तुरी आदि लोगों ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन मजदूर नेता दशरथ पासवान ने किया।

न्यूज गैलरी

सीओ विजय कुमार ने प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ की बैठक

सेन्हा-लोहरदगा। अंचलाधिकारी विजय कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रज्ञा केन्द्र संचालको के साथ समीक्षा बैठक कर दिया दिशा निर्देश। अंचलाधिकारी विजय कुमार ने प्रज्ञा केन्द्र संचालको के साथ समीक्षा बैठक कर मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना व छात्र-छात्रों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के बारे में जानकारी लेते हुए सभी प्रज्ञा केन्द्र संचालको को निर्देश देते हुए कहा कि जिन-जिन छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र नही बना है। वैसे वंचित छात्र-छात्राओं के लिये जाति प्रमाण पत्र यथाशीघ्र बनाने का कार्य करें। छात्र-छात्राओं का किसी भी कार्य मे विभागीय परेशानी नही होगा। साथ ही कहा कि पोर्टल नही चलने से नये किसानों को मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना का रजिस्ट्रेशन कराने में परेशानी हो रही है। जिस पर राज्य सरकार के निर्देश पर इस समस्या का समाधान किया जायेगा। मौके पर अंचल निरीक्षक चन्द्रप्रकाश मेहता के अलावे प्रज्ञा केन्द्र संचालक विनय कुमार साहु, महिमा कुमारी, उज्ज्वल शुक्ला, संतोष साहू, नित्यानंद महतो मौजूद थे।

महिला आयोग गठन की मांग को लेकर अगुस्टीना सोरेंग ने मंत्री से की मुलाकात

सिमडेगा। झारखंड में महिला आयोग का गठन कर चालू कराने को लेकर शुक्रवार को सखुआ की एडिटर मोनिका मरांडी एवं अगुस्टीना सोरेंग ने महिला एव बाल विकास मंत्री जोबा मांझी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि नेशनल क्राईम रिकोर्ड ब्यूरो के अनुसार पूरे झारखंड में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिसमें यौन हिंसा, डायन हत्या, किडनैपिंग, कार्यस्थल पर होने वाली हिंसाएं शामिल है और महिला आयोग नहीं होने से महिलाओं को बहुत बार न्याय मिलने में कठिनाईयां आती है। साथ ही कोलेबिरा काल्हाटोली की अनीता डुंगडुंग और उसके पति जिन्हें दो वर्षो से गांव वाले डायन कहकर प्रताड़ित कर रहे हैं को सुरक्षा प्रदान करने तथा मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी गई है।

समसेरा डेराटोली में व्यक्ति ने पंखे में झूलकर की आत्महत्या

बोलबा। बोलबा थाना क्षेत्र अंतर्गत समसेरा मिशन के पास डेराटोली में गुरुवार देर शाम एक व्यक्ति ने अपने ही घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया मृतक की पहचान सिप्रियन गंधा उर्फ लेंगी के रूप में हुई। बताया गया कि बृहस्पतिवार को अपने ही घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया घटना की सूचना उसके घर वालों ने ग्रामीणों को दिया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया। तत्काल ही बोलबा पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया इसके बाद घटना के बारे में छान बीन कर रही। इधर आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है मौके पर कार्यवाहक थाना प्रभारी अभय मिंज, एएसआई भोला प्रसाद सिंह एवं पुलिस बल मौजूद थे। वहीं शुक्रवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

बानो। बानो थाना क्षेत्र बानो कुरकुरा रांची मार्ग में सोय के पास अपराध नियंत्रण को लेकर बानो पुलिस के द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान आने जाने वाले दो पहिया चार पहिया वाहनों की सघनता से जांच किया गया साथ ही वाहन में सवार व्यक्तियों की मोटरसाइकिल के डिक्की, झोला आदि की भी जांच किया गया, साथ ही बानो के एसआई कामेश्वर उरांव ने आम नागरिकों से कहा कि यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। इसलिए सभी व्यक्ति अपने वाहनों की आवश्यक कागजात एवं हेलमेट लेकर ही घर से बाहर निकले। साथ ही कहा की वाहन तेजी से नही चलाएं क्योंकि अक्सर आये दिन वाहन दुर्घटना की जानकारी मिलते रहती है साथ ही कहा की शराब का सेवन कर वाहन बिलकुल नहीं चलाएं पकड़े जाने पर आवश्यक करवाई करने की बात कहते हुए चालकों को कड़ी हिदायत दिया गया। मौके पर थाना के पुलिस बल मौजूद थे।

नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए आर्मी रिटायर्ड सह समाजसेवी डॉ.टी साहू ने दिया 21 हजार

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के हटिया गार्डेन में नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया। जिसमें विधि विधान पूर्वक पुरोहितों के द्वारा भूमि पूजन संपन्न कराई गई। मौके पर भव्य भंडारे का प्रसाद लोगो ने खाया और मंदिर निर्माण के लिए हर संभव मदद करने की बात कही। इस मौके पर शहरी क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी आर्मी रिटायर्ड डॉ टी साहू ने मंदिर निर्माण के लिए 21 हजार रुपये देने की घोषणा की। कहा कि मंदिर निर्माण जैसे पुण्य कार्य में सहयोग देना गौरव की बात है। मैं माँ काली का भक्त हूं। माँ काली की प्रेरणा और उनके आशीर्वाद से मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग करूंगा। इससे पहले भी निंगनी के काली मंदिर निर्माण के लिए उन्होंने 151000 रुपये का सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जहां कही भी मंदिर निर्माण जैसे पुनीत कार्य होगा वहां हम मा काली के आशीर्वाद से हर संभव मदद करूंगा। सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

मंत्री रामेश्वर के प्रयास से लगा भंडरा में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर

भंडरा/लोहरदगा। राज्य के वित्त मंत्री सह- लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव के सौजन्य से ग्राम भंडरा मेन रोड में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। भंडरा मुखिया इंद्रदेव उरांव के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। बता दे कि पिछले 15 दिनो से मेन रोड का ट्रांसफार्मर खराब था। इस मौके पर मुख्य रुप से 20 सूत्री सदस्य, अब्दुल कुदुस, वार्ड सदस्य संतोष पांडा, अकास यादव, लक्ष्मी नारायण प्रजापति, बबन साहू, इसराइल अंसारी, राहुल गुप्ता, आकाश सिंह, बिंदेश्वर साहू आदि लोग उपस्थित थे।

महिला हिंसा और उत्पीड़न रोकना पहली प्राथमिकता : किरण पंडित

लोहरदगा। लोहरदगा महिला थाना मे शुक्रवार को नए थानेदार के रूप में किरण पंडित ने पदभार ग्रहण किया। उन्हें तत्कालीन थाना प्रभारी नविता महतों ने पदभार दिया। नए थाना प्रभारी किरण पंडित ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लोहरदगा में महिला उत्पीड़न को रोकना सबसे पहले प्राथमिकता होगी। लोहरदगा में महिला उत्पीड़न का मामला अधिक होता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जनता व पुलिस के बीच समन्वय बनाकर शांति व्यवस्था स्थापित करना हमारा कर्तव्य होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या हो तो वे सीधे पुलिस से मिले ना कि बिचौलियों और दलालों के चंगुल में फंसकर अपना समय और पैसा दोनों बर्बाद करें। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करने, मनचलों पर लगाम लगाने के लिए गंभीरता से काम किया जाएगा।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने की बैठक, कहा

17+ आयु के नये वोटर्स का नाम जोड़ा जायेगा व अन्य मतदाता सूची से संबंधित कार्य किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के अन्तर्गत सभी मान्यता प्राप्त राजनितिक दलों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दल के जिला अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को 9 नवम्बर 2022 से 8 दिसम्बर 2022 तक मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2022-23 के तहत इलेक्टोरल वेरिफिकेशन किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 दिसम्बर 2022 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य, शुद्धिकरण, नया एड्रेस परिवर्तन करने व मृत व्यक्ति का मतदाता सूची से नाम हटाने का कार्य किया जाएगा। 05 जनवरी 2023 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इलेक्टोरल वेरिफिकेशन कार्य किया जा रहा है। साथ ही 17+ वर्ष के नए वोटर्स का नाम जोड़ा जाएगा एवं अन्य मतदाता सूची से संबंधित कार्य किए जाएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील किया कि वह लोगों को जागरूक करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। लोगों को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने या सुधार हेतु सहयोग एवं जागरूक करें। साथ ही अपने स्तर से विभिन्न राजनीतिक दलों को बूथ लेवल पर बीएलओ से मिलकर संबंधित त्रुटि का निराकण करने का भी कहा गया। पुनरीक्षण अवधि के दौरान प्राप्त दावा आपत्तियों (प्रपत्र 9, 10, 11, 11ए) की सूची सप्ताहिक रूप से सभी राजनीतिक दलों को बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं इसकी जानकारी ली। ईआरओ एवं एईआरओ द्वारा कहां गया कि आप सभी अपने संबंधित क्षेत्रों में भ्रमण कर वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से लोगों मतदाता सूची से संबंधित मौके पर ही समस्याओं का निराकरण करने को कहा गया। बैठक में मुख्य रूप से विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष, अपर समाहर्ता अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी महेन्द्र कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर व अन्य उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उपायुक्त आर. रॉनीटा ने शुक्रवार को समाहरणालय परिषर से मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के तहत दिनांक 9 नवम्बर 2022 से 8 दिसम्बर 2022 तक चलाया जा रहा। यह रथ ग्रामीण इलाकों में नए वोटरों को जागरूक करने तथा सुधार, स्थानान्तरण एवं नाम विलोपन करने के प्रति गांवों व पंचायतों के लोगों को जागरूक करेगा। मौके पर उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर सांगा, परियोजना निदेशक सलन भुईयां, अपर समाहर्ता अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, समाज कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी पंकज कुमार भगत व अन्य उपस्थित थे।

बंधु तिर्की ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सिमडेगा की समीक्षा की

भाजपा नेता लुइस कुजूर व अन्य ने थामा कांग्रेस पार्टी का दामन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कांग्रेस कमिटी की बैठक सिमडेगा परिषदन भवन में जिला अध्यक्ष अनूप केशरी की अध्यक्षता में सम्पन हुई इस कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सिमडेगा प्रभारी पूर्व मंत्री बंधु तिर्की मुख्य रूप से उपस्थित रहे जहां पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर उन्होंने बताया आगामी 6 दिसम्बर 2022 को सिमडेगा जिला में होने वाला भारत जोड़ो कार्यक्रम को लेकर समीक्षा की। बैठक कर भारत जोड़ो अभियान को जिला से प्रखंड होते हुए हर बूथ तक करने का दिए निर्देश दिया। मौके पर बंधु तिर्की ने कहा देश मे बढ़ती मंहगाई के खिलाफ, बढ़ती बेरोजगारी, अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले, एक दूसरे से नफरत के खिलाफ भारत जोड़ो यात्रा का मूल उद्देश्य देश मे एकता कायम रखना रखना है। इस भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ग्रामीणों के बीच संवाद कार्यक्रम कर उनकी परेशानी को जानना एवं उस परेशानी का निराकरण भी इस यात्रा के माध्यम से करना है भारत जोड़ो यात्रा को सफलतापूर्वक संचालन को लेकर जिला कमिटी प्रखंड, सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष को इसके सफलता का कार्यभार दिया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सिमडेगा के खूंटी टोली चौक से शुरू होकर टुकुपानी चौक तक जाएगी जिसमें हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रखंड स्तर पर गांव गांव भी भारत जोड़ो यात्रा की जाएगी इस यात्रा को झारखंड में उप यात्रा का नाम दिया गया है। बैठक में सिमडेगा विधानसभा के विधायक भूषम बाड़ा, जॉनसन मिंज, प्रदेश डेलीगेट सदस्य प्रदीप केशरी, समी आलम, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा सोरेंग, जिला बीससूत्री उपाध्यक्ष मनोज जैसवाल, जीप सदस्य जोसीमा खाखा शांतिबाला केरकेट्टा, सामरोम पॉल टोपनो एवं कौशल किशोर रोहिल्ला, नॉमिता बा, विशाल तिर्की,नवीन वीरेन तिर्की, तुलसी पारंगत खलखो, अरमान खान, शिशिर मिंज, मनीषा मिंज, प्रतिमा कुजूर, के अलावे अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाजपा नेता ने थामा कांग्रेस पार्टी का दामन : कार्यक्रम के उपरांत बीजेपी नेता लुइस कुजूर ने देश मे राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित होकर पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिता तिर्की एवम अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की इस दौरान बंधु तिर्की के द्वारा एवं विधायक भूषण बड़ा के द्वारा माला पहनाकर सभी नए कार्यकर्ताओं का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया एवं सभी लोगों को कांग्रेस पार्टी का नीति सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही ताकि आने वाले दिनों में पार्टी और भी मजबूत हो।

सीएम के संभावित आगमन को लेकर डीडीसी ने की अधिकारियों संग बैठक, दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संभावित लोहरदगा जिला भ्रमण को लेकर शुक्रवार को उप विकास आयुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता मे समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, केसीसी, झारखंड राज्य फसल राहत योजना, मुख्यमंत्री ऋण माफी योजना, मनरेगा, छात्रवृत्ति योजनाएं और पर्यटन एवं खेलकूद योजनाओं में जिला के उपलब्धि की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को निदेश दिया गया कि आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना अंतर्गत जो भी आवेदन प्राप्त हुए हैं उनकी समीक्षा कर उसका निष्पादन कराया जाय। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि

महिला पर्यवेक्षिका और बीआरसी के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का भी निष्पादन जल्द कराया जाय। कोई भी आवेदन लंबित ना रहे। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन जल्द कराने का निदेश दिया गया। परियोजना निदेशक आइटीडीए, लोहरदगा द्वारा बताया गया कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों में आवेदनों की स्क्रीनिंग प्रारंभ हो चुकी है जो 6 दिसंबर 2022 तक चलेगी। जिन आवदनों में दस्तावेजों की कमी है वैसे आवेदकों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना व गव्य विकास योजना में जिला पशुपालन पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों के लिए ग्रामसभा करा लें। जिला कल्याण पदाधिकारी को भी निदेश दिया गया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से संबंधित आवेदनों की समीक्षा कर उसका निष्पादन कराएं। परियोजना पदाधिकारी, मनरेगा को निदेश दिया गया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से संबंधित पशु शेड के लिए जितने आवेदन प्राप्त हैं उसका निष्पादन कराएं। पूर्व से जो पशु शेड लंबित है उसका निष्पादन कराएं। केसीसी से संबंधित प्राप्त आवेदनों को समीक्षा की गई और आवेदनों का निष्पादन कराने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी और एलडीएम, लोहरदगा को निदेश दिया गया। बैठक में आइटीडीए परियोजना निदेशक अरविंद कुमार लाल, समाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक अलमल इंदु उरांव, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ अनुप कुमार, समेत अन्य उपस्थित थे।

भारतीय जीवन दर्शन ही हमारा प्रमुख आधार व उद्देश्य : ब्रह्म राव

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के समिति कक्ष में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्मा राव की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, सचिव अजय प्रसाद, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, राजेश जी, शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडेय, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास एवं इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम मुखर्जी उपस्थित थे। मौके पर ब्रह्मा राव ने कहा कि प्रबंधकारिणी समिति को संगठन के अनुकूल होना अच्छी बात है। टीम के द्वारा ही कोई भी कार्य संभव होता है। टीम वर्क ही संगठन का प्राण है। एक दूसरे से मिलजुल कर कार्य करने के बाद ही कार्यकर्ता का विकास होता है। विद्यालयों में विद्या भारती के जो 4 आयाम हैं, उनके विकास से ही विद्यालय का विकास संभव है। आधारभूत

विषयों का क्रियान्वयन सही प्रकार से यदि होता है, तो बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा एवं मॉडल स्कूल विकसित करना है, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। समाज का नेतृत्व करने वाला विद्यार्थियों का निर्माण, स्वावलंबी एवं कौशल विकास की दृष्टि से ही बच्चों का निर्माण किया जाए, यह हमारा उद्देश्य होना चाहिए। हर भारतीय का जीवन दर्शन एवं विकास सर्वांगीण विकास से ही यह उद्देश्य पूर्ण हो सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान काल में भाषाई की दृष्टि से संकट काल चल रहा है। एक अखबार का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब 2014 में अपनी सरकार गठित हुई, तो इंग्लैंड के एक अखबार ने यह लिखा था कि आज भारत से पूर्ण रूप से अंग्रेज चले गए। हमारे एकात्मता स्त्रोत में वर्णित इतिहासकारों, वैज्ञानिकों, महापुरुषों का स्मरण भैया - बहनों को कराना तथा भारतीय जीवन दर्शन ही हमारा प्रमुख आधार है। हमारी जीवन पद्धति भारतीय हो, हम सभी गणित, विज्ञान तथा ज्ञान के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करें। अपनी मातृभाषा के प्रति स्वाभिमान जागृत करें। इस अवसर पर विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास ने विद्यालय के क्रमिक विकास की एक झलक प्रस्तुत की। अखिल भारतीय मंत्री के द्वारा शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रार्थना सभा कक्ष, प्रधानाचार्य कक्ष, कार्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला सहित कक्षा का निरीक्षण किया। सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर तथा मनोहर लाल अग्रवाल इंटर महाविद्यालय महाविद्यालय का सभी लोगों ने विविध गतिविधियों का निरीक्षण किया।

हक-अधिकार प्राप्ति के लिए जेएसएलपीएस ने ग्राम स्तरीय समन्वय समिति को दिया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के जेएसएलपीएस कार्यालय में शुक्रवार को ग्राम स्तरीय समन्वय समिति का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुरूआत किया गया। प्रशिक्षण एसआरपी आरती बड़ाइक एवं ब्रिजीट कंडुलना के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जलडेगा तथा पतिअम्बा पंचायत के सभी वार्ड सदस्य, पंचायत के मुखिया तथा सभी ग्राम संगठन के अध्यक्ष, सचिव तथा कोषाध्यक्ष शामिल रहे। प्रशिक्षण में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए ग्राम स्तर पर समन्वय बनाकर अपने हक और अधिकार की योजनाओं को अधिक से अधिक प्राप्त करने की

जानकारी दी गई। वही जेएसएलपीएस के सीसी मुंगेश्वर साहू एवं बेलमती बोदरा ने उपस्थित लोगों को बताया कि वर्तमान में जेएसएलपीएस द्वारा ग्राम गरीबी उन्मूलन परियोजना (भीपीआरपी) ऐप के माध्यम से गांव स्तर पर हकदारी योजना, लाइवलीहुड योजना, सामुदायिक योजना एवं सामाजिक विकास के लिए भी योजनाओं का चयन तथा उसका प्राथमिकीकरण किया जा रहा है इसके लिए ग्राम स्तर के लिए चयनित सीआरपी, वार्ड और मुखिया समन्वय बनाकर जनकल्याण के लिए अधिक से अधिक योजना को देने के लिए प्रयास करें ताकि गांव के गरीब से गरीब लोगों को भी सरकारी योजना को लाभ मिल सके।मौके पर जेएसएलपीएस के बीपीएम मुकुल खाखा, सीसी मुंगेश्वर साहू, बेलमती बोदरा, ललिता हेम्बरोम, आरती बड़ाइक, ब्रिजेट कंडुलना, संगीता कुमारी सहित वार्ड सदस्य और समूह की दीदी उपस्थित थी।

हटिया गार्डन में भव्य नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

- भूमि पूजन में शामिल हुए एसपी, मंदिर निर्माण के लिए नींव रखी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 अंतर्गत हटिया गार्डन में भव्य नव दुर्गा मंदिर निर्माण को लेकर विधि-विधान पूर्वक भूमि पूजन की गई। पंडित रामसेवक पाठक, जयशंकर मिश्र एवं परमानंद मिश्रा समेत अन्य पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न कराई गई। यजमान के रूप में नवल किशोर अग्रवाल उनकी धर्मपत्नी रीता अग्रवाल, विश्वविजय अग्रवाल उनकी धर्मपत्नी अनु अग्रवाल, दुर्गा सोनी उनकी धर्मपत्नी शकुंतला देवी, विजय महतो उर्फ विक्की व उनकी धर्मपत्नी संगीता महतो एवं सुमन महतो व उनकी धर्मपत्नी पूजा कुमारी के द्वारा विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन की गई। बताया गया कि नवदुर्गा मंदिर में माँ के सभी नौ रूपो की प्रतिमा स्थापित होगी। वही देश के प्रसिद्ध कारीगरों के द्वारा मंदिर निर्माण कराया जाएगा। इधर भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने पहुचंकर भूमि पूजन कार्यक्रम मे हिस्सा लिया। पुरोहितों से आशीर्वाद लेकर भूमि पूजन के बाद खुद से कुदाल चलाकर नींव के लिए ईंट बिछाया। इसके बाद माँ दुर्गा की आरती में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया । इस मौके पर एसपी आर रामकुमार ने कहा कि मंदिर निर्माण जैसे पवित्र कार्य में शामिल होना अपने आप मे गौरव

की बात है। कहा कि माँ दुर्गा की कृपा से आज यहाँ नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ है। कहा कि नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम यहाँ के भूमि दाताओं और मंदिर निर्माण कमिटी के सदस्यों का सामूहिक प्रयास से यह संभव हुआ है। मंदिर निर्माण कार्य में हमारे तरफ से हर संभव मदद किया जाएगा। मंदिर निर्माण के लिए जो भी सहयोग होगा हम जरूर करेंगे। मौके पर सदर थाना प्रभारी पंकज शर्मा, राजेंद्र खत्री, ओम सिंह, सूरज अग्रवाल, विमलकांत सिंह, आर्मी रिटायर्ड सह समाजसेवी डॉ टी साहू, अशोक महतो, धनंजय कास्यकार, राजेश महतो, जगदीप भगत, उमेश कास्यकार, राजीव रंजन, चंद्रशेखर मेहता, विजय खत्री, सुमित खत्री, सीताराम महतो, अविनाश कुमार सहित मंदिर निर्माण समिति के सभी संरक्षक पदाधिकारी के साथ हटिया गार्डन विकास मंच के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भाग लिया। भूमि पूजा के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे हजारों महिला पुरुषों ने भंडारा का प्रसाद ग्रहण कर मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग करने की बात कही। इस मौके पर सभी ने अपनी क्षमता अनुसार मंदिर निर्माण में सहयोग करने की बात कही।

एमएलए सविमं इंटर कॉलेज में वार्षिक खेलकूद समारोह का समारोह पूर्वक हुआ शुभारंभ

अनुशासन का सबक सिखाता है खेल : सांसद सुदर्शन भगत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में वार्षिक खेलकूद समारोह सप्ताह का समारोह पूर्वक शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद सुदर्शन भगत और विशिष्ट अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री ब्रह्माजी राव सहित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर मुख्य अतिथि सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि खेलकूद जीवन में अनुशासन का सबक सिखाता है। विशिष्ट अतिथि ब्रह्माजी राव ने कहा कि विद्यार्थियों को खेल में कठोर परिश्रम से सफलता का मार्ग प्रशस्त करना सीखना चाहिए। उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय के भैया बहनों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर इसे यादगार बनाया। विशिष्ट अतिथि ने खेल ध्वज फहराया और मार्च पास्ट की सलामी ली। मसाल भी प्रज्ज्वलित किया। विद्या मंदिर घोष दल द्वारा अतिथियों

का स्वागत हुआ। प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। खेल प्रमुख यशोदा कुमारी ने खेल वृत्त प्रस्तुत किया' संचालन प्रीति कुमारी गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन नीतू कुमारी ने किया। मंच से राष्ट्रीय स्तर पर 3000 मीटर तेज चाल में पदक जीतने वाली पूनम कुमारी और राष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कूद में सहभागिता निभाने वाले सुजल बाखला को सम्मानित किया गया। सांसद सुदर्शन भगत ने महाविद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए सांसद मद से लगभग 11 लाख की राशि से चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास किया। पहले दिन संपन्न स्पर्धाओं में 100 मीटर की दौड़ जीतकर नीलिमा लकड़ा महाविद्यालय की सबसे तेज धाविका बनी। नीलिमा ने 200 मीटर की दौड़ में भी गोल्ड मेडल जीता। 100 मीटर दौड़ में सुषमा अभिषेक लकड़ा ने सिल्वर और मंजू टोप्पो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 200 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल मंजू टोप्पो और ब्रोंज मेडल पूर्णिमा भगत ने जीता। बालक वर्ग के घड़ा दौड़ में रोहित कुमार साहू ने गोल्ड, सुभाष उरांव ने सिल्वर और आकाश भगत में ब्रोंज मेडल जीता। तीन पैर की दौड़ में सतीश टोप्पो एवं शिव शंकर उरांव की जोड़ी ने गोल्ड, चरणजीत उरांव और आदित्य उरांव की जोड़ी ने सिल्वर तथा पवन लकड़ा एवं शशि तिग्गा की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्लो साइकिल रेस में चरणजीत उरांव ने गोल्ड और अमन उरांव ने सिल्वर मेडल जीता। समारोह की अध्यक्षता शशिधर लाल अग्रवाल ने की। मौके पर विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, प्रांतीय घोष प्रमुख राजेश प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर अग्रवाल, श्याम बिहारी यादव, आशुतोष मिश्रा, अजय प्रसाद, अनिल अग्रवाल, डॉ शशि गुप्ता, पुष्कर महतो, शोभा देवी, विद्या नंदन शर्मा, बिपिन कुमार दास, सुरेश चंद्र पांडे, जीतराम बड़ाईक, सचिन किसलय, दीपक कुमार, सचित सिंह, हिमांशु केसरी, शिव शंकर सिंह, सीमा केसरी सहित अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

आयुक्त ने किया भागवत कथा का शुभारंभ

मेदिनीनगर। पलामू आयुक्त जटा शंकर चौधरी सपत्नीक स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर ठाकुरबाड़ी रेडमा में पहुंच कर गुरुवार की शाम श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा यज्ञ का शुभारंभ किया। उन्होंने मंदिर में पूजा की। श्रीमद्भागवत की आरती उतारी और दीप प्रज्वलित कर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया। साथ में अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता देवी हेमलता शास्त्री एवं अन्य लोग थे। ज्ञात हो कि कथा प्रवक्ता देवी हेमलता शास्त्री के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। यह कथा 7 दिसंबर तक चलेगा। ये कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 3 बजे से 7 बजे तक कथा होगा। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिवारी (मिंटु) सहित कमेटी के अजय तिवारी, सतीश तिवारी, प्रवीण तिवारी, अभिषेक तिवारी, कमल किशोर तिवारी मनीष पांडेय के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुवृंद उपस्थित थे।

ट्रक ने खड़े ट्रेलर को पीछे से टक्कर मारी, वाहन क्षतिग्रस्त

मेदिनीनगर। नावा बाजार थाना की बहुचर्चित कंडा घाटी में देर रात पलामू लाइन होटल के चरका पुल के पास ट्रक और ट्रेलर आपस में टकरा गए थे। जहां छतरपुर की ओर से जा रही ट्रक हाई स्पीड होने के कारण रात्रि में लगा टेलर से जा टकराया जिसमें वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर नावा बाजार थाना प्रभारी दीपक कुमार दास, नंदकिशोर दास व सशस्त्र पुलिस जवान घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

नगर निगम चुनाव की तिथि थमने के बाद प्रत्याशियों का चहल कदमी थमा : रुचिर

मेदिनीनगर। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने ब्यान प्रसारित कर कहा कि निगम चुनाव में संभावना दूर होने के बाद निगम के प्रत्याशियों की चहल कदमी कम हो गई है। वहीं नये क्षेत्रों में निगम को शामिल करने के बाद उक्त एरिया में कोई काम नहीं हुआ। होल्डिंग टैक्स के नाम पर पैसा उगाही का काम किया गया है। वही झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने चौधराना बाजार का रेट निगम चुनाव के बाद कम करने की बात तो किया। लेकिन नये क्षेत्रों के बारे में वह भी कुछ नहीं बोले की आखिर एक ही जमीन का दो-दो टैक्स एक अंचलाधिकारी के द्वारा और एक निगम के द्वारा कैसे काटा जा रहा है। निगम के नये क्षेत्रों में चारों तरफ अंधेरा फैला हुआ है। इक्का-दुक्का बल्ब भी लगा। वहीं फ्यूज हो गया, लेकिन मेयर और निगम के पदाधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। वही निगम क्षेत्र में शामिल किया गया। ग्राम सिंगरा जिसका निगम से कोई लेना-देना नहीं है। वहां खेती होती है खेती योग्य जमीन है। खेती ही पेसा है वहां की आम जनता अपने आप को नगर निगम से मुक्त करना चाहती है। लेकिन इस बारे में किसी भी पार्टी के नेताओं ने अभी तक कुछ नहीं बोला। वहां के खेतिहर जनता को टैक्स के बोझ में बांधे रखना चाहते हैं। खास महल जमीन को फ्रीहोल्ड जल्द से जल्द यह सरकार करें। बाकी खास महल धारियों को उनका मालिकाना हक मिल सके। झारखंड सरकार निगम में शामिल किए गये नये क्षेत्रों को बिना सुविधा मुहैया करायें। किसी भी प्रकार का नगर टैक्स का वसूली बंद करें एवं ग्राम सिंगरा खुर्द एवं सिंगरा कला को निगम क्षेत्र से बाहर करें।

कांग्रेस का भारत जोड़ो यात्रा घासीदाह पहुंचा

मेदिनीनगर। पलामू जिला में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा लगातार किया जा रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी के द्वारा भारत जोड़ो यात्रा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पांडु प्रखंड अध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ला ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत कजरू पंचायत से होते पिपरा, मुरूमतु, घासीदाह पंचायत तक किया गया। भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नफरत छोड़ो देश जोड़ो सहित कई नारे लगाये। लोगों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि देश में नफरत का माहौल पैदा किया जा रहा है। जिससे आए दिन हम अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से देखने और सुनने को मिलता है। महंगाई आज सभी के घरों और सभी के रोजगार में घुस गई है। उन्होंन कहा कि केंद्र की वर्तमान सरकार सभी को आपस में लड़ा कर सत्ता में बने रहना चाहती है। जो देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। देश में महंगाई बेरोजगारी के कारण लोग परेशान हैं। जिसके कारण समाज टूट रहा है। यात्रा में हसन जैदी, पांडू इंदु भगत, संतोष चौबे, चिंतामणि तिवारी, देवांद शुक्ला, शैलेश मेहता, सुनील कुमार शुक्ला, श्याम दुलार शुक्ला, डबलू शुक्ला, सुनील पांडे, डा एजुल अंसारी, मुख्तार अंसारी, कमुर्दीन अंसारी,आनंद पांडेय, प्रिंस दुबे, मनोज चंद्रवंशी, मुकेश शर्मा, आशीष राम, मिथलेश मिश्रा , कपोलदेव राम , सिंटू पासवान मौजूद रहे।

पिकअप टैंकर ने युवक को मारी टक्कर, घटनास्थल पर मौत

हुसैनाबाद। पलामू थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग वार्ड नम्बर चार नागबाबा गम्हरिया के समीप गुरुवार की रात्रि करीब 8 बजे पेट्रोलियम पिकअप टैंकर ने एक टीवीएस छोटा बाइक में आमने सामने टक्कर हो गया, जिसमें लूना गाड़ी पर सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त सूत्रों के अनुसार पेट्रोलियम छोटा टैंकर छतरपुर से जपला आ रही थी और लूना सवार व्यक्ति जपला से कामगारपुर अपने गांव जा रहा था, तभी नाग बाबा गम्हरिया के समीप दोनो में आमने सामने टक्कर हो गया। टक्कर जोरदार था जिससे घटना स्थल पर ही युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान नरेंद्र सिंह 32 वर्ष पिता स्वर्गीय बल्लू सिंह कमगापुर निवासी बताया गया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने सड़क को जाम करने लगे लेकिन मौके पर हुसैनाबाद थाना सहस्त्र बल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल भेज दिया और पिकअप टैंकर को हुसैनाबाद थाना लाया हैं।

बीईईओ ने राजबांस उत्क्रमित मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण, बोले-

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत बिलैती खैर पंचायत के राजबांस गांव में अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण शुक्रवार को चिनिया प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिंह के द्वारा किया गया । जहां जांच के क्रम में कई गड़बड़ियां पाई गई वही आठवीं क्लास के छात्र-छात्राएं से भी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने पूछताछ की जहां क्लास के बच्चे देश के प्रधानमंत्री तथा अपने मुख्यमंत्री का नाम तक नहीं बता सके। इस पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी आग बबूला हो उठे तथा मौके पर ही प्रधानाध्यापक को कड़ी फटकार लगाया। इसके साथ ही किचन रूम मिड डे मील क्लासरूम पुस्तकालय स्कूल भवन इत्यादि का भी निरीक्षण शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के द्वारा किया गया,जहां जांच के क्रम में कई गड़बड़ियां पाई गई । वहीं

विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिव पूजन सिंह को फटकार लगाते हुए अपनी कार्यशैली में सुधार लाने को कहा। मौके पर प्रधानाध्यापक ने अपने कार्यशैली व विद्यालय में पाई गई गड़बड़ियों को 1 सप्ताह के अंदर सुधार लाने का लिखित आवेदन शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को दिए। जिसमें विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों को शत-प्रतिशत उपस्थिति, विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों को शत-प्रतिशत उपस्थिति, विकास मद की राशि से अविलंब विद्यालय भवन का रंग रोगन,विद्यालय के खाते में उपलब्ध राशि जमा कराकर उपलब्ध कराना, सभी बच्चों को खाता खोलने हेतु प्रेरित करना, विद्यालय के छात्र-छात्राओं का वैश्विक स्तर सुधारने का यथाशीघ्र प्रयास, उपस्थिति के अनुसार एमडी एम का रिपोर्ट करेंगे। इत्यादि का नाम अंकित था। मौके पर पंचायत के मुखिया गोपाल कुमार यादव उप मुखिया पति रवि प्रसाद विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सूर्यदेव सिंह विमलेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

चिनियां के 14 वे थाना प्रभारी बने राजबल्लभ कुमार

चिनियां। थाना प्रभारी के रूप में नए थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने शुक्रवार को चौदहवें थाना प्रभारी के रूप में अपना योगदान दिया है। योगदान के मौके पर थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में हमारी पहली प्राथमिकता अपराध पर अंकुश लगाना होगा व थाना क्षेत्र को भयमुक्त बनाना है। साथ ही आम लोगों का सीधी संपर्क पुलिस के साथ हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, तथा पूर्व के लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करना हमारी प्राथमिकता में से एक होगी, क्षेत्र में असामाजिक तत्व के लोगों व अपराधियों पर कड़ी नजर रहेगी, जिससे हमारा चिनीया थाना क्षेत्र पूरी तरीके से भयमुक्त रहेगा । आपको बताते चलें कि इससे पूर्व चिनिया थाना मे बिरेंद्र हंसदा थाना प्रभारी थे उन्हें ट्रेनिंग पीरियड में जाने के बाद, धुरकी थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने चिनिया के नए थाना प्रभारी के रूप में अपना योगदान दिया है ।

नगर उंटारी थाना प्रभारी बने नीतीश कुमार सिंह, गिनायी प्राथमिकताएं

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर थाने में नए थाना प्रभारी के रूप में नीतीश कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्रभार ग्रहण किया। नीतीश कुमार सिंह 2018 बैच के दरोगा है। इसके पूर्व उन्होंने इसी थाने में पुलिस अवर निरीक्षक के रूप में पदस्थापित थे। शुक्रवार को प्रभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह ने कहा कि थाना क्षेत्र के सभी नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करना प्राथमिकता सूची में शामिल है, अपराध पर अंकुश लगाना और विधि व्यवस्था बनाएं रखना हमारी पहली प्राथमिकता हैं। उन्होंने थाना क्षेत्र के नागरिकों के सहयोग से अपराध व अपराध कर्मियों पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मनचलों, जुआरियों असामाजिक तत्वों पर पुलिस नकेल कसने के लिए पैनी नजर बनाई है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति कभी

भी अपनी समस्या को लेकर सीधे मुझसे मिल सकता है या दूरभाष 8825272690 पर संपर्क कर सकता है। उसकी समस्याओं का त्वरित निदान किया जायेगा।नए थाना प्रभारी ने नीतीश कुमार सिंह ने क्षेत्रवासियों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील की है। इधर थाना प्रभारी के प्रभार ग्रहण करने के बाद पुलिस प्रशासन लोगों ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। मौके पर पुअनि कुमार विक्रम सिंह, जितेंद्र भगत, विक्की कुमार,सदर तौहिद खान, पूर्व सदर तस्लीम खान, सदर कुशदण्ड शमीम अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार राम आदि मौजूद थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने किया वर्कशॉप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संविधान सप्ताह के अवसर पर व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता है। भारतीय संविधान में हमें मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने संविधान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य पर भी प्रकाश डाला। इस मौके अधिवक्ता संघ के महासचिव सुबोध कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत एक संप्रभुता संपन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्र का राज्य है। यह सीधे लोगों द्वारा चुने गए एक सरकार द्वारा शासित है। यही सरकार कानून बनाकर लोगों पर शासन करती है। इस मौके पर शैलेंद्र नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय संविधान लिखने में बी एन राव की अहम भूमिका रही है। अधिवक्ता सतीश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान 22 भागों में विभाजित है तथा इसमें 395 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचियां हैं। भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है। जो संविधान द्वारा 26 नवंबर में 1949 को पारित हुआ था। 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ । इस मौके पर पीएलबी अनुरेखा देवी ने कहा कि संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन समय लगा था। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य के साथ था मूल अधिकार भी प्रदान किया गया है। इस मौके पर मेडिएटर हुसैन वारिस, दिनेश चंद पांडेय, कुमार शिवाजी सिंह, शशि भूषण, बीना मिश्रा, हरिनंदन सिंह, रिटेनर अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय, अशोक कुमार मिश्रा, पीएलभीभागीरथी दुबे, सुचिता एका, मुनेश्वर राम, प्रणय कुमार वरेण्यम समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आयुक्त के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित लिपिक निलंबित

डीईओ ने केजी स्कूल के लिपिक को किया निलंबित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राजकीय बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर (केजी स्कूल) के लिपिक प्रीतम कुमार को निर्लोबित कर दिया गया है। आयुक्त जटा शंकर चौधरी के औचक निरीक्षण के समय बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए लिपिक प्रीतम कुमार को जिला शिक्षा पदाधिकारी ने निलंबित किया है। इससे संबंधित पत्र भी उन्होंने जारी किया है। आयुक्त के निरीक्षण के समय क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक शिव नारायण साह, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक मनोज कुमार भी थे। निरीक्षण के समय लिपिक बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए

थे। अनुपस्थित लिपिक के अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पायी थी। उनके छुट्टी से संबंधित कोई आवेदन भी प्राप्त नहीं हुए थे। इसपर आयुक्त ने अनुपस्थित लिपिक के विरूद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया था। इस संबंध में क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक के निदेश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा लिपिक से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। प्राप्त स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं रहने के फलस्वरूप उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सदर, मेदिनीनगर के कार्यालय में निर्धारित किया गया है। जानकारी हो की स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के लिए चयनित केजी स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता जांचने के लिए आयुक्त जटा शंकर चौधरी औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। औचक निरीक्षण के समय लिपिक अनुपस्थित पाए गए थे।

भाजपा नेता ने किया यामहा शो रूम का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला-छतरपुर मुख्य पथ के नागबाबा के समीप माँ वैष्णो आटोमोबाइल यामहा शो रूम सह सर्विस सेंटर खोला गया। जिसका उद्घाटन शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ट नेता बिनोद कुमार सिंह, तक्की हुसैन रिजवी, समाजसेवी सह व्यवसायी सतीश साहू, पूर्व नपं अध्यक्ष उषा देवी,राजद नेता राज अली, समाजसेवी मनोज शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर भाजपा नेता विनोद सिंह ने कहा कि इस प्रकार के संस्थान के खोले जाने से क्षेत्र के ग्राहकों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यामहा शोरूम खुलने से दुपहिया वाहन की खरीदगी व सर्विसिंग के लिए हुसैनाबाद वासियों को मेदिनीनगर समेत अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। पूर्व नपं अध्यक्ष उषा देवी ने कहा कि क्षेत्र में यह प्रतिष्ठान व्यापक रूप से दुपहिया वाहन उपभोक्ताओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। शोरूम के प्रोपराइटर नागेंद्र प्रसाद ने कहा कि हम अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा का वचन देते हैं। जिसमें नई बाइक सेल्स के अलावा हमारे प्रतिष्ठान मे अत्याधुनिक तकनीकों से लैस सर्विसिंग सेंटर व आटो पार्ट्स से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी। साथ ही उद्घाटन के मौके पर विशेष ऑफर के तहत सभी प्रकार के यामहा बाइक पर 31 सौ रुपए की छूट दी जा रही है।मौके पर अनुराग तिवारी, जितेंद्र प्रसाद,सत्यम विश्वकर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

चंदवा में वन विभाग की टीम ने अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर को किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। रेंजर के निर्देश पर रात्रि गस्ती पर निकली वन विभाग की टीम ने थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 99 रांची-चतरा पथ के समीप से गुरुवार देर रात अवैध कोयला लोड एक ट्रैक्टर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। टीम के द्वारा पकड़े गए वाहन को जब्त कर वन विभाग के कार्यालय ले आई।मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम रात्रि गस्ती पर निकली हुई थी टीम ने देखा कि एक ट्रैक्टर महुआमिलान-दामोदर सड़क से एनएच 99 की तरफ आ रही है। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर को रुकने का इशारा किया टीम को देखते ही वाहन चालक गाड़ी खड़ी कर भागने में सफल रहा कोयला कहां से लाया जा रहा था और कहा ले जाया रहा था। इसकी जांच की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब्त

ट्रैक्टर को छुड़ाने के लिए तस्कर सुबह से ही परेशान रहे।वंही वन विभाग कागजी प्रक्रिया कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई थी।बताते चलें कि इन दिनों रेलवे सिग्नल पर खड़ी कोयला लोड मालगाड़ी से कोयला उतार कर उसे संग्रहित करके ट्रैक्टर में लोड कर ईंट भट्ठे को सप्लाई करने का गोरखधंधा जोरों से चल रहा है। इधर लातेहार उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंड में अवैध खनन-भंडारण व परिवन की रोकथाम को लेकर पुलिस व वन विभाग की टीम लगातार प्रयासरत दिख रही है।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन, बोले जनप्रतिनिधि

शारीरिक विकास के लिए खेलकूद जरूरी

नवीन मेल संवाददाता

बालुमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू हाई स्कूल मैदान मे प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022 -23 का उदघाटन प्रखंड प्रमुख ममता देवी, राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा,एस सी जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, बीडियो ललिता बाखला सहित कई जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। जिसमें सभी पंचायत क्षेत्र के विद्यालय से बालक टीम के 13 और बालिका टीम के 5 कुल 18 फुटबॉल टीमो ने भाग लिया। पहली मैच बालू पंचायत बनाम भगिया पंचायत के बीच

खेला गया । मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शारीरिक मानसिक विकास के लिए बहुत ही अच्छा है। राज्य सरकार माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेल में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को भी अपना फ्यूचर बनाने का मौका दिया है। जिसके लिए प्रतिभागी अपना कला का प्रदर्शन अच्छे तरीके से करें। ताकि आने वाला दिन में राज्य स्तर से लेकर देश स्तर तक खेल अपना राज्य देश का नाम रोशन कर सकें। मौके पर जिला फुटबॉल टीम के संयुक्त सचिव प्रेम प्रसाद गुप्ता ने कहा कि अच्छे खेल प्रदर्शन करने वाली टीम को आगे जिला स्तरीय फिर राज्य स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। वही कार्यक्रम का संचालन जेएसएलपीएस प्रखंड कोर्डिनेटर आलोक कुमार ने किए। मौके पर उपरोक्त लोगों के अलावे शेरेगड़ा पंचायत की मुखिया नीलिमा तिर्की ,बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा, बालू मुखिया संध्या देवी, रजवार मुखिया उर्मिला देवी, मरंगलोइया मुखिया सोनामनी देवी,भगिया मुखिया रोहाणी देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

वृद्धा पेंशनधारियों का किया गया सोशल ऑडिट

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड के विभिन्न पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को वृद्धा पेंशनधारियों का सोशल ऑडिट किया गया। इस क्रम में मृतक लाभुकों का नाम चिन्हित किया गया। जबकि अन्य लाभुकों का ऑन द स्पॉट वेरिफिकेशन किया गया। सोशल ऑडिट बीडीओ संजीत कुमार सिंह के निर्देश पर पंचायत भवन में आयोजित की गई। सामाजिक अंकेक्षण प्रतिनियुक्ति नोडल पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। मौके पर बरिसाखी मुखिया सुमिरा कुमारी, द्वारी मुखिया जगदीश यादव, बारियातु मुखिया डेगन गंझू, पहरा मुखिया बेबी देवी, मंझगांवा मुखिया सरिता देवी, राजस्व कर्मचारी शिव कुमार मंडल आदि उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में नहीं है कंबल की व्यवस्था, ठंड में मरीजों को हो रही है परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल के कर्मियों की घोर लापरवाही के कारण अस्पताल में एक मंद बुद्धि व्यक्ति इस ठंड में बिना कंबल के सदर अस्पताल में विशुद्ध पड़ा हुआ था। जानकारी के अनुशार गुरुवार कि शाम शहर के साहित्य समाज चौक के पास एक व्यक्ति खुला बदन घूम रहा था। जिसका बाया हाथ ट्रेन की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर टाइगर मोबाइल के जवान संदेश पाल साहित्य समाज चौक पहुंचकर व्यक्ति को इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। व्यक्ति के घायल होने की सूचना पाकर गुरुवार की रात एक पत्रकार सदर अस्पताल उसकी घायल स्थिति को देखने पहुंचा। वहां पर पत्रकार ने पाया की घायल व्यक्ति खाली बदन बेड पर अपना हाथ का बैंडेज खोल कर बैठा

हुआ है, ठंड से कांप रहा है। दर्द से कराह रहा था। पत्रकार ने तुरन्त इसकी जानकारी अस्पताल कर्मियों दी। और दोबारा से घायल व्यक्ति का बैंडेज कराया और दर्द का इंजेक्शन दिलाया। पत्रकार ने अस्पताल कर्मियों से उसे जल्द से कंबल देने को कहा ताकि वह ठंड से बच सके। लेकिन अस्पताल में कंबल नहीं था। इसके बाद पत्रकार ने अस्पताल में कम्बल नहीं रहने की जानकारी डीपीएम दीपक कुमार को दी। जानकारी मिलते ही डीपीएम दीपक कुमार सदर अस्पताल के कर्मियों को डांट फटकार कर घायल व्यक्ति को कंबल देने को कहा। डीपीएम के कहने पर अस्पताल के स्टाफ ने किसी तरह दूसरे मरीज का कंबल जुगाड़ कर घायल व्यक्ति को दिलाया। वहीं उसके बाद अन्य लोगों ने भी घायल व्यक्ति को कंबल दिया। जिससे उसका रात आराम से कटा। जानकारी के अनुसार अस्पताल में कंबल नहीं होने के कारण कई मरीज बिना कंबल के ही रात गुजारते हैं। या फिर उन्हें अपने घर से कंबल लाकर शरीर को ढकना पड़ता है। अस्पताल में ऐसे भी व्यक्ति आते हैं जिनके पास कंबल और चादर नहीं होती है। वह इलाज कराने के दौरान किसी तरह इस ठंड में रात बिता रहे हैं। वहीं घायल व्यक्ति की सूचना मिलने पर वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव शर्मिला वर्मा शुक्रवार को मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचकर घायल व्यक्ति से मिले और उसके तन को ढकने के लिए एक कंबल और कपड़े दिए। इसी तरह अन्य समाजसेवियों ने भी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना पाकर घायल व्यक्ति का सहयोग किया। अंत में पता चला कि घायल व्यक्ति बिहार राज्य के डेहरी का निवासी है। जिसका नाम सतीश पाल है। ट्रेन से हाथ कटने के बाद यह बिल्कुल घबरा गया है और इसका दिमागी हालत ठीक नहीं है।

समाजसेवी ने निर्वस्त्र मरीज को कपड़ा देकर किया पुण्य का काम

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव शर्मिला वर्मा ने शुक्रवार की सुबह अस्पताल में भर्ती निर्वस्त्र मरीज को दो जोड़ी कपड़ा और एक कंबल देकर उसके तन को ढकने का काम किया है। बताते चलें कि किसी व्यक्ति द्वारा वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव शर्मिला वर्मा को सूचना मिली थी की अस्पताल में एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल है। जिसके तन पर कपड़ा तक नहीं है। इसकी सूचना पाकर वे तुरन्त सदर अस्पताल पहुंची और घायल निर्वस्त्र मरीज को दो जोड़ी कपड़ा और एक कंबल का सहयोग प्रदान किया। इनके पहले ना तो कोई समाजसेवी इस मरीज को ना तो देखने पहुंचे और ना ही उसकी हालत को जानने की कोशिश की। मौके पर उपस्थित शर्मिला वर्मा ने कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने सामाजिक दायित्वों को यूं ही समझे तो बहुत से लोगों को राहत मिलेगी और एक स्वच्छ, सुंदर समाज का निर्माण होगा।

सम्पादक की कलम से...

बिजली कटौती से उद्योग प्रभावित

झारखंड के उद्योगों की निर्भरता बिजली पर अधिक है। लेकिन राज्य में बिजली संकट थमने का नाम नहीं ले रही है। इससे राज्य के उद्योगों और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कटौती के कारण उद्योगों की स्थिति भी बदतर हो चली है। जहां डीवीसी कमांड एरिया में साल भर उद्यमी बिजली समस्या से परेशान रहते है। वहीं, अब अन्य जिलों में भी बिजली संकट गहराता जा रहा है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो जैसे औद्योगिक शहरों में छह से दस घंटे तक की बिजली कटौती हो रही है। औद्योगिक संगठनों की मानें तो हजारों उद्योग इस संकट से परेशान हैं। उद्योगों में प्रोडक्शन में कमी के कारण नुकसान का सामना भी करना पड़ रहा है। कुछ उद्योगों में जेनरेटर का इस्तेमाल बढ़ने से उत्पादन लागत दो से तीन गुणी बढ़ गयी है। तुपूदाना, नामकुम, इरबा इलाके के उद्योगों की बात करें तो उत्पादन लागत जेनरेटर के इस्तेमाल से बढ़ा है। इसके साथ ही उद्योगों को मिलनेवाले डिमांड या ऑर्डर में काफी अंतर आ गया है। बिजली की कमी के कारण लोग ऑर्डर पूरा नहीं कर पा रहे हैं। नतीजा यह है कि लोग अब झारखंड के बजाय दूसरे राज्यों से उत्पाद खरीद रहे हैं। सिर्फ रांची में ही कोकर, नामकुम, तुपुदाना, नगड़ी, ओरमांझी सहित अन्य जगहों के दो हजार से अधिक छोटे-बड़े उद्योगों में काम जारी रखना अब मुश्किल हो रहा है।

यहां आयरन स्पंज, आयरन ऑर, स्टील फर्नेस, टेक्सटाइल समेत अन्य उद्योग स्थापित है, जो पूरी तरह से बिजली पर निर्भर है। लेकिन पिछले दो महीने से जारी बिजली संकट के दौरान अब उद्योगों को चलना मुश्किल हो गया है। वहीं, कामगारों के सामने भी रोजगार की समस्या आने लगी है। कुछ उद्योग संचालकों की मानें तो बार-बार की बिजली कटौती से तकनीकी समस्या अधिक है। एक उद्योग में अचानक बिजली कट जाने से दुबारा मशीन शुरू करने में 45 मिनट से एक घंटे का समय लगता है। ऐसे में कंपनियों को नुकसान हो रहा है। वहीं, प्लास्टिक जैसे उद्योग में बार-बार ऐसा होने से कच्चा माल भी खराब हो जाता है। राज्य में फिलहाल पांच सौ मेगावाट तक बिजली की कमी है। यह कमी सेंट्रल पुल से की जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जब तक राज्य सरकार बकाया भुगतान नहीं करती है, तब तक सामान्य बिजली नहीं मिलेगी। वहीं, जेबीवीएनएल को पिछले कुछ समय से राजस्व वसूली में नुकसान हो रहा है। जिसके कारण ये स्थिति हुई है। डीवीसी की ओर से भी दस फीसदी बिजली कटौती की जा रही है। बात अगर राजधानी रांची की करें तो यहां अलग-अलग इलाकों में छह घंटे तक की बिजली कटौती की जा रही है। राजधानी रांची में प्रतिदिन लगभग 300 मेगावाट तक बिजली की जरूरत होती है। पिछले कुछ समय से राजधानी में 260 मेगावाट तक बिजली मिल रही है जिससे राजधानी में यह समस्या हो रही है। पीक ऑवर में सुबह 6 बजे से 10 बजे और शाम को 6 बजे से रात 11 बजे तक लोड शेडिंग की जा रही है।

आज का इतिहास

1996 : राजनेता एवं अभिनेता एन टी रामाराव का निधन।
1997 : 'नफीसा जोसेफ' मिस इंडिया बनीं।
2001 : लारेंट काविला की हत्या के बाद उसके पुत्र ने कांगों की सत्ता सम्भाली।
2002 : अमेरिका भारत को अत्याधुनिक हथियार देने को राजी।
2002 : पश्चिम अफ्रीकी देश सियरा लियोन में गृह युद्ध समाप्त।
2003 : हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का निधन।
1866 : 'वेसले कॉलेज' की मेलबर्न में स्थापना की गयी।
1896 : 'एक्सरे मशीन' का पहला प्रदर्शन किया गया।
1919 : 'बेंटले मोटर्स लिमिटेड' की स्थापना।
1930 : रवीन्द्रनाथ टैगोर ने साबरमती आश्रम की यात्रा की।
1945 : सोवियत संघ की सेना पोलैंड के शहर कराकोव पहुंची और जर्मनी को वहां से पीछे हटने पर मजबूर किया।
1951 : नीदरलैंड में झूठ पकड़ने वाली मशीन का पहली बार इस्तेमाल।
1952 : मिस्र में ब्रिटेन विरोधी दंगे भड़के।
1959 : महात्मा गांधी की सहयोगी मीरा बेन (मैडलिन स्लैड) ने भारत छोड़ा।
1960 : अमेरिका तथा जापान ने संयुक्त रक्षा समझौता किया।
1962 : अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1963 : फ्रांस ने यूरोपीय साझा बाजार से ब्रिटेन को अलग करने की वकालत की।
1968 : अमेरिका और तत्कालीन सोवियत रूस परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के लिए एक संधि के प्रारूप पर सहमत हुए।
1968 : तत्कालीन सोवियत रूस ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
1976 : फ्रांस ने जासूसी के आरोप में 40 सोवियत अधिकारियों को देश से निष्कासित किया।
1989 : चेकोस्लोवाकिया में लाखों लोगों ने आजादी और मानवाधिकार के समर्थन में प्रदर्शन किया।
2006 : अमेरिका में इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगायी।

अमेरिकी समाज में नस्लवाद की जड़ें

> अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाये गये। बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले। अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया।

ट्रंप की पार्टी का बड़ा हिस्सा इसी रणनीति पर चल रहा है। अगर धोखे से अमेरिका ईसाई राष्ट्र बनता है, तो यह समूची दुनिया में धर्मनिरपेक्षता के लिए मारक घटना होगी व शायद दुनिया के बहुत सारे देश, जो धर्मनिरपेक्ष हैं, उन्हें एक धर्म का राष्ट्र बनने की ओर धकेलेगी। दुनिया में शक्ति संतुलन का स्वरूप बदल जायेगा। अमेरिका का जन्म ही एक प्रकार से साम्राज्यवाद से हुआ है। ब्रिटिश नस्ल के लोगों ने वहां पहुंच कर न केवल अमेरिकी भू-भाग पर आधिपत्य जमाया, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों, जो अधिकतर आदिवासी और काले रंग के थे। कुछ अंतराल के बाद इस दास प्रथा और सत्ता के विरुद्ध वहां के मूल निवासियों ने भारी विद्रोह किया। इस गृहयुद्ध के फलस्वरूप अंततः अमेरिकी सरकार ने दास प्रथा की समाप्ति की घोषणा की। अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाये गये। बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले। अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया। कई दशक तक अमेरिका एकमात्र विश्व शक्ति बना रहा और लगभग दो दशक के बाद जब साम्यवादी रूस और चीन की सामरिक शक्ति बढ़ी, तो अमेरिका को कुछ चुनौती मिली और शीत युद्ध आरंभ हुआ। शीत युद्ध एक प्रकार से कूटनीति और रणनीति के कौशल का युद्ध था, जिसमें सीधे हथियारों का प्रयोग अमेरिका का सैन्य समूह नेटो और साम्यवादी देशों का सैन्य समूह सेंटो युद्ध नहीं करते थे, बल्कि ये दोनों पीछे से अपने प्यादे और मोहरों को लड़ाते थे। उन्हें शस्त्र, धन आदि की आपूर्ति करते थे। लगभग दो दशक तक यह स्थिति रही और रूस के बिखराव के बाद अमेरिका फिर से एक नई विश्व शक्ति के रूप में स्थापित हो गया। हालांकि बीसवीं सदी की समाप्ति और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के बाद चीन ने अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद और एकमात्र विश्व शक्ति होने के दर्जे को चुनौती दी और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के कुछ समय बाद ही वैश्विक परिदृश्य में बदलाव आया। पर दुनिया के पढ़े-लिखे और अपने आप को सभ्य समझने वाले लोगों के लिए अमेरिका रहने और सुखमय जीवन जीने के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्नीसवीं सदी में अमेरिका दुनिया के लोगों की नजरों में एक लोकतांत्रिक राज्य था, जहां संपन्नता और आजादी दोनों उपलब्ध थीं। दुनिया के कला प्रेमियों के लिए फ्रांस और सुख उपभोग खोजियों के लिए अमेरिका सबसे उपयुक्त स्थान माना जाता था। हालांकि यह अमेरिका का बाहरी चेहरा था। शक्ति और संपन्नता के शीर्षकाल में भी अमेरिका सीआइए के माध्यम से समूची दुनिया के देशों में उथल-पुथल करने के बीजारोपण का केंद्र बना रहा और गैरअमेरिकी दुनिया के देशों को कैसे अस्थिर रखना है, कहां कैसे अनुकूल सरकारें बनवाना हैं या प्रतिकूल सरकारों को गिराना है, इन सब षड्यंत्रों का केंद्र भी अमेरिका रहा। हालांकि उन्नीसवीं सदी के अंत में अमेरिका में रंगभेद मिटाने के लिए कई सुनियोजित प्रयास हुए। काले और गोरों की शादियों की लोकतांत्रिक पहल भी हुई, यहां तक कि रंग परिवर्तन या नस्ल परिवर्तन के लिए तकनीकी उपाय, दवाएं और वैज्ञानिक प्रयोग भी शुरू किये गये। पर चीन की आर्थिक संपन्नता और सामरिक शक्ति के तेजी से विकास के बाद एक नये प्रकार का राष्ट्रवाद अमेरिका में शुरू हुआ है। जो अमेरिका पहले दुनिया भर के लोगों के लिए रोजगार का केंद्र था, वह अब प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बाहरी लोगों से मुक्ति पाना चाहता है। इसका पहला चरण है, आप्रवासियों को वापस भगाना, और इसके लिए अमेरिका ने 'ग्रेट रिप्लेसमेंट स्ट्रेटजीज' पर काम करना शुरू किया है। किसी न किसी बहाने से आप्रवासियों के आने को रोका जा रहा है और जो आ चुके हैं उन्हें विभिन्न कठोर नियमों के आधार पर वापस जाने को बाध्य किया जा रहा है। अमेरिका में अवैध प्रवेश का सबसे बड़ा दरवाजा मैक्सिको का बफीर्ला इलाका था। इस इलाके पर अमेरिका ने पर्याप्त अवरोध खड़े कर दिये हैं।

■ रघु ठाकुर

फिर से क्यों आई ऐंटीबायॉटिक गाइडलाइन

आईसीएमआर यानी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने नई गाइडलाइंस जारी कर डॉक्टरों को सलाह दी है कि साधारण बुखार, खांसी में ऐंटीबायॉटिक दवाएं ना प्रिस्क्राइब करें। इन गाइडलाइंस को एएमआर गाइडलाइंस कहते हैं। यह फोर्थ ईयर के एमबीबीएस छात्रों को फामाकोलॉजी के चैप्टर में पढ़ा दी जाती है। फिर से यह गाइडलाइन क्यों बनाई क्यों गई? पहले बनी गाइडलाइन का कितना पालन हो रहा है, इन पर विचार करने की जरूरत है। आईसीएमआर अभी जो गाइडलाइन लेकर आया है, उसकी वजह यह है कि 2015 में वर्ल्ड लेवल पर एक एक्शन प्लान की बात हुई थी। 2017 में इंडिया ने अपना डेटा प्रोड्यूस किया था कि हम ऐंटीबायॉटिक्स के इस्तेमाल के लिए ऐसी गाइडलाइन और नैशनल ऐक्शन प्लान बना रहे हैं। इसके लिए 2021 तक 5 साल की अवधि मांगी गई थी। इन 5 सालों में ऐंटीबायॉटिक रेजिस्टेंस प्लान पर कितना काम हुआ है, यही बताता है कि आईसीएमआर को गाइडलाइन निकालने की जरूरत क्यों पड़ी? 2022 में उन्होंने जो गाइडलाइन निकाली है, वह चेताने के लिए निकाली है। पर किनको चेताना चाहते हैं ये? ऑर्गनाइज्ड मेडिकल हेल्थ केयर सेक्टर में डॉक्टर्स पॉलिसी के मुताबिक चलते हैं। लेकिन क्या ये डॉक्टर पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? आम तौर पर झोला छाप लोग धड़ल्ले से कोई भी ऐंटीबायॉटिक लिख रहे हैं। जिसका कोई कंट्रोल नहीं, लेखा-जोखा नहीं। सबका मिलाजुला असर यह है कि जब ऐंटीबायॉटिक कंट्रोल पॉलिसी पूरे देश में लागू नहीं है, तो आप गाइडलाइन निकाल सकते हैं दिखाने के लिए कि हो गया। आप कुछ तो कर रहे हैं, चाहे कागज पर ही सही। **समस्या की जड़ :** भारत में ऐंटीबायॉटिक्स के साथ अगर समस्या समस्या आई है तो उसकी जड़ यहां है- जब कोरोना आया था, तब उसमें एजिथ्रोमाइसिन, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन जैसी दवाओं का दुरुपयोग हुआ। बाद में कई मेडिकल रिपोर्टें आईं, जिनमें बताया गया कि इसका चलाना जरूरी नहीं था, यहां तक कि अभी भी हानिकारक है। हिंदुस्तान में पहले से ही अनगिनत ऐंटीबायॉटिक, ऐंटीफंगल दवाइयां चल रही हैं। कॉमन फ्लू में भी ऐंटीबायॉटिक दे दी जाती है। फिर हिंदुस्तान में हर इंसान अपने को डॉक्टर समझता है। वह गूगल पर पढ़ता है, दो डोज खाता है। आम तौर पर वायरल फ्लू दो दिन में खत्म हो जाता है। वह ऐंटीबायॉटिक वहीं बंद कर देता है। कल्पना करिये कि उसे वायरल फ्लू था, लेकिन साथ में कुछ बैक्टीरिया भी थे। ऐसे बैक्टीरिया दो दिन के ऐंटीबायॉटिक के बाद रेजिस्टेंट हो जायेंगे। फिर जब वे किसी और को इन्फेक्ट करेंगे, तो वहां उसी ग्रुप की ऐंटीबायॉटिक काम नहीं करेगी। दूसरी वजह है किसी को भी दवा मिल जाना। ओवर द काउंटर परचेजिंग। लोगों को बगैर डॉक्टरी नुस्खे के दवा मिल जाती है। और तीसरी वजह हैं झोला छाप डॉक्टर या कंपाउंडर। धरती पर बहुत कम ही देश ऐसे हैं, जहां इस तरह से बिना किसी पॉलिसी के ऐंटीबायॉटिक इस्तेमाल की जाती है। मगर आईसीएमआर ने गाइडलाइन निकाली है ऑर्गनाइज्ड सेक्टर के लिए, जिसके डॉक्टर आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं। **दिशा तो दें पहले :** इसी गाइडलाइन में है कि कम्यूनिटी एक्वायर्ड निमोनिया के लिए 5 दिन और अस्पताल से हुए निमोनिया के इंफेक्शन के लिए 8 दिन की ऐंटीबायॉटिक दें। कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया, मतलब ऐसे बैक्टीरिया जिनको ऐंटीबायॉटिक का एक्स्पोजर कम मिला हो। हॉस्पिटल एक्वायर्ड निमोनिया मतलब अस्पताल में रहते हुए निमोनिया हुआ।

■ डॉ. अंशुमान कुमार

क्या होगा मुनीर का भारत को लेकर रूख

डेढ़ सौ से अधिक परमाणु बमों से लैस दुनिया की छठी सबसे बड़ी सेना के प्रमुख के तौर पर जनरल सईद असीम मुनीर ने 29 नवंबर को पदभार संभाल लिया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख की अंगुली तो परमाणु बमों के बटन पर रहती ही है, नागरिक सरकार की कुंजी भी उन्हीं की जेब में होती है। इसीलिए हर तीन साल पर जब पाकिस्तान में नये सेना प्रमुख की नियुक्ति का वक्त आता है तो न केवल वहां के सामरिक हलकों में बल्कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भी अटकलों का दौर शुरू हो जाता है। हालांकि सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर ही की जाती है, लेकिन एक बार नियुक्ति हो जाने के बाद प्रधानमंत्री को ही सेना प्रमुख की दया पर निर्भर रहना पड़ता है। **सेना की छवि :** पहले के सेना प्रमुखों के नक्शेकदम पर चलते हुए जनरल कमर जावेद बाजवा ने भी ऐसी ही भूमिका निभाई। इमरान खान उन्हीं की मदद की बदौलत पीएम पद पर पहुंचे थे और जब उनसे खटपट हो गई तो लाख कोशिश करके भी पद पर बने नहीं रह सके। अपनी असलियत छुपाने के लिए जनरल बाजवा ने रिटायर होने के ठीक पहले सेना को राजनीति से दूर रहने की सलाह दी है। विडंबना यह है कि खुद पाकिस्तान के नेता ही पाक सेना के दरवाजे पर देर रात जाते हैं और अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने के लिए मदद मांगते हैं। ऐसे हालात में जो भी जनरल सेना प्रमुख बनता है, उसे देश चलाने का भी नशा हो ही जाता है। इसलिए चाहे-अनचाहे वह राजनीति में भी दखल देने लगता है। हालांकि अहसास वह राजनीति से दूर रहने का ही देता है। रिटायर होने के पहले उसे भारत से रिश्ते बेहतर करने की जरूरत भी महसूस होती है। इसी जरूरत के तहत करगिल करवाने वाले जनरल परवेज मुशर्रफ ने भारत के साथ दोस्ती की मीठी बातें कीं। जनरल बाजवा ने भी कई बार कहा कि भारत के साथ रिश्ते सामान्य करने के लिए व्यापारिक आदान-प्रदान शुरू किया जाना चाहिए। मुल्ला जनरल के नाम से विख्यात जनरल असीम मुनीर ने ऐसे वक्त सेना की कमान संभाली है, जब पाकिस्तान कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से जूझ रहा है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट में है और यदि उसे जल्द नहीं उबारा गया तो आम लोगों के बीच असंतोष काफी बढ़ सकता है, जिसका फायदा जिहादी ताकतें उठायेंगी। लेकिन क्या पाकिस्तान की नागरिक सरकार इन चुनौतियों से निपट पायेगी? अगर नहीं तो देश में हालात और खराब होंगे। हालात को काबू में करने के लिए सेना को दखल देना होगा। जनरल असीम मुनीर क्या उस स्थिति में अपने को तटस्थ रख सकेंगे? **परदे के पीछे से :** अयूब खान, जनरल याहया खान, जनरल जिया उल हक और जनरल परवेज मुशर्रफ की तरह पाकिस्तान की सत्ता हाथ में लेने वाले जनरलों के कटु अनुभवों से सबक लेते हुए आज के पाकिस्तानी जनरल पर्दे के पीछे रह कर ही सरकार चलाना बेहतर समझते हैं। जनरल मुशर्रफ के बाद जनरल परवेज कयानी और फिर जनरल बाजवा ने नेपथ्य से सरकार चलाना ही बेहतर समझा क्योंकि तब वह न केवल अंतरराष्ट्रीय निंदा का शिकार होने से बच सकते हैं बल्कि देश को कामयाब प्रशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी से भी बचे रहते हैं। जनरल कयानी के बाद जनरल बाजवा ने तीन साल का दो कार्यकाल हासिल कर ही इसीलिए संतोष किया। हालांकि जनरल बाजवा के रिटायर होने के काफी पहले से अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि वह देश के ताजा हालात के मद्देनजर मार्शल लॉ लगाने का ऐलान कर सत्ता अपने हाथ में ले सकते हैं। लेकिन जनरल बाजवा ने ऐसा नहीं किया। अपनी पसंद के जनरल को सेना प्रमुख बनवाने में जरूर सफल रहे। रोचक बात यह है कि हाल के पाक सैन्य जनरलों की रुचि अपने कार्यकाल में अकूत संपत्ति जमा करने में अधिक रहने लगी है।

■ रंजीत कुमार

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

उन्हें आज्ञा देकर कालकेतुने अपने निकट बैठी हुई अत्यन्त विवश तथा दुःखित एकावलीसे विनम्रता-पूर्वक पूछा-'हे तन्वंगि! तुम्हें लेनेके लिये सेनासहित यह कौन आ रहा है? ये तुम्हारे पिता हैं अथवा अन्य पुरुष ? हे कृशोदरि । सच-सच बताओ। यदि विरहसे व्यथित होकर तुम्हारे पिता तुम्हें लेनेके लिये आ रहे हों, तो यह जानकर कि ये तुम्हारे पिता हैं. मैं इनके साथ युद्ध नहीं करूँगा, अपितु उन्हें घर` लाकर उनकी पूजा करूँगा तथा बहुमूल्य रत्न, वस्त्र` तथा अश्व भेंट करके घरमें आये हुए उनका विधिवत् आतिथ्य करूंगा। यदि कोई अन्य व्यक्ति आया होगा ` तो मैं अपने तीक्ष्ण बाणोंसे उसे मार डालूंगा। निश्चित ही महान् कालने उसे मरनेके लिये यहाँ ला दिया है। अंतरव हे विशाल नयनोंवाली मुझ अपराजेय` कालरूप तथा अपार बलसम्पन्नके विषयमें न जानकर यह कौन मन्दमति चला आ रहा है? यह तुम मुझे बताओ' ॥ 31-36 ॥

एकावली बोली हे महाभाग। मैं यह नहीं -` जानती कि इतनी तेजीसे यह कौन आ रहा है ?` आपके बन्धनमें पड़ी हुई मैं नहीं जानती कि यह कौन है ? ये न तो मेरे पिता हैं और न मेरे भाई ही। यह` दूसरा ही कोई महान् पराक्रमी पुरुष है, यह किसलिये यहाँ आ रहा है, यह भी मैं निश्चितरूपसे नहीं जानती ॥ 37-38 ॥

दैत्य बोला- ये दूत तो कह रहे हैं कि तुम्हारी सखी यशोवती ही प्रयत्नपूर्वक उस वीरको साथमें` लेकर आयी है। हे कान्ते! कार्य सिद्ध करनेमें अत्यन्त चतुर तुम्हारी वह सखी कहाँ गयी ? कोई अन्य मेरा शत्रु भी नहीं है, जो मेरा विरोधी हो॥ 39-40 ॥

व्यासजी बोले- इसी बीच दूसरे दूत वहाँ आ गये। भयभीत उन दूतोंने महलमें बैठे कालकेतुसे तुरंत कहा- हे महाराज! आप निश्चिन्त क्यों हैं? शत्रुसेना समीप आ पहुँची है। आप एक विशाल सेनाके साथ शीघ्र ही नगरसे बाहर निकलिये।` उनकी यह बात सुनकर महान् बलशाली कालकेतु शीघ्र ही रथपर चढ़कर अपने नगरसे बाहर निकल` गया ॥ 41-43 ॥

कामिनी एकावलीके विरहसे व्याकुल प्रतापी एकवीर भी भोड़ेपर आरूढ़ होकर अचानक वहाँपर आ गया। उन दोनोंका वृत्रासुर तथा इन्द्रको भाँति युद्ध होने लगा। उस युद्धमें छोड़े गये विविध अस्त्र- शस्त्रोंसे दिशाएँ प्रकाशित हो उठीं ॥ 44-45 ॥

भीरुजनोंको भयभीत कर देनेवाले उस युद्धमें लक्ष्मीपुत्र एकवीरने दानव कालकेतुपर अपनी गदासे प्रहार किया। गदाप्रहारसे वह कालकेतु वज्रसे आहत पर्वतको भाँति प्राणहीन होकर पृथ्वीपर गिर पड़ा। तब भयभीत होकर अन्य सभी राक्षस भाग गये ॥ 46-47 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

आधुनिकता का दुष्प्रभाव

पहले शहर से लेकर गांवों में कुआं व नदी घाट पर लोग नहाने-धोने का काम किया जाता था। आधुनिक जीवन शैली ने लोगों के कमरे में बंद होकर स्नान व कपड़ा धोने को मजबूर कर दिया है। आज लगभग सभी पक्के मकानों में पानी टंकी छत पर दिखाई देती है। इससे लोगों को तो सुविधा मिली, लेकिन हर दिन लाखों लीटर पानी उस टंकी में चढ़ा दिया जाता है। इसका असर धीरे-धीरे ऐसा हुआ कि आज जल स्तर काफी नीचे चला गया है। कुंओं को शहरों में अनुपयोगी मानकर उसे ढक दिया गया है। साथ ही वहां पर दुकानें बना दी गई है। बुनियादी रूप से हम अपनी समस्याओं के खुद ही पैदा करने वाले हैं। ऐसे में हमें वापस उन्हीं दौर में लौटना होगा जब एक कुएं व चापानल से लगभग पूरा मुहल्ला स्नान कर लेता था और घर के काम के लिए एक या दो बाल्टी पानी ढोकर अपने घर ले जाया करता था। आधुनिकता के लाभ ने हमें इन सब के बारे में विचार करने का मौका ही नहीं दिया। आज हालत हैं कि लोग पानी संकट से जूझ रहे हैं। साथ ही प्राकृतिक प्रदत्त सुविधाएं कम होती जा रही हैं। पेड़-पौधों को काटकर हम कूलर व एयर कंडीशन की हवा खा रहे हैं। सच बात यह है कि गांव के पीपल की छांव में बैठकर जो शांति व सकून मिलता था वह एक कमरे में बैठकर कूलर एयरकंडीशन में नहीं मिलती है।

■ मुकेश कुमार, मेदिनीनगर।

दिल्ली एमसीडी चुनाव 2022 व पर्यावरणीय मुद्दों पर बहस

4 दिसंबर 2022 को 250 वार्डों के लिए होने जा रहे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एमसीडी चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार अभियान तेज किया चुका है। भाजपा खुद को दिल्लीवासियों का सेवक दल करार देते हुए आगे भी सेवा का अवसर मांग रही है, वहीं आम आदमी पार्टी विधान सभा चुनाव के बाद एमसीडी में भी दिल्लीवासियों का विश्वास हासिल करने में लगी हुई है। दोनों प्रमुख पार्टियों की राजनीतिक खींचतान में कांग्रेस पार्टी भी शीला दीक्षित के दिनों की दिल्ली को फिर से स्थापित करने का वायदा दिल्ली के वोटरों से करती हुई दिखाई दे रही है। चुनावी पंडितों की माने तो इस बार के चुनाव में पिछले पंद्रह साल से दिल्ली एमसीडी में सत्ता की बागडौर संभाल रही भाजपा और विपक्षी आम आदमी पार्टी के बीच जबरदस्त मुकाबला है। वहीं लगभग डेढ़ दशकों से दिल्ली की सत्ता से बाहर कांग्रस पार्टी भी पूरे दमखम से चुनाव को त्रिकोणीय बनाने के प्रयास में जुटी हुई है। इसी क्रम में भाजपा और आम आदमी पार्टी जहाँ एमसीडी चुनाव के मद्देनज? अपना लोकप्रिय थीम सांग रिलिज कर चुकी है वहीं तीनों प्रमुख दलों ने अपना चुनावी घोषणा पत्र भी जारी किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने एमसीडी चुनाव में पर्यावरणीय मुद्दों को विशेष तरजीह दिया है। सत्ताधारी भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को वचन-पत्र करार देते हुए इसमें बारह बिंदुओं को रेखांकित किया है जिसमें दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण और दिल्ली को एक संपोषित राज्य बनाना, कूड़ा से बिजली पैदा करना और दिल्ली की झुग्गी झोपड़ी, अनिधिकृत कॉलोनियों में पानी जैसे आधारभूत जरुरतों की चीजों को उपलब्ध करना प्रमुख रुप से शामिल है। दिल्ली की गद्दी में विराजमान और एमसीडी में चुनावी फतह पाने के लिए आतुर आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली को सर्वोत्तम ग्लोबल सिटी बनाने के वायदे के साथ दस गारंटी प्रस्तुत किया है जिसमें दिल्ली की स्वच्छता, कूड़े के पहाड को हटाना, पार्कों की साफ-सफाई आदि पर्यावरणीय मुद्दों को विशेष तरजीह दिया गया है। दिल्ली एमसीडी में में लंबे समय तक काबिज रही कांग्रेस पार्टी ने भी मेरी दिल्ली चमकती दिल्ली के नारों के साथ एमसीडी चुनाव में अपनी ग्यारह प्राथमिकताओं को रेखांकित किया जिसमें वायु गुवत्ता और यमुना का प्रदूषण प्रमुख मुद्दा है। प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा एमसीडी चुनाव में उठाये जा रहे पर्यावरणीय मुद्दों के संदर्भ में क्या ऐसा कहा जा सकता है कि दिल्ली सहित शहरी गवर्नेंस का प्रारुप बुजुर्वा पर्यावरणविद् के प्रतिमान से क्या सचमुच आगे निकलते हुए आम फहम, गरीब गुरबों के पर्यावरणीय मुद्दों की तरफ उन्मुख हो रहा है? प्रख्यात पर्यावरणविद् अमिता वाभिष्कर ने इस शब्दावली का प्रयोग शहरी व्यवस्था के संदर्भ में कुलीन अमीर वर्ग के अनावश्यक हस्तक्षेप और मानसिकता को प्रस्तुत करते हुए किया था। अमिता वाभिष्कर कहती हैं कि प्रकृति मूल रुप से जंगल के रुप में हैं, परंतु बुजुर्वा और अमीर दौलतिया वर्ग प्राकृतिक जंगल के संरक्षण को पर्यावरण का संरक्षण नहीं मानते, बल्कि उनकी दृष्टि में पर्यावरण व प्रकृति का संरक्षण फूलों की क्यारियों, सजावटी पौधों और हरे-भरे लॉन तक ही सीमित है। अपनी बातों को एक उदाहरण से स्पष्ट करती हुई वाभिष्कर कहती हैं कि दिल्ली मॉस्टर प्लॉन के तहत हरे लॉनों की श्रेणी में जंगल को शामिल नहीं किया गया था, उनके लिए जंगल प्रकृति नहीं है बल्कि बगीचा है। आज जबकि हमारे राजनीतिक कुलीन नेताओं के द्वारा अपने धोषणा पत्रों में दिल्ली के कूड़ा पहाड़ों, वायु प्रदूषण और यमुना नदी के प्रदूषण का बहुत मुश्तैदी से उठाया जा रहा है। ऐसे में क्या ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि दिल्ली की एमसीडी चुनाव के बहाने राजनीति का झुकाव आम फहम के पर्यावरणवादी मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमने लगा है। **तीन बड़े कूड़े पहाड़ की राजनीति :** इस बार के नगर निगम चुनाव में दोनों प्रमुख दल एक दूसरे को तीन बड़े कूड़े के मुद्दे पर घेरने में लगी हुई है।

■ डॉ. पंकज कुमार झा

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

कैमूर में शराब के नशे में धुत दो लोग गिरफ्तार, 12 लाख रुपये बरामद

भभुआ (एजेंसी)। बिहार के कैमूर जिले में मोहनिया थाना क्षेत्र से उत्पाद विभाग ने शराब के नशे में धुत दो लोगों को 12 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि समेकित चेकपोस्ट के निकट राष्ट्रीय उच्च पथ-2 पर उत्पाद विभाग की टीम ने एक कार को रोककर तलाशी ली। इस दौरान शराब के नशे में धुत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से 12 लाख रुपए बरामद किये हैं। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान पश्चिम बंगाल के पुरूलिया निवासी अंकित तिवारी और सिंटू कुमार के रूप में की गयी है। मामले की छानबीन की जा रही है।

प्रधान संघ के अध्यक्ष सहित चार लोगों पर एससी/एसटी का मुकदमा दर्ज

जौनपुर (एजेंसी)। बदलापुर ब्लॉक के लेखाकार दिनेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने शुक्रवार को राकेश तिवारी ग्रामप्रधान ग्रामपंचायत बहुर, प्रधान इनामीपुर, प्रधान लच्छीपटी सहित अन्य लोगों के खिलाफ एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। लेखाकार का आरोप है कि मंगलवार को राकेश तिवारी ग्राम प्रधान ग्रामपंचायत बहुर, प्रधान इनामीपुर, प्रधान लच्छीपटी तथा अन्य प्रधान ब्लॉक पर उपस्थित हुए। राकेश ने कम्प्यूटर ऑपरेटर से मनरेगा कार्य बन्द कराकर बाहर निकाल दिया। जातिसूचक शब्द से अपमानित किया गया। इससे शासकीय कार्य में व्यवधान पैदा हुआ। इस कृत्य से ब्लॉक में जहां अफरातफरी मच गई,वहीं अन्य कर्मचारियों में भी भय व्याप्त है। इस मामले में शुक्रवार को जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह ने बताया कि लेखाकार की तहरीर पर केस दर्जकर विवेचना क्षेत्राधिकारी को सौंपी गई है।

सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

अलीपुरद्वार (एजेंसी)। सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवती की मौत हो गई जबकि एक युवक घायल हो गया। घटना रंगाली बजाना चौराहे के मुजनाई नदी पुल पर शुक्रवार दोपहर को हुई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक युवती बाइक पर सवार होकर मदारीहाट से बीरपाड़ा की ओर जा रहे थे। तभी एक बड़े वाहन ने बाइक को मुजनाई नदी पुल पर टक्कर मार दी। हादसे में युवती की मौके पर ही मौत हो गई जबकि युवक गंभीर रूप से घाय हो गया। स्थानीय लोग दोनों को बीरपाड़ा अस्पताल ले गये। खबर लिखे जाने तक दोनों का परिचय सामने नहीं आ सका था।

मुख्यमंत्री योगी ने जेपी नड्डा को दी जन्मदिन की बधाई

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को जन्मदिन की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि कुशल संगठनकर्ता, लोकप्रिय राजनेता, असंख्य कार्यकताओं के प्रेरणास्रोत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि विनम्र एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी, ओजस्वी वक्ता, कुशल संगठनकर्ता, हम सभी कार्यकर्तागओं के प्रेरणास्रोत एवं विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

बहराइच में पिकअप, कार की टक्कर में दो लोगों की मौत

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को बहराइच-नानपारा मार्ग पर किशुनपुर चौराहे के पास शुक्रवार को पिकअप और कार में आमने सामने की भिड़ंत में फेरी व्यवसायी समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत किशुनपुर चौराहे के निकट आज बहराइच से आ रही केले से लदी पिकअप वाहन की नानपारा से बहराइच की ओर आ रही कार से आमने सामने की टक्कर हो गयी। तेज रफ्तार में होने की वजह से कार चालक से अनियंत्रित हो गई और पिकअप वाहन पर जोरदार टक्कर मारी। सूचना मिलते ही मटेरा पुलिस मौके पर पहुंची। कार सवार आरिफ (22) निवासी रिछा बरेली और नानपारा निवासी एक युवक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पिकअप चालक महादेव सहित दो लोगों को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। आरिफ के परिजनों ने बताया कि उसे घर से निकले 10 दिन हो गए थे। वह जैकेट ले जाकर बहराइच में बेचने का काम किया करता था आज बाकी बची जैकेट को लेकर वापस घर आ रहा था।

अगले साल फरवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट लखनऊ में होगा : योगी

मुरादाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अगले साल फरवरी में लखनऊ में होगा। इसमें विश्व भर के औद्योगिक इकाइयों के उद्यमी भाग लेंगे। श्री योगी ने उम्मीद जताई कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगभग एक ट्रिलियन डालर की होगी और देश की अर्थव्यवस्था जल्द ही पांच ट्रिलियन के आंकड़े को छू लेगी। उन्होंने कहा कि 37000 गरीबों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ मुरादाबाद में मिल चुका है। जबकि प्रदेश में 45 लाख से अधिक पात्रों को इसका लाभ मिला है। प्रदेश में नौ लाख ब्याज मुक्त रोजगार के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ मिला है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित करने आज मुरादाबाद पहुंचे। उन्होंने आज पीली कोठी स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और सोनकपुर ओवरब्रिज सहित 424 करोड़ की 30 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री योगी ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। हम उत्तर प्रदेश में किसी के साथ भेदभाव

नहीं करते हैं। सबका साथ, सबका विकास को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार काम कर रही है। आज महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। प्रदेश में बहू-बेटियां अब सुरक्षित हैं जबकि विरोधियों को अपराध का राज पसंद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश शीघ्र ही देश में व्यवसाय के क्षेत्र में नंबर वन होगा। उद्यमियों को सरकार सुरक्षा और सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है इसीलिए उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे सुरक्षित प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा घरेलू और वैश्विक बाजार में 25000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार अकेले मुरादाबाद से होता है। क्योंकि यहां के शिल्पी और कारीगर विश्व पटल पर छाने में समर्थ हैं। गौरतलब है कि मुरादाबाद में हैंडीक्राफ्ट (रिमाडलिंग) व्यवसाय में बढोतरी होने के बावजूद आर्टिजन की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य पांच वर्ष पहले प्रदेश में नारकीय स्थिति में था, जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो इसको गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरादाबाद में एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर से महानगर कैमरे की निगरानी में रहेगा। इससे शहर में अपराध नियंत्रण भी होगा। एक चौराहे पर अपराध करने वाला अगले चौराहे पर ढेर होगा या पुलिस के शिकंजे में होगा। श्री योगी ने कहा उद्यमियों को सरकार सुरक्षा और सुविधा देने को प्रतिबद्ध है। दंगा कराने और भड़काने वाले अपराधी और माफिया या जेल में हैं या प्रदेश छोड़कर भाग चुके हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे सुरक्षित प्रदेश बन गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजनों के माध्यम से सकारात्मक माहौल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कोरोना से सबसे बेहतर तरीके निपटने में सफल रही है। उन्होंने प्रबुद्धजनों से कहा कि आपकी भूमिका डबल इंजन सरकार के साथ ट्रिपल इंजन के रूप में है। इसका लाभ शिक्षाविदों, चिकित्साविदों को मिलकर प्रदेश की जनता को दिलाने के लिए संकल्पित हों।

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव जीतकर शाक्य रामराज की शुरुआत करेंगे : सीएम

मैनपुरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी के क्रिश्चियन स्कूल के मैदान में शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य चुनाव जीतकर रामराज्य की शुरूआत करेंगे। श्री योगी ने अपने भाषण की शुरूआत मैनपुरी की पावन धरा को नमन कर की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मैनपुरी ने सदैव नया इतिहास बनाया है। यह धरती ऋषि-मुनियों की परंपरा से जुड़ी है। भारतीय सनातन संस्कृति में हमेशा पूज्यनीय रही है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी को समाजवाद नहीं रामराज चाहिए, सैफई परिवार का समाजवाद जेपी और राम मनोहर लोहिया का समाजवाद नहीं है, सैफई परिवार में शिवपाल सिंह यादव का समाजवाद जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला अखिलेश यादव का समाजवाद अवसरवादी और रामगोपाल यादव का समाजवाद पूरे प्रदेश में अपने लोगों को नौकरी देने का समाजवाद है। श्री योगी ने कहा कि लोकसभा मैनपुरी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने हार मान ली है और समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग में शिकायतें कर चुनाव के बाद जनता के सामने हार का ठीकरा पुलिस और प्रशासन के सर पर फोड़ने की भूमिका तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा का गढ़ समझे जाने वाले आजमगढ़ को ध्वस्त करने के बाद अब मैनपुरी की बारी है। मैनपुरी में इस बार लोग भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को जिताने के लिए भारी समर्थन कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने कानून का राज स्थापित किया है। गुंडे-माफियाओं की जगह जेल में है। किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है।

भाजपा को जिताइए, रामपुर में बहेगी विकास की गंगा : योगी आदित्यनाथ

रामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार रामपुर में भाजपा को जिताइए, यहां पर विकास की गंगा बहेगी। विकास के कार्य में कोई बाधा आती है तो आप भाजपा विधायक को बताइए। अगर कोई बाधा आती है तो मुझे बताइए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव में हार के बाद सपा पहले इलेक्शन कमीशन फिर ईवीएम, प्रशासन और फिर पुलिस को दोषी ठहराती है। जिनकी आदत गलत हो चुकी होती है, उन्हें सुधरने में समय लगता है। समय सबको सुधार देता है। मुख्यमंत्री सिविल लाइन में भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारी योजनाओं में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त हुआ है। प्रदेश दंगा मुक्त और कर्फ्यू मुक्त हुआ तो प्रदेश में निवेश भी आ रहा है। छः एक्सप्रेसवे वर्तमान में बन रहे हैं। व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने का काम सरकार ने किया है। पांच लाख युवाओं को नौकरी दी गयी है। विकास व रोजगार के लिए हर व्यक्ति को अवसर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रामपुर की अपनी अलग पहचान थी। यहां की ऐतिहासिक पांडुलिपियों को चोरी कराकर नष्ट करवाने का काम किया गया। पांडुलिपियां हमारी धरोहर होती हैं। हमारी सरकार उन्हें संरक्षित करने का काम कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जिस विद्यालय में आकर ठहरते थे,उस सिटी मान्टेसरी स्कूल पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। सरकारी गेस्ट हाउस सरकारी खजाने से ही बना है, इसलिए वह किसी की बपौती नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दिलीप घोष का तंज, कहा -

पहले चाय पीने पटना-लखनऊ जाती थीं, अब कोई नहीं पूछ रहा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने शुक्रवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि पहले ममता बनर्जी विपक्षी एकजुटता के बहाने चाय पीने के लिए लखनऊ-पटना जाती थीं लेकिन अब उन्हें कोई नहीं पूछ रहा। न्यू टाउन के इको पार्क में मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे दिलीप घोष से राज्यपाल के उस बयान के बारे में सवाल पूछा गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल देश का नेतृत्व करेगा। इस पर दिलीप घोष ने कहा कि राज्यपाल चाहते हैं कि बंगाल देश का नेतृत्व करे,

लेकिन आज बंगाल में कोई नहीं है जो ऐसा कर सके। ममता बनर्जी राष्ट्रीय नेता बनना चाहती हैं लेकिन उन्हें कोई नहीं पूछ रहा। पहले पटना जाती थीं, लखनऊ जाती थीं, चाय पीती थीं, भाषण देती थीं और चली आती थीं। अब उन्हें कोई नहीं बुलाता इसीलिए चेन्नई जा रही हैं। जिनकी स्वीकृति उनके खुद के राज्य में नहीं है वे देश का नेतृत्व करेंगे? बंगाल से राष्ट्रपति बने हैं, सेना प्रमुख बने हैं, नौसेना अध्यक्ष रह चुके हैं लेकिन आज बंगाल की दुर्दशा जगजाहिर है। चोर डकैत गुंडा बदमाश राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। आमता विस्फोट मामले की एनआईए जांच संबंधी आदेश पर भाजपा नेता ने कहा कि पुलिस को केवल तृणमूल कांग्रेस की ड्यूटी बजानी है। बाकी राज्य में कहां क्या हो रहा है, रेप, मर्डर, बम ब्लास्ट से पुलिसकर्मियों को कोई मतलब ही नहीं रह गया है। जहां हत्या होती है वही लोग सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस अपना काम नहीं करके राजनीति में लिप्त रहेगी तो यही होगा। - इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी के घर के नजदीक अभिषेक बनर्जी की जनसभा को लेकर भी दिलीप घोष ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिनकी अपनी पार्टी और अपने घर में रोज मारपीट हिंसा हंगामा हो रहे हैं, वे दूसरों के घरों के सामने जा रहे हैं भाषण देने।

गिरिराज सिंह ने की जेपी नड्डा के दीर्घायु की कामना

बेगूसराय (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) शुक्रवार को 62 वर्ष के हो गए। जेपी नड्डा के जन्मदिन पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है। रात 12 बजे से भाजपा के तमाम इकाइयों के कार्यकर्ता उन्हें जन्मदिवस की बधाई दे रहे हैं। बेगूसराय के सांसद तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने विश्वास जताया है कि इनके नेतृत्व में पार्टी नित नई ऊंचाई को प्राप्त करेगी। गिरिराज सिंह ने कहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में पार्टी नई उचाईयों तक जाए, इसी शुभेच्छा के साथ ईश्वर से उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश मीडिया सेल संयोजक और बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्म दिवस की बधाई दिया है।

निर्मला सीतारमण दो दिवसीय दौरे पर आ रहीं वाराणसी, 'काशी तमिल संगमम' में लेंगी हिस्सा

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 3-4 दिसम्बर को 'काशी तमिल संगमम' में हिस्सा लेने के लिए वाराणसी के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगी। वित्त मंत्री 03 दिसम्बर को शहर में तमिल प्रभाव वाले प्रमुख स्थानों जैसे श्री विशालाक्षी मंदिर, श्री कुमारस्वामी मठ, काशी नट्टुकोट्टई नागरथर सथिराम, श्री चक्रलिंगेश्वर मठ और शिव मादाम का भ्रमण करेंगी। श्रीमती सीतारमण हनुमान घाट और दशाश्वमेध घाट सहित शहर के कुछ महत्वपूर्ण घाटों का भी भ्रमण करेंगी। वह तीन दिसंबर 2022 की शाम को काशी विश्वनाथ मंदिर में होने वाली शंभो आरती में भी शामिल होंगी। निर्मला सीतारमण 04 दिसम्बर को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय इण्डियन नॉलेज सिस्टम पर आयोजित एक सेमिनार में भाग लेंगी और विश्वविद्यालय में एक अन्य कार्यक्रम में छात्रों के साथ संवाद भी करेंगी। बाद में वित्त मंत्री बीएचयू में काशी तमिल संगमम के तहत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी। तमिलनाडु के चार लोग जिन्होंने राज्य के तेनकासी जिले के काशी विश्वनाथ मंदिर की 30 से अधिक वर्षों तक सेवा की, वे भी 3 और 4 दिसम्बर 2022 को वाराणसी में 'काशी-तमिल संगमम' में वित्त मंत्री के साथ जुड़ेंगे। देश की दो सबसे महत्वपूर्ण और ज्ञान की प्राचीन पीठों के बीच प्राचीन संबंधों को रेखांकित करने वाले और महीने भर तक चलने वाले- काशी तमिल संगमम कार्यक्रम का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का उत्सव मनाना, उसकी पुनर्पुष्टि करना और उन्हें प्रगाढ़ करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को कायम रखने के लिए काशी तमिल संगमम का उद्घाटन किया था।

बिहार में विफल शराबबंदी से राजस्व को नुकसान भरपाई कर रहे यहां के आम लोग : प्रशांत किशोर

मोतिहारी (एजेंसी)। जन सुराज पदयात्रा के 62 वें दिन छौड़ादानो प्रखंड पहुंचे प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को यहां कहा कि बिहार

छौड़ादानो में स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों से मिले प्रशांत किशोर

में शराबबंदी विफल है,और इसके नाम पर सरकार आम जनता को लूट रही है। शराबबंदी से 20 हजार करोड़ राजस्व का नुकसान हुआ है। जिसकी भरपाई बिहार की आम जनता महंगी डीजल-पेट्रोल खरीद कर कर रहे है। प्रशांत किशोर ने पदयात्रा के दौरान स्थानीय समिति के सदस्यों के अलावा स्थानीय लोगों, महिलाओं, युवाओं और पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जिले सहित छौड़ादानो के स्थानीय समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान

उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों के मुकाबले बिहार में पेट्रोल डीजल की कीमत ज्यादा वसूली जा रही है। उन्होंने कहा कि यहां के किसान धान-2040 रुपये के बजाए 1400 से 1500 रुपये में बेच रहे हैं। जिस कारण यहां के किसान अपने बच्चों को बेहतर पढ़ाई और अपने स्वास्थ्य के लिए जमीन बेच रहे हैं। उन्होंने जन सुराज पदयात्रा का उद्देश्य और आगे की रूपरेखा पर लोगों से संवाद करते हुए बताया कि पदयात्रा के माध्यम से समाज के सभी सही लोगों को एक साथ एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे है, ताकि बिहार में महज सत्ता परिवर्तन नही बल्कि व्यवस्था परिवर्तन हो सके। उन्होंने कहा कि जिस माटी, जिस राज्य से आते हैं, वहां के लोगों की दुर्दशा को उनके साथ मिलकर दूर करना हमारा संकल्प है। जन सुराज पदयात्रा में गांव-गांव पैदल चलकर आप सभी से मिल कर आपकी तकलीफों को महसूस कर रहा हूं ताकि सबके सामूहिक प्रयास से उसे दूर किया जा सके।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना, त्रिपिटक समारोह का किया शुभारंभ

गया (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया में 17वें अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक समारोह का शुभारंभ किया। श्री कोविंद आज विमान से गया अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचे। इसके बाद श्री कोविंद सड़क मार्ग से सीधे बोधगया स्थित विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर पहुंचे जहां मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने भगवान बुद्ध के दर्शन किए। उन्होंने इसके बाद पवित्र बोधिवृक्ष का भी दर्शन किया। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने बोधगया में चल रहे 17वें अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक समारोह में शामिल हुए। श्री कोविंद ने अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर महाबोधि मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंदने महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना की है। उन्होंने दस दिवसीय त्रिपिटक समारोह का शुभारंभ किया। त्रिपिटक में विश्व शांति हेतु बौद्ध श्रद्धालुओं द्वारा सुत्तपाठ किया जाएगा।

ओवैसी के उम्मीदवार ने कुढ़नी में बढ़ाई महागठबंधन की चिंता

पटना (एजेंसी)। बिहार के कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव को लेकर एक तरफ जहां महागठबंधन पूरा दमखम लगा रहा है, वहीं असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने सबकी नींद हराम कर दी है। एआईएमआईएम ने कुढ़नी में अपना दमदार उम्मीदवार गुलाम मुर्तजा अंसारी को मैदान में उतार दिया है। इससे महागठबंधन के नेताओं की चिंता बढ़ गई है। उन्हें कुढ़नी में भी गोपालगंज जैसा हश्र होने का डर सताने लगा है। महागठबंधन के नेता लगातार दौरा कर माय (एम-वाई) समीकरण को साधने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अल्पसंख्यक वोट बैंक में बिखराव का डर अंदर से हिला रहा है।अंसारी जिला पार्षद रह चुके हैं और क्षेत्र में अपने समाज के बीच उनका अच्छा-खासा प्रभाव है। जबकि महागठबंधन के उम्मीदवार

जदयू के मनोज कुशवाहा ज्यादा लोकप्रिय नेता नहीं रहे हैं। हालांकि वह 2015 के चुनाव में कुढ़नी से लड़े थे। उस चुनाव में वह भाजपा के केदार प्रसाद गुप्ता से 11 हजार से अधिक वोटों से हार गये थे।साल 2020 के चुनाव में कुढ़नी सीट से एआईएमआईएम नहीं लड़ी थी। तब राजद के अनिल सहनी ने मामूली वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। उन्होंने भाजपा के केदार प्रसाद गुप्ता को हराया था। जबकि साल 2020 में भाजपा और जदयू एक साथ गठबंधन में थी। ऐसे में कहा जा रहा है कि एआईएमआईएम महागठबंधन के वोट बैंक में सेंध लगाएगी। हाल ही में गोपालगंज में हुए उप चुनाव में एआईएमआईएम के उम्मीदवार अब्दुल सलाम को 12,214 वोट मिले थे, जिसने महागठबंधन का खेल बिगाड़ दिया था और उसके उम्मीदवार 1700 वोटों से हार गये थे। ऐसे में माना जा रहा है कि आईएमआईएम के उम्मीदवार होने से अल्पसंख्यक वोटों का बिखराव होना ही है। जाहिर है इसका फायदा भाजपा को होगा। इससे आशंकित महागठबंधन के नेताओं ने यहां अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बुधवार को वंहा अपने दल बल के साथ चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को यहां चुनावी सभा को संबोधित करने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि जदयू की नजर जहां राजद के वोट बैंक मुस्लिम, यादव सहित पिछड़ों और वाम कैडरों पर है, वहीं भाजपा सवर्ण और अति पिछड़ों तथा वैश्य वोटरों के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने की जुगाड़ में है।उधर यह भी कहा जा रहा है कि वीआईपी उम्मीदवार नीलाभ कुमार सहनी और निषादों के अलावा अपने प्रभाव से सवर्ण मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। लेकिन कुढ़नी में अल्पसंख्यक वोट बैंक में बिखराव ना हो इसे लेकर राजद और जदयू दोनों मेहनत कर रहे हैं और लोगों को एआईएमआईएम को भाजपा का बी टीम बताकर निशाना साधने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने बुधवार को कुढ़नी के तुर्की में जनसभा करते हुए बताया कि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।यदि लोगों को लगता है कि दोनों अलग हैं तो ऐसा नहीं है।

तेजस्वी ने कहा कि एआईएमआईएम की पार्टी आखिर अपने गढ़ हैदराबाद में होने वाले उपचुनाव में क्यों नहीं लड़ रही है? ओवैसी की पार्टी हैदराबाद के साथ तेलांगना और आंध्र कहीं भी उपचुनाव में नहीं लड़ रही फिर बिहार में हो रहे उपचुनाव में क्यों लड़ रही है? यह समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओवैसी के साथ मिलकर अल्पसंख्यक वोट के बिखराव की राजनीति कर रही है ताकि, गठबंधन को नुकसान हो। लोगों को एआईएमआईएम को सबक सिखाना चाहिए।

सीएम नीतीश के पिछड़ा विरोधी रवैये के कारण टल सकता है नगर निकाय चुनाव : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने भले ही एक बार फिर नगर निकाय चुनाव की घोषणा कर दी हो, लेकिन इसको लेकर संशय की स्थिति बरकरार है। क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ऐसे में तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं और एक बार फिर इसके अधर में लटकने की संभावना जतायी जा रही है। विपक्षी भाजपा की ओर से चुनाव फिर से टलने का खतरा बताया जा रहा है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे राज्य सभा सदस्य सुशील कुमार मोदी का कहना है कि नीतीश कुमार के अति पिछड़ा विरोधी रवैया के कारण निकाय चुनाव टल सकता है। उन्होंने आशंका जतायी है कि सुप्रीम कोर्ट का जो ऑर्डर आया है उसमें टाइपो एरर है। जिससे आगे चल कर बिहार सरकार को फजीहत झेलनी पड़ सकती है। सुशील मोदी ने कहा है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर बिहार सरकार ने जल्दीबाजी दिखाई है। उन्होंने आशंका जताई है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में टाइपोग्राफिकल मिस्टेक है। इसमें एक्सट्रीमली बैकवर्ड की जगह इकोनॉमिकली बैकवर्ड टाइप हो गया है। उन्होंने पूछा है कि क्या बिहार में कोई इकोनॉमिकली बैकवर्ड कमीशन है? तो फिर कोर्ट ने किस कमीशन पर रोक लगायी? इससे बिहार सरकार की फिर फजीहत होने वाली है। मोदी ने चुनाव लड़ने वालों को भी सुझाव दिया है कि अभी वे पैसे खर्च न करें, क्योंकि एक सप्ताह के अंदर कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार सुप्रीम कोर्ट के 28 नवंबर को दिए गए आदेश की अवमानना कर रही है। जल्दबाजी में नगर निकाय चुनाव करवा रही है। सरकार फिर से पुराने आरक्षण के आधार पर ही चुनाव करवा रही है। सरकार को नई रिपोर्ट के आधार पर चुनाव कराने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि नए लोगों के चुनाव में भाग लेने पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार अपनी जिद के कारण पिछड़ों को अपमानित कर रहे हैं। गौरतलब है कि राज्य चुनाव आयोग ने नगर निकाय चुनाव की नई तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य में दो चरणों में निकाय का चुनाव करवाया जाएगा। 18 दिसंबर को पहले चरण का मतदान होगा और इसके दो दिन बाद 20 दिसंबर को मतगणना होगी। इसके बाद दूसरे चरण के लिए 28 दिसंबर को वोटिंग होगी, जबकि मतगणना 30 दिसंबर को होगी। राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य में पहले नगर निकाय चुनाव 10 और 20 अक्टूबर को होने थे, लेकिन आरक्षण को लेकर इन चुनावों पर पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।

न्यूज गैलरी

फीफा वर्ल्ड कप 2022 से टीम के बाहर होने पर बेल्जियम के कोच ने दिया इस्तीफा

ब्रसेल्स (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 से ग्रुप स्टेज से बेल्जियम के बाहर होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें बेल्जियम के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे के साथ उन्होंने कहा कि 'उनके इस फैसले का संबंध टीम के वर्ल्ड कप से बाहर होने से नहीं है। अगर बेल्जियम वर्ल्ड कप जीत भी जाती तो भी वह कोच पद से हट जाते'। बता दें कि क्रोएशिया के खिलाफ बेल्जियम का मुकाबला ड्रॉ रहा और वह वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। ऐसे में क्रोएशिया के खिलाफ मैच के बाद 49 वर्षीय रोबर्टो ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम के लिए यह मेरा आखिरी मैच था। मैं अब यहां आगे सेवा नहीं दे सकूंगा। चाहे हम वर्ल्ड चैंपियन बन जाते या ग्रुप स्टेज से बाहर हो गए, मेरा फैसला यही होता। ग्रुप स्टेज से बाहर होने का इससे कोई संबंध नहीं है।' रोबर्टो आगे कहते है कि 'साल 2018 से ही मेरे पास कई विकल्प थे। मुझे कई फुटबॉल क्लब से ऑफर आए लेकिन मैंने बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम से जुड़ा रहा। अब मेरा कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो रहा है।'रोबर्टो साल 2016 में बेल्जियम के कोच के पद पर नियुक्ति हुए थे। इससे पहले पिछले साल यूरो कप में भी बेल्जियम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। हालांकि इस बार टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया।

22 वर्षीय फुटबॉलर की ट्रेनिंग के दौरान मौत

अर्जेंटीना (एजेंसी)। कोलम्बियाई मिडफील्डर एंड्रेस बलंता का मंगलवार को अर्जेंटीना के फर्स्ट डिवीजन क्लब एटलेटिको टुकुमन की तरफ से चल रहे प्रशिक्षण सत्र के दौरान गिरने के बाद निधन हो गया। अचानक जमीन पर गिरने के बाद 22 वर्षीय बलंता का मेडिकल टीम द्वारा तत्काल इलाज किया गया जिन्होंने उसे बचाने की कोशिश की। हालांकि यह कोशिश सफल ना हो सकी। सेंट्रो डी सालुद अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह क्लब का दूसरा प्री-सीजन प्रशिक्षण था। डिफेंसिव मिडफील्डर जुलाई 2021 में डेपोर्टिवो कैली से एटलेटिको में शामिल हुआ थे और 2019 अंडर-20 विश्व कप में कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम के लिए खेले थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में बलंता को भी इसी तरह की समस्या हुई थी जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह तब प्रशिक्षण में गिर गया था और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। कम ग्लूकोज के कारण उन्हें मेटाबॉलिक-टाइप सिंकोप (मामूली बेहोशी) का सामना करना पड़ा था, हालांकि उस समय एमआरआई और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम ने कुछ भी असामान्य नहीं दिखाया था।

राशिद खान और पोलार्ड संभालेंगे एमआई टीम की विदेशी लीग्स में कमान

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंजाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) अब विदेशी लीग्स में भी अपना विस्तार कर रही है। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी अब यूएई और साउथ-अफ्रीका में शुरू होने वाली लीग्स में हिस्सा लेने जा रही है। एमआई ने यूएई लीग में एमआई अमीरात और साउथ-अफ्रीका में एमआई केपटाउन टीम के नाम से इन दोनों लीग्स में हिस्सा लेने जा रही। एमआई ने अब इन दोनों टीमों के कप्तानों की घोषणा भी कर दी है। फ्रेंचाइजी ने यूएई लीग (आईएलटी-20) में एमआई अमीरात टीम की कमान वेस्टइंडिज दिग्गज आलराउंडर किरोन पोलार्ड को सौंपी है, जबकि साउथ-अफ्रीका की लीग (एसएटी-20) में एमआई केपटाउन की कमान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान को सौंपी है। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी मालिक आकाश अंबानी ने कहा कि हमारे दोनों कप्तानों में प्रतिभा, अनुभव और जुनून का अद्भुत मिश्रण है। मुझे विश्वास है कि पोलार्ड और राशिद क्रिकेट के एमआई ब्रांड को आगे बढ़ाएंगे।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ड्वेन ब्रावो ने लिया संन्यास

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-2023 के लिए ड्वेन ब्रावो को गेंदबाजी कोच बनाया है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली फ्रेंचाइजी ने उन्हें आईपीएल 2023 से पहले होने वाले मिनी ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया था। इसके बाद दाएं हाथे के ऑलराउंडर ने नीलामी के लिए अपना नाम नहीं दिया था। अब उन्होंने आईपीएल से संन्यास ले लिया है और वह नयी भूमिका में दिखाई देंगे। ड्वेन ब्रावो से पहले उनके साथी क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड ने रिलीज होने के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था और आईपीएल 2023 के लिए मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच बन गए थे। चेन्नई सुपरकिंग्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नए गेंदबाजी कोच बनाने की घोषणा की। इस दौरान यह भी बताया कि लक्ष्मीपति बालाजी को एक साल के लिए ब्रेक दिया गया है। ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल से संन्यास और चेन्नई सुपर किंग्स में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कहा कि मैं इस नए सफर का इंतजार कर रहा हूं। यह ऐसा काम है जिसे मैं संन्यास के बाद करना चाहता हूं। मुझे गेंदबाजों के साथ काम करने में मजा आता है और मैं इस भूमिका को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ी से कोच बनने के बाद मुझे नहीं लगता कि मुझे ज्यादा एडजस्ट करने की जरूरत है, जब मैं खेल रहा होता हूं, तो मैं हमेशा गेंदबाजों के साथ काम करता हूं और बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने के लिए योजना बनाने की कोशिश करता हूं। ब्रावो ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बनूंगा। मैं आईपीएल का हिस्सा बनकर खुश हूं! ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग के 161 मैचों में 183 विकेट लिए हैं और लगभग 130 के स्ट्राइक रेट से 1560 रन भी बनाए हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। 2011, 2018 और 2021 में सीएसके की आईपीएल खिताबी जीत और 2014 में चैंपियंस लीग टी-20 जीत में हिस्सा रहे। ड्वेन ब्रावो दो आईपीएल सीजन (2013 और 2015) में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी थे। ड्वेन ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 144 मैच खेले में 168 विकेट लिए हैं और 1556 रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा ने एयरपोर्ट पर पूछा मजेदार सवाल, जवाब सुन निकल गयी हंसी

ढाका (एजेंसी)। टीम इंडिया तीन मैचों की वनडे और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए ढाका पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और अन्य सभी खिलाड़ी जो न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे, पहले से ही ढाका में हैं। इस बीच, न्यूजीलैंड दौरे से शिखर धवन, वाशिंगटन सुंदर और अन्य लोग ढाका में भारतीय टीम में शामिल हुए। भारत बनाम बांग्लादेश वनडे सीरीज का पहला मैच रविवार (4 दिसम्बर) को ढाका में खेला जायेगा।

बांग्लादेश के लिए रवाना होने से पर एयरपोर्ट से कप्तान रोहित शर्मा का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रोहित शर्मा एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। इस दौरान बहुत सारे पैपराजी उनकी तस्वीरें क्लिक करते हैं और इसके साथ ही उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए शुभकामना भी देते हैं। ऐसे में रोहित शर्मा पैपराजी से पूछते हैं कि वह इतनी सारी तस्वीरों का क्या करते हैं। इस पर पैपराजी जवाब देते हैं कि यह उनकी ड्यूटी है। पैपराजी की बात सुनकर रोहित शर्मा हंसने लगते हैं। इस वायरल वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं और इस पर अपने कमेंट भी कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम को बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। भारत के बांग्लादेश दौरे पर वनडे सीरीज पहले खेली जायेगी, फिर टेस्ट सीरीज होगी। तीन वनडे मुकाबले चार, सात और 10 दिसम्बर को होने हैं। 14 दिसम्बर और 22 दिसम्बर को दो टेस्ट आधिकारिक रूप से शुरू होंगे। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज दोनों में टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा कर रहे हैं। भारतीय टीम में हर बड़ा भारतीय खिलाड़ी शामिल है। वहीं, तमीम इकबाल बांग्लादेश के कप्तान हैं। घरेलू टीम ने अभी तक अपनी टेस्ट टीम का चयन नहीं किया है। वनडे और टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में भारत ने आखिरी बार न्यूजीलैंड का सामना किया था। पिछली बार बांग्लादेश ने 2022 में आईसीसी टी-20 विश्व कप खेला था, जहां वे सुपर 12 राउंड में हार गये थे और प्लेऑफ में आगे नहीं बढ़ पाये थे।

टीमें इस प्रकार है :-

भारत टेस्ट टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रीकर भरत, कुलदीप यादव, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव।

भारत वनडे टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शाहबाज अहमद, केएल राहुल, ऋषभ पंत, इशान किशन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और कुलदीप सेन।

वनडे व टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश पहुंची टीम इंडिया

ढाका (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच चार दिसम्बर से वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके लिए रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया बांग्लादेश पहुंच गयी है। रोहित के साथ-साथ विराट कोहली और बाकी खिलाडियों का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। कोहली और रोहित को छोटे बच्चों ने गुलदस्ते देकर स्वागत किया। टीम इंडिया की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए गए हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। यहां टीम इंडिया तीन वनडे और दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड दौरे में भारत को छह मैच खेलने थे, लेकिन बारिश की वजह से सिर्फ तीन मैच का ही नतीजा निकल पाया। एक टी-20 और दो वनडे मैच बारिश की वजह से रद्द हो गए। वहीं, एक टी-20 मैच बारिश की वजह से टाई हो गया। हालांकि, बांग्लादेश के दौरे पर बारिश की संभावना कम है और सभी मैच पूरे होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या टी-20 टीम के कप्तान थे। वहीं, शिखर धवन को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया था। रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल को इस दौरे पर आराम दिया गया था। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज में सभी सीनियर खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। रोहित और विराट कोहली जैसे दिग्गज भी इस सीरीज में खेलते दिखेंगे। इस दौरान विराट कोहली अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर का 72वां शतक भी लगा सकते हैं। विराट कोहली ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवम्बर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। इसके बाद उनका एकमात्र शतक टी-20 फॉर्मेट में आया है। अब कोहली पुरानी लय में लौट चुके हैं और लगातार मैच जिताऊ पारियां खेल रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जी रही है कि कोहली अपने टेस्ट शतक का सूखा बांग्लादेश में खत्म कर सकते हैं।

- पिछली बार टीम इंडिया को मिली थी शर्मनाक हार, कल खेला जायेगा पहला वनडे मुकाबला

बांग्लादेश के खिलाफ भारत का रहा है शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया द्विपक्षीय सीरीज के अलावा अन्य टूर्नामेंट में भी बांग्लादेश के खिलाफ उसके घर में खेली है। अब तक हुए 22 वनडे मैचों में भारतीय टीम 17 जीती है और चार हारी है। एक में नतीजा नहीं निकला है। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक 36 मैच हुए हैं। इनमें भारत 30 जीता है और पांच में उसे हार मिली है। एक में नतीजा नहीं निकला।

अकरम ने 1996 विश्व कप की घटना का किया खुलासा, कहा -

हमने प्रेस को नहीं बताया, ताकि इंडिया को कॉन्फिडेंस ना मिले

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वसीम अकरम की गिनती दुनिया के सबसे महानतम क्रिकेटर्स में होती है। इसी बीच 1996 विश्व कप को लेकर अकरम ने बड़ा खुलासा किया है। अकरम ने बताया कि कैसे जब वे 1996 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाये थे, जिसकी वजह से आज तक आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। अब अकरम ने एक और खुलासा किया है। बता दें कि अकरम उस मैच से बाहर हो गये थे और वे पाकिस्तानी टीम के कप्तान भी थे। ऐसे में टीम को काफी निराशा हुई थी। अब उस घटना के 26 साल बाद अकरम ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे पाकिस्तानी टीम ने उनके मैच से बाहर होने की खबर प्रेस तक नहीं पहुंचने दी। बता दें पिछले महीने टी-20 विश्व कप के दौरान एक कार्यक्रम में वसीम अकरम से एक फैन ने पूछा कि आप उस महत्वपूर्ण मुकाबले में क्यों नहीं खेले थे? तब अकरम ने बताया था कि क्यों वे उस मुकाबले में नहीं खेले थे। अब एक बार फिर अकरम ने बताया है कि दरअसल मैं न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में एक छक्का लगाने की कोशिश में चोटिल हो गया था। मैंने 34 रन बनाये, लेकिन मेरी मसल पूल हो गयी और इस बात को हमने प्रेस को नहीं बताया कि इंडिया को कॉन्फिडेंस ना मिले कि इनका मेन प्लेयर नहीं खेल रहा है। ईएसपीएन क्रिकइंफो के साथ हुई बातचीत के दौरान अकरम ने इस पूरी कॉन्ट्रोवर्सी के बारे में बताया वे किस तरह से बाहर हो गये थे और कैसे उन्हें अब तक उसके लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मैंने हमेशा पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेला है, लेकिन अब तक लोगों की आलोचनाओं का सामना कर रहा हूं। मैं पूछता हूं बाकी के 11 प्लेयर क्या कर रहे थे वहां। ऐसा कहकर अकरम ने अपनी बात रखी।

सऊदी अरब-मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप से बाहर

अर्जेंटीना ने पोलैंड को 2-0 से हराया, दोनों टीमें अंतिम-16 में पहुंचीं

दोहा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप सी से अर्जेंटीना और पोलैंड की टीम अंतिम-16 में पहुंच चुकी हैं। अर्जेंटीना ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में पोलैंड को 2-0 से हराया और अपने ग्रुप की अंक तालिका में टॉप पर रहकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, पोलैंड की टीम को इस विश्व कप में पहली हार मिली। इस हार के बावजूद पोलैंड की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही और अंतिम 16 में पहुंच गई।

इस ग्रुप से सऊदी अरब और मैक्सिको की टीम का सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया। अर्जेंटीना और पोलैंड के मैच में मैक एलिस्टर और जूलियन अल्वारेज ने एक-एक गोल दागा। इस मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। अर्जेंटीना ने ग्रुप-स्टेज में दो जीत और एक हार के साथ कुल छह अंक हासिल किए और अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। वहीं, पोलैंड और मैक्सिको के पास चार-चार अंक थे, लेकिन पोलैंड का गोल डिफरेंस बेहतर था और यह टीम अगले दौर में पहुंची। अर्जेंटीना ने इस मैच में आक्रामक शुरूआत की। मैच का पहला कार्नर भी हासिल किया, लेकिन पोलैंड की टीम ने इस पर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद मेसी ने शुरूआती 10 मिनट में गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन गोलकीपर ने दो बार बेहतरीन बचाव कर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद भी अर्जेंटीना की टीम लगातार आक्रामक तरीके से खेलती रही, लेकिन गोल नहीं कर सकी। मैच के 35वें मिनट में मेसी ने जूलियन अल्वारेज के क्रॉस पर हेडर के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से बाहर चली गई। बाद में पाया गया कि इस दौरान मेसी का शरीर विपक्षी खिलाड़ी के संपर्क में था और अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली। हालांकि, पेनल्टी पर भी गोल नहीं कर सके। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं, लेकिन अर्जेंटीना ने काफी आक्रामक खेल दिखाया और पोलैंड ने बेहतरीन बचाव किया।

मैक्सिको को जीत के बाद भी होना पड़ा बाहर

मैक्सिको की टीम ने सऊदी अरब के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीता, लेकिन इसके बावजूद यह टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकी। अपने आखिरी मैच में मैक्सिको ने सऊदी अरब को 2-1 के अंतर से हराया। अगर यह अंतर 2-0 होता तो मैक्सिको की टीम अगले दौर में होती, लेकिन सऊदी अरब ने गोल कर मैक्सिको को भी विश्व कप से बाहर कर दिया। इस मैच का पहला गोल हेनरी मार्टिन ने किया। उन्होंने मैच के 47वें मिनट में मैक्सिको को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 52वें मिनट में लुईस चावेज ने गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। सऊदी अरब के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में आया। सलेम अल्डावसारी ने गोल कर अपनी टीम की हार का अंतर कम किया और उनके गोल की वजह से ही मैक्सिको की टीम विश्व कप से बाहर हो गई।

शर्मनाक रिकॉर्ड : डेब्यू मैच में महमूद की जमकर कुटाई

पाकिस्तान के लिए महमूद ने डाला सबसे महंगा टेस्ट ओवर

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत रावलपिंडी में हो गई है। गुरुवार को टेस्ट मैच के पहले ही दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने विस्फोटक खेल दिखाया।

उन्होंने पाकिस्तान के गेंदबाजों की कुटाई करते हुए 500 से ज्यादा रन बना दिए। पहली बार ऐसा हुआ, जब टेस्ट के पहले दिन 500+ रन बने। दूसरे दिन भी इंग्लिश बल्लेबाजों ने वैसी ही बल्लेबाजी की। हालांकि, उनके विकेट गिरे लेकिन बल्लेबाज रुके नहीं। पाकिस्तान के लिए 34 साल के लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने इस मैच में डेब्यू किया है। उनकी जमकर कुटाई हुई। इंग्लैंड की पारी के 83वें ओवर में तो महमूद के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। इस ओवर में इंग्लिश बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने 27 रन जड़ दिए। यह टेस्ट इतिहास में किसी भी पाक गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर है। इससे पहले यूनिस खान और दानिश कनेरिया ने एक ओवर में 26-26 रन खर्च किये थे।

- इंग्लिश बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने की छक्के-चौकों की बरसात
- इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाये 657 रन

हैरी ब्रूक ने मारे एक ओवर में दो छक्के और तीन चौके

83वें ओवर की पहली गेंद पर हैरी ब्रूक ने स्विच हिट से छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने स्विप लगाकर चार रन बटोरे। तीसरी गेंद पर स्विच हिट और चौथी पर पुल से हैरी ने चौके लगाए। 5वीं गेंद पर हैरी ब्रूक ने सामने की तरफ छक्का लगाया। ओवर की आखिरी गेंद बल्लेबाज के बल्ले पर ठीक से नहीं आई। किनारे पर लगने के बाद यह विकेटकीपर के ऊपर से थर्ड मैन की तरफ गई। इस दौरान बल्लेबाज 3 रन भाग गए। इस तरह ओवर में 27 रन बने। यह इंग्लैंड के लिए किसी भी बल्लेबाज का एक ओवर में सबसे ज्यादा रन है। ब्रूक ने एक ही दिन में अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले दिन उन्होंने 24 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाया था।

153 रन बनाकर हुए ओवर : हैरी ब्रूक 116 गेंदों पर 153 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद आउट हुए। उनकी पारी में 19 चौके और 5 छक्के शामिल थे। मैच के पहले दिन ब्रूक ने एक ओवर की सभी गेंदों पर चौके लगाए थे। इंग्लैंड ने पहली पारी में 657 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है।

न्यूज गैलरी

डिजिटल रुपये का कैट ने किया स्वागत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश में डिजिटल रुपये का चलन शुरू किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि वह व्यापारियों के बीच डिजिटल रुपये को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगा। रिजर्व बैंक ने पहले घोषित योजना के अनुसार गुरुवार से चुनिंदा शहरों में सीमित संख्या में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और ग्राहकों के बीच डिजिट-रुपये के माध्यम से लेन-देन का परीक्षण शुरू कराया है। कैट ने कहा है, खुदरा स्तर पर डिजिटल मुद्रा शुरू करने का भारतीय रिजर्व बैंक का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है और कैट जल्द ही व्यापार में भुगतान के तरीके के रूप में डिजिटल रुपये को अपनाने और स्वीकार करने के लिए देश भर के व्यापारिक समुदाय के बीच जागरुकता अभियान शुरू करेगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, डिजिटल रुपया भारत में व्यापार और वाणिज्य में भुगतान परिदृश्य को बदल देगा। हमारे देश में खुदरा बाजार का सटीक आकार रिकॉर्ड किए गए लेन-देन से प्रमाणित होगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को जमीनी स्तर से बढ़ावा देगा। कैट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी है लेकिन खुदरा स्तर पर नकद मुद्रा के उपयोग के कारण व्यापार नकद करेंसी का एक बड़ा हिस्सा है जो बेहिसाब रह जाता है।

जेएसपी ने स्टील उत्पादन के खास उपकरणों को नाइजीरिया को किया निर्यात

रायपुर । जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) के मशीनरी डिवीजन ने नाइजरिया की एक प्रतिष्ठित कपनी के डीआरआई प्लांट को पहली बार एयर इंजेक्शन ट्यूब का निर्यात कर मेक इन इंडिया मिशन में एक नया अध्याय जोड़ा है। जेएसपी द्वारा जिन उपकरणों का निर्यात किया गया है, उनमें 18 एयर ट्यूब, 2 फीड ट्यूब और 1 कोल बर्नर पाइप शामिल हैं। मात्र दो महीने में इनका निर्माण कर मशीनरी डिवीजन ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। गौरतलब है कि लोहा-इस्पात उत्पादन की दृष्टि से देश में इन उत्पादों की भारी मांग है। मशीनरी डिवीजन के बिजनेस यूनिट हेड नीलेश टी. शाह ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि एयर इंजेक्शन एवं रेडियेंट ट्यूब के उत्पादन में जेएसपी की विशेषज्ञता है। इन उपकरणों की घरेलू बाजार में काफी मांग है।पहली बार नाइजीरिया की एक अग्रणी लोहा-इस्पात कंपनी के डीआरआई प्लांट के लिए इन उपकरणों का निर्यात किया है। एयर इंजेक्शन ट्यूब डीआरआई किल्न के अंदर उच्च तापमान पर हवा प्रवेश कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जबकि डीआरआई किल्न में ही चार्ज मिश्रण डालने के लिए फीड ट्यूब का उपयोग किया जाता है। यह घर्षण और तापरोधी है। कोयला बर्नर पाइप डीआरआई किल्न आउटलेट में हवा प्रवेश कराने के काम आती है, जो तापरोधी भी है।

विवाद के बीच एलन मस्क और टिम कुक मिले, कहा- गलतफहमी का समाधान हो गया

नई दिल्ली। एपल से विवाद के बीच ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने आईफोन बनाने वाली कंपनी के उएड टिम कुक से मुलाकात की। मस्क ने इस मीटिंग के बारे में जानकारी देते हुए एपल हेडक्वार्टर का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने विवाद को सुलझा लेने का दावा किया। मस्क ने कहा, ट्विटर को ऐप स्टोर से संभावित रूप से हटाए जाने की उनकी 'गलतफहमी' का समाधान हो गया है। मस्क के मुताबिक, एपल ने कभी भी ऐप को अपने स्टोर से हटाने के बारे में नहीं सोचा था। हालांकि, अभी यह सामने नहीं आया है कि उन दोनों में और क्या बातचीत हुई। दो दिन पहले एलन मस्क ने दावा किया था कि एपल ने ट्विटर ऐप को क्कर ऐप स्टोर से हटाने की धमकी दी है। मस्क ने एक ट्वीट में ये भी दावा किया था कि एपल ने प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर विज्ञापन बंद कर दिए है। मस्क ने लिखा था, 'एपल ने ट्विटर पर ज्यादातर विज्ञापन बंद कर दिए है। क्या वे अमेरिका में फ्री स्पीच से नफरत करते हैं? एक अन्य ट्वीट में मस्क ने टिम कुक से पूछा था, 'यहां क्या चल रहा है, इसके अलावा उन्होंने एक पोल में पूछा था कि क्या एपल को उन सभी सेंसरशिप एक्शन को पब्लिश करना चाहिए जो उसके ग्राहकों को प्रभावित करते हैं।

बदल जायेगी एशिया की सबसे बड़ी बस्ती धारावी अडानी ग्रुप ने रिडेवलपमेंट के लिए जीती बोली

नवीन मेल संवाददाता

मुंबई। मुंबई में मौजूद एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी को अडानी ग्रुप रिडेवलप करेगा। अडानी ग्रुप ने सबसे ज्यादा 5,069 करोड़ रुपए की बोली लगाकर इस प्रोजेक्ट को हासिल किया है। बोली लगाने में दूसरे नंबर पर उछऋ ग्रुप रहा जिसने 2,025 करोड़ रुपए की बोली लगाई, जबकि नमन ग्रुप की बोली रद्द कर दी गई। इस टेंडर में 8 ग्लोबल कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन असल में सिर्फ तीन कंपनियों ने टेंडर जमा किए। धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट लगभग दो दशकों से अटका हुआ है। धारावी को दुनिया की बड़ी बस्तियों में से एक माना जाता है। ये मुंबई में ऐसी जगह पर है जो रियल एस्टेट के सोने की तरह है। ये मुंबई के मध्य में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के करीब है। बांद्रा-कुर्ला को भारत का रिचेस्ट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट माना जाता है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की पेचीदा जटिलताओं के बीच, इसके रिडेवलपमेंट में बड़े पैमाने पर धन का निवेश होगा। धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट 20 हजार करोड़ का है। सरकार का लक्ष्य अगले 17 साल में प्रोजेक्ट पूरा करना और सात साल में पूर्ण पुनर्वास करना है। प्रोजेक्ट के तहत, जो लोग 1 जनवरी 2000 से पहले से धारावी में रह रहे हैं उन्हें फ्री में पक्का मकान दिया जाएगा। जबकि, जो लोग 2000 से 2011 के बीच आकर यहां बसे हैं, उन्हें इसके लिए कीमत चुकानी होगी। फिल्म के रिलीज होने के बाद इस क्षेत्र को लोकप्रियता मिली। फिल्म ने कई अवॉर्ड भी जीते। इसके बाद फिल्म गली बॉय में ये देखने को मिली थी।

1882 में अंग्रेजों ने बसाया था

इस इलाके को 1882 में अंग्रेजों ने बसाया था। मजदूरों को किफायती ठिकाना देने के मकसद से इसे बसाया गया था। धीरे-धीरे यहां लोग बढ़ने लगे और झुग्गी-बस्तियां बन गईं। यहां की जमीन सरकारी है, लेकिन लोगों ने झुग्गी-बस्ती बना ली है। 2.8 वर्ग किमी में फैली झुग्गी बस्ती में चमड़े की चीजें और मिट्टी के सजावटी बर्तन तैयार किए जाते हैं। यहां तैयार सामानों को देश-विदेशों में बेचा जाता है। इससे एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है। राज्य सरकार इस पूरे इलाके को बेहतर शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ गगनचुंबी इमारतों के ग्रुप में बदलना चाहती है।

एशिया प्रशांत के रियल एस्टेट बाजारों में बेंगलूरु दूसरा सबसे आकर्षक स्थान : नाइट फ्रैंक

मुंबई (एजेंसी)। आवास ऋण पर ब्याज दरों में वृद्धि, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कोविड महामारी के बाद की चुनौतियों और बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच भारत का बेंगलुरु शहर एशिया प्रशांत क्षेत्र में सिंगापुर के बाद निवेशकों के एक पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी नाइट फ्रैंक द्वारा गुरुवार को जारी एक नयी रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विव अर्थव्यवस्था की नरमी की छाया के बीच एशिया प्रशांत के देशों में आर्थिक वृद्धि अपेक्षाकृत अच्छी रहेगी और इससे इन देशों के अचल सम्पत्ति बाजार को फायदा होगा। रिपोर्ट के अनुसार एशिया प्रशांत के रियल एस्टेट बाजार की वृद्धि अन्य क्षेत्रों से अधिक बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अचल संपत्ति क्षेत्र के कारोबार में आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों, मौसमी घटनाओं, श्रम की कमी, किराये की ऊंची दरों और ऐसे अन्य अनेक कारणों के कारण पिछले कुछ वर्षों में इसमें गिरावट चल रही थी। रिपोर्ट के अनुसार कोविड19 महामारी के बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रियल एस्टेट बाजार पटरी पर वापस आ रहा है। इस क्षेत्र के लोग रहने के लिए नये घरोंकी तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे निवेशकों के लिए बेंगलुरु सम्पत्ति के मूल्य की दृष्टि से आकर्षक बाजार के रूप में दिख रहा है। नाइट फ्रैंक का मानना है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में रियल एस्टेट बाजार में स्थिति सामान्य होने की प्रक्रिया जारी रहेगी, हालांकि कुछ बाजार रफ्तार भी पकड़ेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है, घरेलू उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के उभरते बाजारों में मांग में सुधार से वृद्धि को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज अपने पांचवें संस्करण के विजेता की घोषणा की

बेंगलूरु। द न्यू इंडिया फाउंडेशन कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज 2022 के विजेता की घोषणा करते हैं। अपने पांचवें संस्करण में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इतिहासकार, कार्यकर्ता और लेखक शेखर पाठक द्वारा लिखित पुस्तक द चिपको मूवमेंटः ए पीपल्स मूवमेंट को दिया गया है, जिसका हिंदी से अनुवाद मनीषा चौधरी द्वारा किया गया है। (पमार्नेंट ब्लैक व अशोक यूनिवर्सिटी)। विजेता का चयन आधुनिक भारतीय इतिहास के व्यापक क्षेत्र और विविध विषयों व दृष्टिकोणों से संबंधित गहन शोध पर आधारित और आकर्षक ढंग से लिखित पांच पुस्तकों की एक विविध लघुसूची से किया गया। इनमें श्वेता एस. बालाकृष्णन द्वारा लिखित एक्सिडेंटल फेमिनिज्मः जैंडर पैरिटी एंड सेलेक्टिव मोबिलिटी एमंग इंडियाज प्रोफेशनल ईलीट (प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस); शेखर पाठक द्वारा लिखित द चिपको मूवमेंटः ए पीपुल्स हिस्ट्री (पमार्नेंट ब्लैक); रुक्मिणी एस. द्वारा लिखित होल नंबर्स एंड हाफ ट्रुथ्सः व्हाट डेटा कैन एंड कैननॉट टैल अस अबाउट मॉडर्न इंडिया (कॉन्टैक्स्ट/वैस्टलैंड); सुचित्रा विजयन द्वारा लिखित मिडनाइट्स बॉर्डर्सः ए पीपुल्स हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न इंडिया (कॉन्टैक्स्ट/वैस्टलैंड); गजाला वहाब द्वारा लिखित बॉर्न ए मुस्लिमः सम ट्रुथ्स अबाउट इस्लाम इन इंडिया (एलेफ) शामिल हैं। कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज सभी राष्ट्रीयताओं के लेखकों द्वारा आधुनिक/समकालीन भारत पर कथेतर लेखन में उत्कृष्टता को मान्यता देता है और उसका जश्न मनाता है।

सोने-चांदी के रेट में भारी उछाल, अब ऑल टाइम हाई से केवल 2643 रुपये की दूरी पर गोल्ड, चांदी 64600 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शादियों के सीजन में सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए आज भी बड़ा झटका लगने वाला है। अब सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से कुछ हजार की दूरी पर है। चांदी ने भी आज बड़ी उड़ान भरी है। आज यानी शुक्रवार को सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 430 रुपये महंगा होकर 53611 रुपये पर खुला। वहीं, चांदी भी 1483 रुपये की छलांग लगाकर 64686 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से केवल 2643 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से अब केवल 11322 रुपये ही सस्ती है। आज सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का जीएसटी समेत औसत हाजिर भाव 55219 रुपये है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत अब जीएसटी के साथ 54997 रुपये है। आज यह 53396 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। इसमें 95 पर्सेंट सोना होता है। इस पर अगर ज्वेलर का मुनाफा जोड़ लें तो यह 60497 रुपये पड़ेगा। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के साथ यह 63000 रुपये के करीब पहुंच जाएगा। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 49108 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 फीसद जीएसटी के साथ इस सोने की कीमत 50581 रुपये है। इसमें 85 फीसद गोल्ड होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर का मुनाफा जोड़ने के बाद यह आपको करीब 62300 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 40208 रुपये प्रति 10 ग्राम है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 41414 रुपये हो गई है।

इसमें 75 प्रतिशत ही सोना होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ कर करीब यह 52500 रुपये पड़ेगा। बता दें सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए औसत रेट हैं, जो कई शहरों से लिए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है कि आपके शहर में सोना-चांदी इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहे हों।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 5-7 दिसंबर के बीच होगी, रेपो दर में 0.35 फीसदी का इजाफा संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 5-7 दिसंबर के बीच होगी। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में होने वाली इस द्विमासिक समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.35 फीसदी इजाफा होने की संभावना है। बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों ने शुक्रवार को बताया कि रिजर्व बैंक की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति रेपो रेट में 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, आरबीआई इसके बाद रेपो दर में बढ़ोतरी से बच सकता है। रिजर्व बैंक ने इससे पिछली बैठक (30 सितंबर) में खुदरा महंगाई दर को नियंत्रित करने के लिए रेपो दर में 0.50 फीसदी का इजाफा किया था। आरबीआई इससे पहले मई में रेपो रेट में 0.40 फीसदी, जून में 0.50 फीसदी और अगस्त में 0.50 फीसदी और सितंबर में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। इस तरह वित्त वर्ष 2022-23 में आरबीआई ने रेपो रेट में मई से लेकर अबतक 1.90 फीसदी की बढ़ोतरी की है, जो बढ़कर अभी 5.90 फीसदी के स्तर पर है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई का महंगाई पर नियंत्रण के प्रयास का मामूली असर दिखने लगा है। अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर तीन महीने के निचले स्तर 6.77 फीसदी पर आ गई है।

गांवों से ज्यादा शहरों में नौकरी की किल्लत रिपोर्ट में दावा- नवंबर में 8% हुई बेरोजगारी दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यवार बात करें तो हरियाणा बेरोजगारी दर के मामले में एक बार फिर अव्वल नंबर पर है। जहां यह आंकड़ा नवंबर महीने में 30.6 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसके बाद सबसे अधिक बेरोजगारी दर राजस्थान में 24.5 प्रतिशत दर्ज की गई। जम्मू व कश्मीर में बेरोजगारी दर 23.9 प्रतिशत रही। भारत में बेरोजगारी दर नवंबर महीने में पिछले तीन महीनों के उच्चतम स्तर 8 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन (सीएमआई) की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में बेरोजगारी दर ग्रामीण भारत की तुलना में कहीं अधिक है। शहरी भारत में जहां बेरोजगारी दर 8.96 प्रतिशत रही वहीं ग्रामीणा भारत में यह दर 7.55 प्रतिशत रही। इससे पहले अक्तूबर 2022 में शहरी बेरोजगारी दर 7.21 प्रतिशत जबकि ग्रामीण क्षेत्र की बरोजगारी दर 8.04 प्रतिशत रही थी। राज्यवार बात करें तो हरियाणा बेरोजगारी दर के मामले में एक बार फिर अव्वल नंबर पर है। जहां यह आंकड़ा नवंबर महीने में 30.6 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसके बाद सबसे अधिक बेरोजगारी दर राजस्थान में 24.5 प्रतिशत दर्ज की गई। जम्मू व कश्मीर में बेरोजगारी दर 23.9 प्रतिशत रही। सीएमआईई की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में यह 17.3 प्रतिशत जबकि त्रिपुरा में 14.5 प्रतिशत आंकी गई। सबसे कम बेरोजगारी दर के मामले में छत्तीसगढ़ सबसे आगे रहा।

वर्ष 2022 में हर महीने बेरोजगारी दर में जारी रहा उतार-चढ़ाव

मुंबई स्थित सीएमआईई के आंकड़ों पर कथित तौर पर अर्थशास्त्रियों और नीति निमार्ता बारीकी से नजर बनाकर रखते हैं, क्योंकि सरकार की ओर से अर्थव्यवस्था से जुड़े मासिक आंकड़े जारी नहीं जारी किए जाते हैं। वैश्विक मंदी की आशंकाओं और महंगाई के बीच वर्ष 2022 में देश की बेरोजगारी दर निम्न रूप से दर्ज की गई।
जनवरी-6.56%, फरवरी-8.11%, माच-7.57%, अप्रैल-7.83%, मई 7.14%, जून-7.83%, जुलाई-6.83%, अगस्त-8.28%, सितंबर-6.43%, अक्टूबर-7.77% नवंबर - 8.0% के उतार चढ़ाव पर रहा।

इन चार बैंकों में मिलेगी ई-रुपये की सुविधा

नई दिल्ल। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के चार प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में डिजिटल रुपये के पायलट परीक्षण की शुरूआत कर दी है। प्रोजेक्ट के लिए चुने गए बैंकों की ओर से 1.71 करोड़ रुपये डिजिटल रुपये की मांग की गई। जिसमें चार बैंकों भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ ग्राहक और व्यापारी इसका लेनदेन कर सकेंगे। बैंकों की मांग के अनुरुप केंद्रीय बैंक ने डिजिटल रुपया जारी कर दिया। आरबीआई की ओर से जारी किया गया ई-रुपया डिजिटल टोकन पर आधारित है। इसे केंद्रीय बैंक ही जारी कर सकता है और इसका मूल्य बैंक नोटों के समान ही है। इसे पेपर नोटों की तरह 2000, 500, 200,100, 50 और अन्य वैध डोनोमिनेशन में जारी किया गया है। यह डिजिटल रुपया एक खास ई वॉलेट में सुरक्षित रहेगा।

राष्ट्रीय सिंगल विंडा प्रणाली में 44,000 से अधिक प्रस्तावों को मंजूरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि निवेशकों की सुविधा के लिए राष्ट्रीय सिंगल विंडो प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) शुरू किए जाने के बाद इसके माध्यम से 44,000 से अधिक मंजूरी देने में मदद मिली है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रणाली में अभी 28,000 से अधिक आवेदनों की मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। वर्तमान में 16 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विभिन्न राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर की मंजूरी देने के अलावा 26 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में 248 जी2बी मंजूरी देने के लिए आवेदन स्वीकार करता है। बयान में कहा गया है कि यह पोर्टल तेजी से निवेशक समुदाय के बीच लोकप्रिय हो रहा है और अभी तक इसको अलग-अलग लगभग 3.7 लाख से अधिक व्यक्ति देख चुके हैं। एनएसडब्ल्यूएस के माध्यम से 44,000 से अधिक मंजूरी देने में मदद मिली है और। यह पोर्टल उपयोगकर्ता/उद्योग प्रतिक्रिया के आधार पर उत्तरोत्तर बड़ी संख्या में अनुमोदन और लाइसेंस प्रदान करेगा। सरकार सभी क्षेत्रों में व्यापार और निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए सुधारों और अन्य साहसिक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 22 सितंबर 2021 को सभी हितधारकों और जनता के लिए एनएसडब्ल्यूएस का सॉफ्ट लॉन्च किया था। एनएसडब्ल्यूएस को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा एक निवेश मंजूरी सेल (आईसीसी) के निर्माण की बजट घोषणा के अनुसार भारत में निवेशकों, उद्यमियों और व्यवसाइयों को आवश्यक अनुमोदन और मंजूरी की पहचान करने एवं मंजूरी प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए सृजित किया गया है।

पेज एक के शेष

वापस नहीं लेना...

हस्ताक्षर करवा लिया था। इसके बाद 11 नवम्बर को जब पुलिस ने उसे जेल भेज दिया, तब उसी कागज का इस्तेमाल केस को बंद करने के लिए किया गया। इसी सादे कागज पर स्वयं लिखकर साहिबगंज एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा के यहां केस नहीं लड़ने संबंधी आवेदन दे दिया गया। विजय हांसदा ने बताया है कि वह अवैध पत्थर खनन से जुड़ा केस लड़ना चाहता है। हांसदा ने बताया है कि उस पर केस वापस लेने का दबाव डाला जा रहा था, इससे जुड़ा वीडियो भी उसने मोबाइल में शूट किया था। गौरतलब है कि विजय हांसदा ईडी का गवाह रहा है। साहिबगंज व आसपास के इलाके में एक हजार करोड़ के अवैध खनन व परिवहन को लेकर ईडी ने जो जांच की है, उसमें पूर्व में भी विजय हांसदा का बयान दर्ज किया था। साहिबगंज पुलिस ने 11 नवम्बर को विजय हांसदा व उसके बेटे मनोज हांसदा को आर्म्स एक्ट के केस में जेल भेज दिया था। तब से वह जेल में बंद है।

परिष्कृत करके इंसानों...

वातावरण की स्थिति को भी ट्रैक किया जायेगा। इसमें ऑक्सीजन स्तर, तापमान, हवा में नमी और मौसम की स्थिति शामिल हैं। इस स्मार्ट वाच को गायों से पहले इंसानों पर टेस्ट किया गया। जिसमें पता चला कि डिवाइस एक छोटी से चहलकदमी को भी पकड़ लेता है। इसमें तापमान व अन्य मापन तुरंत रिकॉर्ड हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे और परिष्कृत करके इंसानों के दैनिक जीवन में भी काम आने लायक बनाने की तैयारी है।

साइबर ठगी के...

है। उन्होंने कहा कि बैंक पीड़ित व्यक्ति की सहायता करने के लिए तत्पर रहें, उनके साथ टाल-मटोल का रवैया न अपनायें। उन्होंने कहा कि आज अधिक-से-अधिक ग्राहक डिजिटल लेन-देन भी कर रहे हैं। अधिकांश वित्तीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं? इसलिए इस स्वयं-सेवा मॉडल के युग में, ग्राहक को सुरक्षित वित्तीय लेन-देन करने के लिए भी आरबीआई को पूरी तरह से सक्षम और तैयार होने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह भी समझाने की आवश्यकता है कि इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग सही और सुरक्षित तरीके से कैसे करना है। लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि वे अपने व्यक्तिगत पहचान-पत्र, आधार-कार्ड, पैन कार्ड अनावश्यक किसी से साझा न करें।

झारखंड में एक...

और नेपाल में जाकर मिलते थे, लूट का प्लान बनाते थे, रिश्वत के पैसे लेते थे। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ईडी इस मामले की गहराई से जांच करें तो पता चलेगा कि ऐसे अफसरों, सत्ताधारियों ने विदेशों में कहां कहां निवेश किया है। बाबूलाल मरांडी ने साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव की कार्यशैली पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली के तर्ज पर साहिबगंज के डीसी ने हृदय परिवर्तन कर लिया है। रोज पहाड़ों की सैर पर जाते हैं। जायज-नाजायज खदान बंद करा अपनी पीठ खुद थपथपाते हैं। इससे क्या होगा? पिछले दो सालों के खनन महालूट, जहाज कांड का हिसाब तो देना होगा न। एसपी और डीसी के मिलीभगत के बिना एक हजार करोड़ का खनन लूट और अपराधियों का नाच हो ही नहीं सकता। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वहां के दोनों अफसर मुख्य रूप से बराबर के दोषी हैं। इन्हें सजा दिलाये बगैर साहिबगंज महाघोटाला पर्दाफाश की कहानी पूरी नहीं सकती।

उन्नत सामग्रियों के शोध एवं विकास पर निवेश बढ़ाने की जरूरत: नीति आयोग सदस्य

नयी दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्नत सामग्रियों के नवोन्मेष में निवेश देश के भविष्य में किया जाने वाला निवेश है। सारस्वत ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरफ से आयोजित ह्यउन्नत सामग्री सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय भारत के लिए उन्नत सामग्रियों के स्वदेशी स्तर पर विकास के लिए मुफीद है और इस तरह आयात पर निर्भरता भी कम की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उन्नत सामग्रियां प्रौद्योगिकी को सक्षम बनाने का काम करती हैं और इस क्षेत्र में क्रांति लाने में गणना संबंधी सामग्रियों, बड़े आंकड़ों, मशीन लर्निंग, बहुस्तरीय मॉडलिंग और दूसरे नए प्रौद्योगिकी आयामों की बड़ी भूमिका होगी।

8 दिन बाद गिरावट में बंद हुआ बाजार:सेंसेक्स 415 अंक गिरकर 62,868 पर बंद, निफ्टी 116 अंक टूटा, मीडिया के शेयर्स चढ़े

◀◀ एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में गिरावट देखने को मिली। ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.10% की गिरावट रही।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (2 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 415 अंकों की गिरावट के साथ 62,868 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 116 अंक गिरकर 18,696 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार 8 दिनों की तेजी के बाद यह गिरावट आई है। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं सिर्फ 8 शेयरों में गिरावट रही। अपोलो हॉस्पिटल, टेक महिंद्रा, डॉ रेड्डी, टाटा स्टील, ग्रासिम, बीपीसीएल, यूपीएल, ओएनजीसी इंडसइंड बैंक, रइक लाइफ समेत निफ्टी के 18 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं आयशर मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, एम एंड एम हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर समेत निफ्टी के 31 शेयरों में गिरावट रही। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में गिरावट देखने को मिली। ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.10% की गिरावट रही। इसके अलावा बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, आईटी फार्मा और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली। वहीं मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.22% की तेजी रही। मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी तेजी देखने को मिली। इससे पहले शेयर बाजार ने हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (01 दिसंबर) को नए रिकॉर्ड्स कायम किए थे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,583.07 के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। इसके बाद यह 184 अंक की तेजी के साथ 63,284 के स्तर पर बंद हुआ था। इसके साथ ही सेंसेक्स ने अपना नया क्लोजिंग हाई भी बनाया।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

आंध्र प्रदेश में दो लॉरी की भिडंत में चार लोग जिंदा जले

काकीनाडा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में काकीनाडा जिले के प्रतिपादु मंडल के राष्ट्रीय राजमार्ग पर धर्मवरम के पास शुक्रवार तड़के दो लॉरियों की भिडंत के बाद वाहनों में आग लगने से चार लोगों की जिंदा जल गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि एक लॉरी राजमुंदरी में बालू पहुंचाकर वापस लौट रही थी और तभी अचानक से लॉरी अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर को पार करने के बाद विपरीत दिशा से आ रही कंटेनर लॉरी से उसकी भिडंत हो गयी। दोनों वाहनों की भिडंत इतनी जबरदस्त थी की टकराने के बाद में उनमें आग लग गयी। इस हादसे में दोनों वाहनों के चालक और क्लीनर सहित चार लोग जिंदा जल गए। अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना मिलते ही विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों के केबिन में चारों शव जले हुए थे केवल उनके अवशेष मिले हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को नहीं मिली जमानत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख को झटका लगा है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को देशमुख की जमानत याचिका पर सुनवाई फिर से टाल दी है। इससे लंबे समय से जेल में बंद एनसीपी नेता के आज रिहा होने की उम्मीद खत्म हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनसीपी नेता अनिल देशमुख द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई 6 दिसम्बर तक के लिए टाल दी। वहीं, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कोर्ट (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के मामले में अनिल देशमुख की न्यायिक हिरासत मांगी है और उनकी जमानत याचिका का विरोध किया है। हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिली है। सीबीआई का कहना है कि ईडी के मामले में देशमुख को जमानत मिलना उसके द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जमानत का आधार नहीं हो सकता है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के गंभीर आरोप हैं और मामले में जांच चल रही है।

लोकतंत्र पर हमें कोई ज्ञान न दे : भारत

यूएनएससी में भारत का दो टूक जवाब, कहा – भारत में लोकतंत्र की जड़े 2500 साल पुरानी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत को लोकतंत्र के मसले पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इस पर किसी से ज्ञान लेने की जरूरत नहीं है। यूएन में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने यह तीखी टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच पर की है। भारत को दिसम्बर महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता सौंपी गई है। हर महीने

■ यूएन में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने की तीखी टिप्पणी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता बदलती है और अगस्त 2021 के बाद यह दूसरा मौका है, जब भारत को यह जिम्मेदारी दी गई है। भारत फिलहाल दो साल के लिए इस परिषद का अस्थायी सदस्य भी चुना गया है, जिसकी अवधि इसी महीने के अंत में समाप्त होनेवाली है। भारत की अध्यक्षता के पहले ही दिन रुचिरा कंबोज ने कहा, 'परिषद की सदस्यता के बीते दो सालों में हम यह भरोसे के साथ कह सकते हैं कि सभी जिम्मेदारियों को सही ढंग से निभाय है। सुरक्षा परिषद में सभी आवाजों के बीच एक सेतु बनने का काम किया है। अलग-अलग मुद्दों पर लोग एक स्वर में बात करें, यह भी प्रयास हुआ है। हम अपनी अध्यक्षता के दौरान भी इस कोशिश को जारी रखेंगे।' भारत में लोकतंत्र और मीडिया के एक सवाल पर रुचिरा ने कहा कि हमें किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि लोकतंत्र पर हमको क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग जानते हैं कि भारत दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें 2500 साल पुरानी हैं। हम हमेशा एक लोकतंत्र ही थे।

76 देशों ने किया है सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन

इसमें दुनिया की विविधता को उस, तरह जगह नहीं मिली है, जैसे दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें अधिवेशन में 76 देशों ने कहा था कि सुरक्षा परिषद में सुधार होना चाहिए। इसके अलावा 73 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में ही सुधार की बात कही है। गौरतलब है कि 14 और 15 दिसम्बर को विदेश मंत्री एस. जयशंकर सुरक्षा परिषद की मीटिंग की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान आतंकवाद से निपटने के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी।

लोकतंत्र के सभी स्तंभ मजबूती के साथ कर रहे हैं काम

रुचिरा कंबोज ने कहा कि मौजूदा दौर की भी बात करें लोकतंत्र के सभी स्तंभ मजबूती के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया की भी अपनी आवाज है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा, 'हम हर 5 साल पर दुनिया की सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव कराते हैं। हर कोई जो भी कहना चाहता है, उसके लिए आजाद है। यह देश तेजी से बदलाव की ओर है।' यही नहीं इस दौरान उन्होंने वैश्विक समुदाय को आईना भी दिखाया। रुचिरा ने कहा कि हम जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बात करते हैं तो इसमें दशकों से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

नाटो में शामिल होने के लिए भारत पर कोई दबाव नहीं डाल सकता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत एक बड़ा देश है, जो 'अपने दम पर खड़ा है और गौरवान्वित' है और कोई भी इस पर दबाव नहीं डाल सकता। यह बात संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने उस समय कही, जब उनसे रूस के विदेश मंत्री के इस दावे के बारे में सवाल किया गया कि पश्चिमी सैन्य समूह नाटो भारत पर मास्को और बीजिंग विरोधी गठबंधन में शामिल होने का दबाव डाल रहा है। कंबोज ने कहा, भारत की बहुआयामी स्वतंत्र नीति है। भारतीय प्रतिनिधि कंबोज ने कहा कि रूस के साथ हमारे महत्वपूर्ण संबंध हैं और जहां तक अमेरिका के साथ संबंधों की बात है, यह एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो कभी भी इतनी मजबूत नहीं थी। भारत ने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता उस समय संभाली है, जब वीटो के अधिकार वाले रूस के यूक्रेन पर आक्रमण और उससे उपजे वैश्विक तनाव से वह असहाय हो चुका है। इस संदर्भ में पश्चिमी देशों और रूस के साथ भारत का संबंध उपयोगी हो सकता है। गुरुवार को महीने भर के लिए तयक सुरक्षा परिषद के कार्यक्रम में यूक्रेन मुद्दे को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन कंबोज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मुद्दा सामने आयेगा।

पीएम मोदी ने पुतिन को दिया था शांति का संदेश : यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के संदर्भ में कंबोज ने कहा कि हम शुरू से ही बहुत स्पष्ट रहे हैं, हमने एक स्वर में शांति की बात की है। हम कूटनीति और संवाद के पक्षधर हैं। इसके लिये हमारे प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और विदेश मंत्री (एस जयशंकर) दोनों पक्षों से बात कर रहे हैं। हम उन कुछ देशों में से हैं, जो दोनों से बात कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था, 'यह युद्ध का युग नहीं है' और कहा कि इसे वैश्विक स्वीकृति मिली है। जी-20 की हालिया घोषणा में भी इसे शामिल किया गया है। प्रमुख औद्योगिक और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 ने पिछले महीने बाली में अपने शिखर सम्मेलन में आम सहमति की बात कही थी।

भारत ने यूक्रेन में बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने यूक्रेन में बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की है। कंबोज ने बताया कि भारत यूक्रेन को 12 मेडिकल कंसाइनमेंट और शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। एक रिपोर्टर द्वारा चीन में जारी विरोध प्रदर्शन और उसकी सरकार की कोविड नीति के बारे में पूछे जाने पर कंबोज ने कहा, 'हम अन्य देशों के आंतरिक और घरेलू मामलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं, इस पर टिप्पणी करना हमारा काम नहीं है।'

इसरो जासूसी केस में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत रद्द

नयी दिल्ली (एजेंसी)। साइंटिस्ट नंबी नारायणन को कथित रूप से 1994 इसरो जासूसी मामले में फंसाने वाले चार आरोपी पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। मामले में केरल हाईकोर्ट ने आरोपियों की अग्रिम जमानत का आदेश दिया था, उसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने जमानत याचिकाओं को केरल हाईकोर्ट को वापस दे दिया है। साथ ही चार हफ्ते के भीतर मामले पर नए सिरे से फैसला करने को कहा है। चार आरोपी जिन्हें केरल हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत दी थी, उनमें गुजरात के पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार, केरल के पूर्व डीजीपी सिबी मैथ्यूज समेत दो पूर्व पुलिस अधिकारी एस विजयन और थम्पी एस शामिल हैं।

मामले में सीबीआई ने केरल हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सीबीआई ने कहा था कि जमानत देने से मामले की जांच पटरी से उतर सकती है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 28 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। 1994 इसरो जासूसी मामले में नंबी नारायणन को पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से फंसाया था। उनके साथ भारत के अन्य पांच लोगों समेत मालदीव की दो महिला और दो वैज्ञानिकों पर स्पेस प्रोग्राम के सीक्रेट डॉक्यूमेंट को विदेशों में ट्रांसफर करने का आरोप लगा था।

पंजाब में फिर मिला पाकिस्तानी ड्रोन, पांच किलो हेरोइन भी बरामद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की ड्रग्स भेजने की नापाक कोशिश को एक बार फिर विफल कर दिया है। बीएसएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में तरनतारन की भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खेतों से एक ड्रोन बरामद किया गया है। वहीं, इसमें लायी गयी पांच किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की गयी है। ड्रोन उच्च तकनीक से लैस बताया जा रहा है। पंजाब पुलिस और बीएसएफ ने बताया कि शुक्रवार सुबह बीएसएफ और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान में जवानों ने तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक क्रेश हेक्साकॉप्टर ड्रोन बरामद किया है। इसी ड्रोन से लायी गयी पांच किलो हेरोइन के पैकेट भी बरामद किये गये हैं। हालांकि, ड्रोन कैसे गिरा इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल पायी है।

समुद्री जहाज से लटककर तय किया 3200 किमी. का सफर

लागोस (एजेंसी)। तीन लोगों ने समुद्री जहाज के पतवार से लटककर करीब 3200 किमी का लंबा सफर तय किया है। इन लोगों ने नाइजीरिया के लागोस से कैनरी द्वीप का सफर जिस तरह से तय किया है, उसे जानने के बाद हरकोई हैरान रह गया है। 11वें दिन जब कैनरी द्वीप पहुंचे तो इन तीनों लोगों की हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबी यात्रा की वजह से तीनों ही लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया से ग्रस्त हो गए। बता दें कि, कोस्ट गार्ड द्वारा अवैध रूप से स्पेनिश देश में घुसने के आरोप में तीनों लोगों को पकड़ा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों ने एक ऑइल टैंकर वाले जहाज

एलिथिनी-टू के पतवार पर बैठकर सफर किया। यह हिस्सा जगह के पिछले हिस्से में नीचे की ओर होता है, जो पानी से बेहद करीब होता है। ये तीनों जहाज के जिस पतवार पर बैठे हुए थे, इनकी फोटो देखने के बाद हरकोई हैरान रह गया। वायरल फोटो में इन लोगों के पैर समुद्र की लहरों से महज कुछ इंच की दूरी पर दिख रहे हैं। लोग यह सोचकर दंग रह गए कि ग्यारह दिनों तक भूखे प्यासे कैसे जीवित रहे।

तीनों लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया के हुए शिकार : अधिकारियों ने बताया कि खतरनाक सफर को भूखे-प्यासे तय करने की वजह से तीनों लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया के शिकार हो गए। माइग्रेशन एडवाइजर सेमा सांटाना के मुताबिक, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, लेकिन हर बार बेटिकट सफर करने वालों का किस्मत हर वक्त ऐसा साथ नहीं देती है।

असद मजीद खान को पाकिस्तान का नया विदेश सचिव नियुक्त किया गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शुक्रवार को अनुभवी राजनयिक असद मजीद खान को नया विदेश सचिव नियुक्त किया, जिनका नाम विदेशी साजिश विवाद में सामने आया था। खान की नियुक्ति के साथ इस महत्वपूर्ण पद को लेकर कुछ सप्ताह से जारी अनिश्चितता खत्म हो गई। विदेश कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि खान वर्तमान में बेल्जियम, यूरोपीय संघ (ईयू) और लक्जमबर्ग में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में तैनात हैं। एस्टैबलिशमेंट डिवीजन ने नियुक्ति की अधिसूचना जारी की। इस साल सितम्बर में सोहेल महमूद के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद खाली हो गया था और एक स्थायी विदेश सचिव नियुक्त करने के बजाय, वरिष्ठ राजनयिक जौहर सलीम को पद पर औपचारिक नियुक्ति तक विदेश सचिव के कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। उस समय यह अनुमान लगाया गया था कि मजीद खान ही इस पद के लिए नियुक्त होनेवाले थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया क्योंकि देश में राजनीतिक तनाव चरम पर था। कथित साजिश वाशिंगटन से मजीद खान द्वारा भेजे गये एक केबल पर आधारित थी, जो पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डोनाल्ड लू के साथ उनकी बैठक पर आधारित थी।

बकिंघम पैलेस में नस्लभेद, शाही परिवार की सदस्य ने दिया इस्तीफा

■ प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन ने भी लगाये थे नस्लभेद के आरोप

नस्लभेदी कमेंट करनेवाली प्रिंस विलियम की गॉड मदर!

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस की एक अहम सदस्य को नस्लीय कमेंट करने के कारण इस्तीफा देना पड़ा है। माना जा रहा है कि कमेंट करनेवाली प्रिंस विलियम की गॉड मदर हैं। दरअसल, उन पर आरोप है कि उन्होंने एक अश्वेत महिला से पूछा कि वो अफ्रीका के किस हिस्से से आई है, जबकि महिला पहले ही कई बार यह बता चुकी थी कि वो ब्रिटेन की ही नागरिक है। इस बात को महल की सदस्य ने नहीं माना और बार-बार उस पर दबाव बनाते हुए पूछा, नहीं ये बताइए अफ्रीका में कहां से हैं? दरअसल, ये घटना ब्रिटेन की महारानी कैमिला के कार्यक्रम में हुई, जो घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को लेकर किया जा रहा था। वहीं, जिस महिला नगोजी फुलानी पर नस्लीय कमेंट किया गया वो घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए चैरिटी का काम करती हैं। इनका जन्म ब्रिटेन में ही हुआ था।

महल ने जताया अफसोस : बकिंघम पैलेस के सदस्य की टिप्पणी पर महल के प्रवक्ता ने बयान जारी किया है। इसमें मामले की जांच होने की बात कही गई है। प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के मामलों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया, जिसने नस्लीय कमेंट किया था, लेकिन यह जरूर बताया है कि उस सदस्य ने माफी मांगने की इच्छा जाहिर की है और उन्हें इस बात पर अफसोस है कि उनकी कमेंट से किसी को तकलीफ हुई है।

हालांकि, ना तो नगोजी फुलानी और ना ही महल के प्रवक्ता ने नस्लीय कमेंट करनेवाले सदस्य का नाम बताया है, लेकिन ब्रिटेन के मीडिया के मुताबिक यह कमेंट 83 साल की प्रिंस विलियम की गॉड मदर लेडी सुजैन हुस्से ने किया था। इस पूरी घटना पर किंग चार्ल्स के बेटे प्रिंस विलियम के प्रवक्ता ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो घटना के दौरान वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन किसी भी हालत में इस तरह के कमेंट स्वीकार्य नहीं हैं।

मेगन मर्केल ने भी लगाये थे नस्लभेद के आरोप

बकिंघम महल में नस्लभेद का यह कोई पहला मामला नहीं है। किंग चार्ल्स के छोटे बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने भी आरोप लगाया था कि महल में उन पर नस्लभेदी टिप्पणी की गई थी। मेगन ने कहा था कि उनके प्रेगनेंट होने के दौरान महल के लिए काम करने वाले सदस्य ने उनके बच्चे के रंग को लेकर सवाल किए थे।